जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The Iron Hand Of Götz von Berlichingen

With this mechanical marvel strapped to his arm, he returned to the battlefield, undeterred. Götz's life inspired Goethe's 1773 drama *Götz von Berlichingen*. A lasting icon of rebellion and individual will

The Story of Dalda

The Secret is Garlic Paste Infused with Olive Oil

बिहार की एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण हुई, पर इससे प्रश्न ज्यादा खड़े हुए उत्तर कम मिले

उदाहरण के लिए तीस लाख ऐसे वोटर हैं, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में वोट दिया था, अब विधानसभा में वोटर लिस्ट से उनका नाम कट गया

-रेणू मित्तल---
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **चुनाव आयोग के अनुसार, 21.53 लाख वोटर नये जुड़े हैं, पर इनमें से 16.93 लाख वोटर के ही ''फार्म 6'' उपलब्ध हैं, बाकी 4.6 लाख ''फार्म 6'' कहाँ गये, क्या यह वोटर बिना प्रक्रिया के ही जुड़ गये?**
- **नये वोटर में से दस प्रतिशत वोट केवल 15 एसेंबली सीटों में ही जोड़े गये हैं। अभी भी पाँच लाख डुप्लीकेट वोटर हैं, मतदाता सूची में, इनका शुद्धीकरण कैसे होगा।**
- **इस प्रक्रिया की जटिलता समझते हुए, लालू यादव अभी भी महागठबंधन की सीटों का बँटवारा फाइनल नहीं कर रहे हैं। वे अंतिम समय तक सबको लटकाये रखेंगे। अंतिम क्षणों में वो अपना फार्मूला प्रकट करेंगे, तब हताश होकर सभी घटक राजी होकर सीटों का बँटवारा स्वीकार कर लेंगे। चर्चा यह भी है कि यदि महागठबंधन सरकार सत्ता में आई तो जातिगत समीकरण को संतुष्ट करने के लिए तीन उपमुख्यमंत्री बनेंगे।**

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे, गठबंधन साझेदारों की मांगों और सीट समायोजन को लेकर अभी भी रस्साकशी जारी है।

कांग्रेस ने अपनी केन्द्रीय इलैक्शन कमेटी (सीईसी) की पहली और आखिरी बैठक की, जिसमें बताया गया कि लगभग 25 सीटों और उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए गए हैं, लेकिन अब तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है कि कौन सी सीटें कांग्रेस को मिली हैं और कुल कितनी सीटें दी गई हैं।

इस बीच, गठबंधन के भीतर अब चर्चा इस बात की चल रही है कि महागठबंधन में तीन उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं, जिनका चयन जातीय संतुलन के आधार पर किया जाएगा।

लालू प्रसाद यादव, जिन्हें गठबंधन राजनीति का माहिर खिलाड़ी माना जाता है, टिकट वितरण में सहयोगी दलों को आखिरी समय तक अनिश्चितता में रखने की कला में निपुण हैं, ताकि अंततः जब सीटें दी जाएं तो वे बिना विरोध स्वीकार कर लें। यह एक ऐसा खेल है, जिसमें लालू यादव हमेशा माहिर साबित हुए हैं।

हालांकि, चुनाव आयोग को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं, जिनका अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। यह बिल्कुल ऐसा है कि आप चाहे दीवार पर सिर मार लें चीख चिल्ला लें, पर किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगती।

दरअसल, भारतीय निर्वाचन आयोग ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया और राज्य में आगामी चुनावों के लिए 7.42 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं की अंतिम सूची जारी की है। लेकिन कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि आयोग ने मशीन से, पढ़ने योग्य मतदाता सूची उपलब्ध नहीं कराई, जिससे किसी भी तरह का विश्लेषण करना बेहद कठिन हो गया है।

इसके अलावा, आयोग ने मतदाता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हंगरी के लेखक को 2025 का नोबेल साहित्य सम्मान

स्टॉकहोम, 09 अक्टूबर। स्वीडिश अकादमी ने गुरुवार को हंगरी के उपन्यासकार और पटकथा लेखक लास्लो क्रास्नाहॉरकाई को वर्ष 2025 के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार देने के घोषणा की है। स्वीडिश अकादमी ने उनके नाम की घोषणा करते हुए बताया कि उन्हें यह पुरस्कार ''प्रलयकारी आतंक के बीच कला की शक्ति की पुनः पुष्टि करने वाली प्रभावशाली और दूरदर्शी रचनाओं'' के लिए दिया जा रहा है।

क्रास्नाहॉरकाई समकालीन यूरोपीय साहित्य के उन लेखकों में गिने जाते हैं। वह विनाश की कहानियों में

- **नोबेल विजेता लास्लो क्रास्नाहॉरकाई को उनकी विशिष्ट लेखन शैली के कारण ''प्रलय का शिल्पी'' भी कहा जाता है।**

अस्तित्ववाद के साथ कल्पना को इस तरह मिश्रित कर देते हैं कि एक विचित्र एवं बेतुकी दुनिया पाठकों के सामने खड़ी हो जाती है, जो उन्हें झकझोर कर रख देती हैं। उनकी इसी विशिष्ट शैली के कारण मशहूर अमेरिकी आलोचक सुजैन सोनटेग ने उन्हें ''प्रलय का शिल्पी'' कहा था। लास्लो क्रास्नाहॉरकाई का जन्म 1954 में दक्षिण-पूर्वी हंगरी के छोटे से शहर ग्युला में हुआ था। वह अपनी कानून और साहित्य की पढ़ाई के साथ-साथ एक स्वतंत्र लेखक के रूप में भी काम करते रहे।

बंगाल में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरु की चुनाव आयोग ने

बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष हैं, यह प्रक्रिया दो नवंबर से आरंभ होगी, तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार की गल्तियाँ बंगाल में नहीं दोहराई जाएं, इसके लिए प्रक्रिया में कई सुधार कर रहे हैं।**
- **पहली बात तो यह है कि बिहार में यह प्रक्रिया बहुत कम समय में पूर्ण की गई थी। अब चुनाव आयोग का दावा है कि प्रक्रिया की पूर्ति के लिए पूर्ण समय दिया जायेगा, जिससे तसल्ली से काम हो। साथ ही डिजिटल साधनों का वृहत् रूप से उपयोग किया जायेगा, जिससे समय की मारा मारी और कम हो।**
- **स्कूलों के अध्यापक-अध्यापिकाएँ, जो फार्म आदि भरने की मूल प्रक्रिया पूर्ण करते हैं, ने भी हाथ खड़े कर दिये हैं कि उन्हें अध्यापन के कार्य से महीने भर की छुट्टी दिलाई जाए, क्योंकि वे अध्यापन और फार्म भरवाना दोनों काम एक साथ नहीं कर पायेंगे।**

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीज़न -एसआईआर) के दौरान हुए विवादों और प्रशासनिक चूकों के बावजूद, चुनाव आयोग ने पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में इसी तरह की कवायद की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जहां अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं।

चुनाव आयोग ने एसआईआर से संबंधित सभी प्रारंभिक तैयारियों को पूरा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तय की है, जबकि यह कवायद 2 नवंबर से शुरू होगी। इस प्रक्रिया के तहत, 15 करोड़ फॉर्म छापे जाएंगे, जो राज्य के 7.65 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं को दिए जाएंगे। प्रत्येक मतदाता को दो प्रतियां दी जाएंगी - एक को बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को लौटाना होगा और दूसरी मतदाता अपने पास रखेगा।

बिहार में भारी विरोध झेलने के बाद, आयोग इस बार बेहद सतर्कता से कदम बढ़ा रहा है। चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि बिहार जैसी प्रशासनिक खामियों की पुनरावृत्ति न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, आयोग ने पश्चिम बंगाल के लिए प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अधिक समय देने का निर्णय लिया है, जबकि बिहार में इसे बहुत कम समय-सीमा में पूरा किया गया था।

मैनुअल प्रविष्टियों में लगने वाले समय को कम करने और समग्र दक्षता के बढ़ाने के लिए, आयोग डिजिटल उपकरणों का उपयोग करेगा, जिनसे ''वन-क्लिक अपलोड'' की सुविधा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेआई पर हमला करने वाले राकेश किशोर की सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस पर बैन

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने एडवोकेट राकेश किशोर की सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए राकेश किशोर के घोर निंदनीय तथा अनुशासनहीन व्यवहार की कड़ी आलोचना की।**
- **बार काउन्सिल ऑफ इंडिया ने भी राकेश किशोर की सदस्यता रद्द कर दी।**
- **सूत्रों ने बताया कि 71 वर्षीय राकेश किशोर के खिलाफ फौजदारी अवमानना की कार्यवाही शुरु करने पर विचार किया जा रहा है।**

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले अधिवक्ता राकेश किशोर (71) की अस्थायी सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है और उन्हें ''गंभीर दुर्व्यवहार'' का दोषी ठहराया है।

एसीसीबीए द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया कि सदस्य संख्या के- 01029/ आरईएस दिनांक 27.07.2011 वाले राकेश किशोर की सदस्यता ''तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाती है और उनका नाम एसोसिएशन की सूची से हटा दिया जाएगा।''

प्रस्ताव, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया, में कहा गया कि एक न्यायालय के अधिकारी (आफिसर ऑफ द कोर्ट) का ऐसा ''घृणित, अव्यवस्थित और असंयमित व्यवहार'' अनुचित और बार के सदस्यों से अपेक्षित अनुशासन के विपरीत है।

प्रस्ताव में आगे कहा गया कि यदि किशोर को कोई एससीबीए सदस्यता कार्ड जारी किया गया है तो वह ''तुरंत रद्द और जब्त'' किया जाता है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल को यह संदेश भेजा जाएगा कि उनका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रशांत किशोर ने 51 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। पीढ़ियों से गणित की पाठ्यपुस्तकें लिखने वाले गणितज्ञ, पूर्व नौकरशाह, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और डॉक्टर, ये सब उन 51 उम्मीदवारों में शामिल हैं, जिनकी घोषणा आज दोपहर प्रशांत किशोर के नेतृत्व वाली जन सुराज पार्टी ने की। यह बिहार में अगले महीने

- **इनमें 16 प्रतिशत मुसलमान तथा 17 प्रतिशत अतिपिछड़ा वर्ग से हैं।**

होने वाले दो चरणों के चुनाव के लिए जन सुराज पार्टी की पहली सूची है।

पहली सूची में 16 प्रतिशत उम्मीदवार मुसलमान हैं और 17 प्रतिशत अति पिछड़ी जातियों से आते हैं। चुनाव रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर राजनीति में भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं। इसलिए उम्मीदवारों के चयन में उनकी स्वच्छ छवि को प्रमुख मानदंड बनाया गया। किशोर ने चुनावी मुकाबले के लिए कई पूर्व नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को भी उम्मीदवार बनाया है।

'अपने सामान के साथ पासपोर्ट ही नहीं बल्कि खूब सारा धैर्य भी पैक करें'

अमेरिका जाने वाले यात्रियों को अब अनुभवी ट्रैवेल एजेंट्स यह नेक सलाह दे रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **एक अक्टूबर से अमेरिकी सरकार में लागू शटडाउन में केवल आवश्यक सेवाएँ ही कार्यरत हैं, क्योंकि इन सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को मनचाही छुट्टी जाने का अधिकार नहीं है। यह कर्मचारी बिना तनख्वाह के दस-दस घंटे काम कर रहे हैं।**
- **इससे सभी सेवाएँ प्रभावित हुई हैं और सबसे ज्यादा हवाई यात्रा।**
- **इन कर्मचारियों की लंबी थकान से फ्लाइट सुरक्षा प्रभावित हो रही है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, एयर ट्रैफिक बारीकी (प्रिसिशन) व मनोबल से चलता है और आप अनिश्चितता के वातावरण में काम कर रहे कर्मचारियों से, जिन्हें तनख्वाह भी नहीं मिल रही, उतनी कार्यकुशलता की अपेक्षा नहीं कर सकते। फ्लाइट्स असुरक्षित ही नहीं, विलंबित भी होती जा रही हैं।**

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इस सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर निकलने वाले यात्रियों के लिए अव्यवस्था का सामना करना आम बात हो गई है। सातवें दिन में पहुंच चुके संघीय सरकार के शटडाउन (कामकाज बंदी) का असर अब वॉशिंगटन के राजनीतिक गतिरोध से कहीं आगे फैल चुका है -उड़ानों में बाधा, राष्ट्रीय उद्यानों पर दबाव, और छुट्टी पर होने वाली हजारों यात्राओं को अनिश्चितता में डाल दिया है। यह स्थिति एक अक्टूबर से तब शुरू हुई जब सांसद नई वित्तीय योजना पर सहमत नहीं हो पाए। इसके परिणामस्वरूप सरकार के बड़े हिस्से ठप हो गए हैं - लगभग 40 प्रतिशत संघीय कर्मचारी, यानी करीब 7.5 लाख लोग, बिना वेतन छुट्टी पर भेजे गए हैं।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की धुरी माना जाने वाला उड्डयन उद्योग इस संकट का शुरुआती शिकार बन गया है। हवाई यातायात नियंत्रक (एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स), जिन्हें ''जरूरी कर्मचारी'' घोषित किया गया है, उन्हें बिना वेतन काम करना पड़ रहा है। लेकिन अब थकान के संकेत दिखने लगे हैं। सोमवार, 6 अक्टूबर को, न्यूयॉर्क और लॉस एंजेलिस के प्रमुख हवाई अड्डों पर स्टाफ की कमी के कारण 6,000 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं। लॉस एंजेलिस का हॉलीवुड बरबैंक एयरपोर्ट तो अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा क्योंकि सुरक्षा मानक बनाए रखना संभव नहीं था।

नेशनल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन (एनएटीसीए) ने कड़ा चेतावनी संदेश जारी करते हुए कहा है कि यह संकट ''आधुनिकीकरण की गति को धीमा कर सकता है'' और ''पूरे उड्डयन तंत्र की विश्वसनीयता और दक्षता को खतरे में डाल सकता है।'' संगठन के अध्यक्ष, रिच सैंटा ने कहा, ''कंट्रोलर्स से हफ्ते में 6 दिन दस-दस घंटे, काम करने को कहा जा रहा है - वो भी बिना वेतन। पिछली बार के शटडाउन में कई लोगों को परिवार का पेट पालने के लिए दूसरी नौकरी करनी पड़ी थी। ऐसे तनाव सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक है।

फिर भी, कुछ मजबूती अब भी बनी हुई है। सिरियम नामक एविएशन एनालिटिक्स कंपनी के अनुसार, मंगलवार दोपहर तक अमेरिकी हवाई अड्डों से रवाना होने वाली 23,600 उड़ानों में से 92 प्रतिशत समय पर रवाना हुईं। लेकिन विश्लेषकों का कहना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हर परिवार को सरकारी नौकरी देंगे'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार को वादा किया कि राज्य के हर घर को एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह वादा किसी

- **तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए घोषणा की और कहा, बिहार में कोई घर बिना सरकारी नौकरी के नहीं रहेगा।**

भावनात्मक आधार पर नहीं, बल्कि आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

पटना में मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि यदि विपक्षी गठबंधन सत्ता में आता है, तो राज्य के प्रत्येक परिवार का एक सदस्य सरकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो साल की बेरहम लड़ाई से तंग आकर अरब देशों ने शांति प्रस्ताव स्वीकार किया?

जैसा कि विदित ही है, इस लड़ाई में साठ हज़ार फिलिस्तीनी मारे गये थे और अंततोगत्वा फिलिस्तीनी भी हमास की इज़रायल से लगातार युद्ध की नीति से हताश हो गये हैं

-अंजल रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **क्या अरब देशों ने अब इज़रायल के अस्तित्व को सामान्य व गैर तब्दील हो सकने वाला तथ्य मान लिया है।**
- **यह स्वीकार हो जाने के बाद इज़रायल के पास भी अब अरब देशों से लड़ने का कोई कारण नहीं बचा है।**
- **शांति प्रस्ताव की बाकी बारिकियाँ अभी तये हो रही हैं, पर प्रमुख बात यह है कि हमास अब तमाम इज़रायली बंधकों को रिहा करेगा और मृत बंधकों के शरीर भी इज़रायल को सौंपेगा। इज़रायल भी ढाई सौ फिलिस्तीनी, जो उसकी कैद में हैं, को छोड़ेगा। केवल उन कैदियों को जिन पर हत्या का आरोप है, उन्हें सीधे फिलीस्तीनियों को नहीं देगा, बल्कि किसी तीसरे देश में स्थानांतरित करेगा। शांति वार्ता मिस्र की सीमा के पास हॉलिडे रिसॉर्ट शर्म अल शेख में हुई थी तथा तुर्की भी समझौते की बारिकियों को तय करने में सक्रिय भूमिका अदा कर रहा था।**

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इज़रायलियों की एक निहत्थी यहूदी बस्ती में हमास आतंकवादियों द्वारा किए गए अपहरण और हत्या के बाद शुरू हुए इक्कीसवीं सदी के इस कुरुक्षेत्र में लगभग 60,000 गाज़ावासियों की मौत के साथ, अब यह ''युद्ध'' समाप्ति की ओर बढ़ता दिख रहा है।

आख़िरकार, गाज़ा में इज़रायल का गाज़ा में युद्ध खत्म होने जा रहा है। इस लंबे संघर्ष की भारी मानवीय और आर्थिक कीमत देखने के बाद ऐसा लग रहा है कि अब अरब जगत इज़रायल के अस्तित्व को सामान्य और स्थायी रूप में स्वीकार करेगा और इज़रायल भी निरंतर टकराव की निरर्थकता को समझेगा।

जैसे ही इज़रायल की सरकार गाज़ा में युद्ध समाप्त होने की घोषणा करेगी, उग्रवादी संगठन हमास अपने कब्जे में रखे सभी इज़रायली बंधकों को रिहा कर देगा। मारे गए बंधकों के शव भी इज़रायल को सौंपे जाएंगे।

इसके बदले में, इज़रायल अपनी जेलों में बंद लगभग 250 फिलिस्तीनियों को रिहा करेगा, उनके नामों पर अंतिम निर्णय लिया जा रहा है। तथापि, इज़रायल ने स्पष्ट किया है कि जिन कैदियों को हत्या के अपराध में दोषी ठहराया गया है, उन्हें गाज़ा प्रशासन को नहीं सौंपा जाएगा, बल्कि किसी तीसरे देश में भेजा जाएगा।

7 अक्टूबर के हमले के मुख्य सूत्रधार यह्या सिनवार और उनके भाई मोहम्मद सिनवार, जो यह्या की इज़रायल द्वारा हत्या के बाद हमास के नेता बने थे, के शव नहीं सौंपे जाएंगे।

हमास और फिलिस्तीनी पक्ष ने अमेरिका द्वारा तय की गई शर्तों और अमेरिकी गारंटी पर आधारित इस समझौते को स्वीकार कर लिया है।

युद्धरत पक्षों के बीच तनाव कम होने के बाद, गाज़ा का प्रशासन अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का एक समूह करेगा, जो इसके पुनर्निर्माण और पुनर्वास की निगरानी करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने प्रत्यक्ष नेतृत्व में काम करने के लिए एक ''बोर्ड ऑफ पीस'' (शांति परिषद) के गठन की वकालत की थी।

इस बोर्ड में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी शामिल होंगे, जिन्होंने मध्य पूर्व में अपने कार्यकाल के बाद से शांति प्रक्रिया पर व्यापक रूप से काम किया है। इसके अलावा, मध्य पूर्व के कुछ प्रमुख देशों के प्रतिनिधि भी गाज़ा के प्रशासन और पुनर्निर्माण में भाग लेंगे।

शांति समझौते के पहले चरण को स्वीकार किए जाने की घोषणा के बाद, इज़रायल और गाज़ा तथा फिलिस्तीन,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसएमएस में न्यूरो सर्जरी का एचओडी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 9 अक्टूबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जयपुर मुख्यालय की एसआईयू टीम ने गुरुवार की रात को कार्रवाई करते हुए सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के

- **डॉ. मनीष अग्रवाल एसएमएस मैडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्रिंसिपल भी हैं।**

अतिरिक्त प्रिंसिपल डॉक्टर मनीष अग्रवाल को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत सिग्नेचर करने के एवज में मांगी गई थी। फिलहाल एसीबी उनके आवास और अन्य ठिकानों पर तलाशी ले रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK CMYK

विचार बिन्दु

धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। –फ्रैंकलिन

समान नागरिक संहिता लागू करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है

दिनांक 03.10.2025 के अतिथि सम्पादकीय में लेखक ने यह कहा था कि कई ऐसे विषय हैं जहाँ पर सभी राजनीतिक पार्टियों ने जिनका शासन रहा है संविधान की अवज्ञा की है। प्रथम विषय उदाहरण के हेतु था "शिक्षा का अधिाकर मानव का सर्वोच्च मूल अधिकार है।" लेखक का मूल उद्देश्य था कि 6 वर्ष तक के बालकों का शिक्षा का मूल अधिकार संविधान संशोधन से छीना गया है, जबकि शिक्षा का यह अधिकार दिनांक 25.01.1960 तक बालक को आठवीं कक्षा तक पूरा किया जाना था।

संविधान के अनुच्छेद 44 में, जो राज्य की नीति के निदेशक तत्वों का एक अनुच्छेद है, यह निर्देश है कि "राज्य भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिये समान नागरिक संहिता निर्धारित करने का प्रयास करेगा"। इस अवधारणा का आधार था कि धर्म और व्यक्तिगत कानून (स्वंय विधि) का कोई संबंध सभ्य समाज में नहीं है। निदेशक तत्वों द्वारा यह घोषणा की गई है कि राज्य ऐसी सामाजिक व्यवस्था, जिसमें सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय राष्ट्रीय जीवन की सभी संस्थाओं को अनुप्राणित करे, भरसक प्रभाव रूप से स्थापना और संरक्षक करके लोक कल्याण की अभिवृद्धि करेगा। ये तत्व देश के शासन के मूलाधार है और निश्चित ही विधि बनाने में इन सिद्धान्तों को लागू करना राज्य का कर्त्तव्य होगा। डा.अम्बेडकर के शब्दों में ये तत्व केवल पूज्यनीय घोषणायें नहीं हैं अपितु अनुदेशों के दस्तावेज हैं। इस प्रकार समान नागरिक संहिता लागू करना संवैधानिक दायित्व है।

आजादी के 78 वर्ष बाद भारत की प्रगति को देखते हुये, "यह नहीं कहा जा सकता कि राज्य यह कहे कि नीति निदेशक सिद्धान्त प्रवर्तनशील नहीं है। संविधान के चेप्टर-III व IV के प्रावधान जहां राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक अधिकारों को परिभाषित करते हैं वहीं ये मानवीय अधिकार भी हैं जब वे मानव अधिकार हैं तो फिर ये प्रवर्तनशील हैं। राज्य में समान सिविल संहिता लागू होगी यह निर्णय संविधान निर्मात्री सभा 1950 से पूर्व ले चुकी है और 26 जनवरी 1950 से अनुच्छेद 44 में यह व्यवस्था है। विधान निर्मात्री सभा ने पूर्ण चर्चा के बाद इसे पारित किया था। इस प्रकार यह प्रश्न आज नहीं उठाया जा सकता कि समान नागरिक संहिता लागू हो या नहीं?

सन् 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने शाहबानो व श्रीमती जोर्डेन डेंगदेह के केसेज में समान नागरिक संहिता लागू करने का उल्लोख किया इसके 10 वर्ष बाद सरला मुदगल के केस में इसे लागू करने पर जोर दिया और स्पष्ट किया कि सभ्य समाज में धर्म व वैयक्तिक कानून में काई संबंध नहीं है। बहु विवाह लोक नीति के विरूद्ध है और समाज की उन बुराइयों व कुप्रथाओं के रूप में माना जाना चाहिये जैसे सती व मानव बलि जैसे प्रथायें थीं। न्यायालय ने दो राष्ट्रों के सिद्धान्तों को नकारते हुये इसे स्पष्ट किया कि देश एक है और सभी के हेतु समान नागरिक संहिता होनी चाहिये। इसके बाद 2003 में पुनः माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने जॉन वेलभट्टन के केस में उपरोक्त सिद्धान्तों को पुनः दोहराया। स्पष्ट इंगित किया कि शादी, उत्तराधिकार के मामले धर्म निरपेक्ष हैं, इनका कोई संबंध धर्म से उन मूल अधिकारों से नहीं है जिनका उल्लेख अनुच्छेद 25 में किया गया है। संविधान निर्मात्री सभा में अनुच्छेद 44 के बाबत वार्ता में के.एम. मुंशी ने इस विषय पर बोलते हुये आपत्तियों का जोरदार खण्डन किया था। इसका समर्थन करते हुये डा.अम्बेडकर ने बताया था कि 1935 से पूर्व भारत के उत्तर पश्चिम भाग में उत्तराधिकार के मामले शरीयत से तय नहीं होकर, हिन्दू सक्सेशन लॉ से गवर्नर होते थे।

देश की कुछ राज्य सरकारों ने समान नागरिक संहिता पर अपने राज्यों में कानून बनाये हैं। उत्तराखण्ड राज्य देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता कानून लागू किया है। गोवा में तो पहले ही से समान नागरिक संहिता लागू है। राज्य ने संविधान की अवज्ञा बहुत कर ली किन्तु समय की पुकार है कि सम्पूर्ण देश पर समान नागरिक संहिता लागू हो। हमें यह मानकर चलना होगा कि समान नागरिक संहिता लागू करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है और इस पर गम्भीरता से अमल करना चाहिये।

ट्रिपल तलाक की प्रथा जो 1400 वर्षों से चली आ रही थी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का निर्णय अल्पमत व बहुमत के निर्णय का आशय है कि ट्रिपल तलाक की प्रक्रिया अवैध व विवेकशून्य तथा इसमें मानवीय अधिकारों पर क्रूर प्रहार है। निर्णय का सार है कि मुस्लिम महिला दिनांक 22.08.2017 के निर्णय की तारीख से ट्रिपल तलाक के अभिशाप से मुक्त हो चुकी है अर्थात् तलाक-ए-बिद्दत देश में समाप्त है।

शरीयत आचार शास्त्र है, इसके सिद्धान्त के स्त्रोत हैं पवित्र कुरान जो खुदा की वाणी है तथा हादिस खुदा के फरमान हैं। जो पवित्र कुरान में बुरा है वह शरियत में अच्छा नहीं हो सकता। अतः जो धर्म शास्त्र में गलत है वह कानून में भी गलत है। इसी बात को जस्टिस कुरियन जोसफ ने बहुमत के अपने निर्णय में भलीं भांति समझाया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि "जब तुम किसी महिला को तलाक देते हैं तो उसका आधार विवेकपूर्ण होना चाहिये।" बहुमत से माननीय सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस खेहर ने अल्पमत के निर्णय को जिसमें अनुच्छेद 25 का लाभ दिया है उसे धर्म का अभिन्न अंग मानने से इन्कार किया है अर्थात् भिन्न मत अभिव्यक्त किया है और तलाक की प्रथा को कुरान के विरूद्ध माना है।

लेख के प्रारम्भिक भाग में सर्वोच्च न्यायालय के अनुच्छेद 44 के संबंध में दिये गये निर्णयों की ओर ध्यान आकर्षित किया है जिनमें सरला, मुदगल, शाहबानों, श्रीमती जार्डन डेंग देह व 2003 के जान वेलभट्टन के केसेज का उल्लेख है। इन सब में स्पष्ट किया है कि सभ्य समाज में धर्म व वैयक्तिक कानून में कोई संबंध नहीं है। देश एक है, देश के नागरिक सब समान हैं और समता, समरसता व समानता के हेतु समान नागरिक संहिता होनी चाहिए। आप शादी को संस्कार अथवा कान्ट्रेक्ट कुछ भी माने, प्रत्येक व्यक्ति अपने धर्म के रीति रिवाजों के अनुसार शादी की प्रक्रिया पूरी कर सकता है, किन्तु शादी का पवित्र बंधन में बंधे जोडे के लिए खुशहाली का जीवन प्यार के साथ चलता रहे और यदि जीवन असाध्य हो जावे, सुलह के रास्ते बंद हो तो विवाह का बंधन गरिमा पूर्ण तरीके से टूटे और सभी के हेतु समान कानून इस हेतु बने। समान नागरिक संहिता का जो उल्लेख संविधान के नीति निदेशक तत्वों के चेप्टर में है, उसकी पूर्ण पालना हो।

यहाँ यह लिखना उचित होगा कि विधानसभा निर्मात्री सभा के समक्ष जब चर्चा चल रही थी तो एक माननीय सदस्य मोहम्मद इस्माईल साहब ने अनुच्छेद 44 में (जो पूर्व में अनुच्छेद 35 था) एक संशोधन प्रस्तावित किया, वह इस प्रकार था, "किन्तु किसी ग्रुप, सेक्शन अथवा कम्यूनिटी की यह सोच बाध्यकारी नहीं होगी, जिसका अपना पर्सनल कानून हो"। इस संशोधन पर बहस के बाद इसे नकार दिया गया। डॉ.अम्बेडकर ने इस संशोधन का विरोध करते हुए कहा था कि सन् 1935 तक नोर्थ वेस्ट फ्रंटीयर प्रोविन्स में सक्सेशन आदि के संबंध में हिन्दू लॉ लागू होता था और 1937 तक शेष भारत के कई भागों में जैसे यू.पी., सेन्ट्रल प्रोविन्स, बम्बई में अधिकांश मुस्लिम सक्सेशन के मामलों में हिन्दू विधि से शासित होते थे।

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गजेन्द्र गड़कर ने अपने एक भाषणा में कहा था, "अनुच्छेद 44 को लागू नहीं करना भारतीय डेमोक्रेसी की विफलता है"। जस्टिस हेगड़े ने अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए कहा था कि "सोसाइटी को यदि विभिन्न कानूनों के द्वारा भिन्न-भिन्न कम्पार्टमेण्ट में बांट दिया गया तो वह कभी भी एक रूप नहीं हो सकती"। धर्म के आधार पर पर्सनल लॉ मध्यकाल की बात है। जस्टिस छागला ने कहा था कि देश को प्रत्येक नागरिक को नीति निदेशक तत्वों के दर्शन को मानना चाहिए।

हम यदि भारतीय समाज की बात करें अथवा अन्य मुस्लिम देशों की जैसे टर्की, ट्यूनेशिया, सीरिया, मोरक्को, मिश्र, पाकिस्तान, ईरान आदि की बात करें तो स्पष्ट है कि इन देशों ने अपने आचरण से यह स्वीकार कर लिया है कि मुस्लिम विधि अब अभेदनीय अथवा अखण्डनीय नहीं है।

देश की कुछ राज्य सरकारों ने समान नागरिक संहिता पर अपने राज्यों में कानून बनाये हैं। उत्तराखण्ड राज्य देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता कानून लागू किया है। गोवा में तो पहले ही से समान नागरिक संहिता लागू है। राज्य ने संविधान की अवज्ञा बहुत कर ली किन्तु समय की पुकार है कि सम्पूर्ण देश पर समान नागरिक संहिता लागू हो। हमें यह मानकर चलना होगा कि समान नागरिक संहिता लागू करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है और इस पर गम्भीरता से अमल करना चाहिये। यह देश हित में है समता, समानता व बन्धुत्व की भावना को शक्तिशाली धरातल देने के लिये आवश्यक है। अनुच्छेद 25 धर्म के आचरण के सम्बन्ध में स्वतंत्रता देता है वहीं अनुच्छेद 44 सामाजिक सम्बन्धों व वैयक्तिक कानूनों को धर्म से अलग रखता है।

"सबको सन्मति दे भगवान् - ईश्वर अल्लाह तेरो नाम"।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राजस्थान औद्योगिक प्रगति की ओर : प्लग एंड प्ले की नई शुरुआत

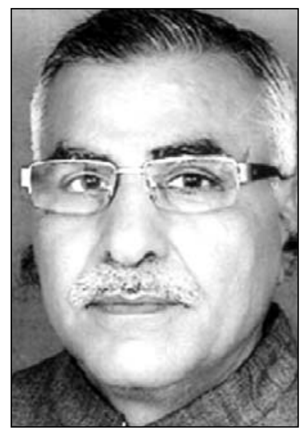

गुलाब बत्रा

राजस्थान अब इतिहास, संस्कृति और पर्यटन का पर्याय होने के साथ ही औद्योगिक प्रगति का नया केंद्र बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार दूरदर्शी औद्योगिक नीति से पारंपरिक ढांचे को तोड़ते हुए आधुनिक औद्योगिक युग की दिशा में निर्णायक कदम उठा रही है। इन्हीं में से एक ऐतिहासिक पहल 'प्लग एंड प्ले फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स' उद्योगों के नए युग का सूत्रपात कर रही है। यह परियोजना राजस्थान के युवाओं के उद्यमशील सपनों को जमीन देने वाली नीति दृष्टि का परिणाम है। इसमें न केवल निवेश आकर्षण का लक्ष्य है, बल्कि रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी यह एक सशक्त कदम है। भजनलाल शर्मा सरकार ने यह साबित किया है कि इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता से बजट घोषणाओं और विभिन्न योजनाओं को समयबद्ध रूप से धरातल पर उतारा जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में खैरथल-तिजारा और जयपुर जिले में 'प्लग एंड प्ले' कॉम्प्लेक्स की घोषणा के कुछ ही महीनों में इसका क्रियान्वयन शुरू हो जाना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार नीतियों के साथ-साथ परिणामों पर भी उतना ही ध्यान दे रही है।

जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 4000 वर्गमीटर भूमि पर करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स का निर्माण पूरा किया गया है। इसमें 33 रेडी-टू-यूज़ मॉड्यूल्स तैयार हैं। इनमें उद्यिमयों को बस प्रवेश कर व्यवसाय आरंभ कर देना है। यह मॉडल इस बात का जीवंत उदाहरण है कि यदि सरकार ठोस नीयत और तत्परता से कार्य करे तो औद्योगिक परियोजनाएं वर्षों नहीं, महीनों में साकार हो सकती हैं। राज्य सरकार ने इस परियोजना को केवल जयपुर तक सीमित नहीं रखा है। अलवर जिले के चोपांकी औद्योगिक क्षेत्र में 10,046 वर्गमीटर भूमि पर इसी तरह के कॉम्प्लेक्स की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की है। सालारपुर औद्योगिक क्षेत्र में 13,235 वर्गमीटर भूमि इस योजना के लिए चिन्हित की गई है। यह दर्शाता है कि सरकार औद्योगिक विकास को क्षेत्रीय संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहती है, ताकि विकास केवल शहरी केंद्रों तक सीमित न रहे, बल्कि छोटे शहरों और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंचे। जोधपुर का आरआईआईसीओ बोरनाडा फेज़ तृतीय अब इस नई औद्योगिक दृष्टि का अहम केंद्र बन गया है। ई-ऑक्शन के माध्यम से 4 सितम्बर 2023 को 9000 वर्गमीटर भूमि अयोध्या इंडस्ट्रियल पार्क को आवंटित की गई। आवंटन के तुरंत बाद निर्माण कार्य का प्रारंभ होना यह साबित करता है कि सरकार की औद्योगिक प्रक्रियाएं पारदर्शी और समयबद्ध हो गई हैं। इसी प्रकार, एग्रो फूड पार्क बोरनाडा में भी लगभग 4000 वर्गमीटर भूमि इसी योजना के अंतर्गत विकसित की जा रही है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार उद्योगों में विविधता पर भी ध्यान दे रही है।

राजस्थान का पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र लंबे समय तक औद्योगिक दृष्टि से उपेक्षित रहा है, लेकिन अब बालोतरा जिले के बोड़वास कलावा औद्योगिक क्षेत्र को 'प्लग एंड प्ले' योजना से जोड़ा गया है। यहाँ चार भूखंड इस परियोजना के लिए नियोजित किए गए हैं। इनमें से दो पर निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यह पहल न केवल क्षेत्रीय असमानता को घटाएगी, बल्कि पश्चिम राजस्थान को औद्योगिक पहचान देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगी। आज की युवा पीढ़ी तेज़ी से बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा में समय की कीमत समझती है। पारंपरिक फैक्ट्री स्थापित करने की लंबी प्रक्रिया, अनुमति संबंधी अड़चनें और भारी निवेश युवा उद्यिमयों के लिए बड़ी बाधा बनते हैं।

'प्लग एंड प्ले' मॉडल इन तमाम जटिलताओं से मुक्त है। इसमें तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर, बिजली, जल, संचार और प्रशासनिक स्वीकृतियां पहले से उपलब्ध होती हैं। उद्यमी को बस उत्पादन शुरू करना होता है। यह मॉडल एमएसएमइ सेक्टर और स्टार्टअप्स के लिए विशेष रूप से वरदान साबित हो रहा है। इनमें उद्यमी न्यूनतम पूंजी और समय में अपना उद्यम खड़ा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि राज्य की औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब हम युवा उद्यिमयों को सुविधा, विश्वास और अवसर एक साथ दें। यह सोच ही इस योजना की आत्मा है।राजस्थान सरकार की नीतियों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। सरल ऑनलाइन प्रक्रियाएं, एकल खिड़की प्रणाली, पारदर्शी भू-आवंटन और प्रोत्साहन पैकेजों ने निवेश माहौल को और सुदृढ़ किया है।

राज्य में लगने वाले इन 'प्लग एंड प्ले' कॉम्प्लेक्सों से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। साथ ही, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। राजस्थान का औद्योगिक उत्पादन और निर्यात क्षमता दोनों में वृद्धि होगी। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में राज्य का योगदान भी है। आज राजस्थान जिस तेज़ी से उद्योग, निवेश और अवसंरचना के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, वह आने वाले दशक में राजस्थान को उत्तर भारत का प्रमुख औद्योगिक स्थल बना देगा।

प्लग एंड प्ले की नई शुरुआत इस बात का प्रतीक है कि राज्य सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली शासन प्रणाली पर विश्वास करती है। यह पहल सुशासन, पारदर्शिता और प्रगतिशील सोच का जीवंत उदाहरण है। राजस्थान की यह औद्योगिक यात्रा केवल नई फैक्ट्रियों की कहानी नहीं, बल्कि एक नई सोच का उदय है। यहां सरकार निवेशकों की साझेदार, युवाओं की सहयोगी और जनता की भागीदार बनकर काम कर रही है। निश्चय ही, यह पहल आने वाले वर्षों में राजस्थान को पर्यटन, संस्कृति और खनिज संपदा के साथ-साथ भारत के औद्योगिक मानचित्र पर भी अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करेगी।

गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार।

ग्रामीण सेवा शिविर - 2025 : जनता के काम, जनता के द्वार की अवधारणा हो रही साकार

राजस्व अभिलेखों में त्वरित और पारदर्शी प्रक्रिया से मारुफ को मिली बड़ी राहत

सविता सिंह

राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर ने एक बार फिर साबित किया है कि यह पहल ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्याओं का त्वरित समाधान करने में मील का पत्थर साबित हो रही है। बाड़मेर जिले की ग्राम पंचायत इटादा, तहसील धनाऊ निवासी मारुफ पुत्र अमीर को लंबे समय से राजस्व अभिलेखों में हिस्सा सही दर्ज न होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

समस्या के समाधान के लिए मारुफ एवं उनके सहखातेदारों ने धनाऊ में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में सहमति शुद्धि के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मामले की गंभीरता को समझते हुए प्रभारी तहसीलदार धनाऊ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भू-अभिलेख निरीक्षक आलमसर और पटवारी इटादा को दस्तावेजों की जांच के आदेश दिए। अधिकारियों ने मौके पर ही दस्तावेजों का मुआयना कर शुद्धि प्रस्ताव तैयार किया। विशेष बात यह रही कि प्रस्ताव तैयार होने के तुरंत बाद शिविर स्थल पर ही इसे स्वीकृत कर दिया गया तथा राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक नामांकन की कार्यवाही भी पूर्ण कर दी गई। इस त्वरित और पारदर्शी प्रक्रिया से मारुफ पुत्र अमीर और उनके परिवार को बड़ी राहत मिली।

मारुफ ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार एवं स्थानीय प्रशासन का आभार जताया और कहा कि इस प्रकार के शिविरों से अब आमजन को दफ्तरों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं रहती। यह सफलता की कहानी इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से सरकार जनता के काम, जनता के द्वार की अवधारणा को साकार कर रही है और सुदूर क्षेत्रों के किसानों व ग्रामीणों तक सरकारी सेवाएं सरलता एवं त्वरित गति से पहुंच रही हैं।

ग्रामीण सेवा शिविर में मिला भूमि का स्वामित्व

मातादीन और जगदीश के भविष्य की मजबूत हुई बुनियाद-

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविर लोगों के लिए संबल का माध्यम बन रहे है। इन शिविरों में ना केवल वर्षो से अटकी समस्याओं का निस्तारण किया है, बल्कि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा भी प्रदान की जा रही है। धौलपुर जिले के बाड़ी उपखण्ड के एक छोटे से गांव जमूरा का अड्डा में विशेष रूप से घुमंतू-अर्द्धघुमंतू मोगिया समुदाय निवास करता है। यहां रहने वाले मातादीन पुत्र बंशी, जगदीश पुत्र हरिसिंह अपने परिवार के साथ सरकारी जमीन पर झोपड़ी बनाकर जीवनयापन कर रहे थे। जीवन की कठिनाईयां, आर्थिक तंगी और छत के अभाव में वह लगातार संघर्ष कर रहे थे। पक्की छत नहीं होने से बारिश हो या तेज धूप, उनके लिए कोई राहत नहीं होती।

गांव में हुए आवासी पटटे के सर्वे के दौरान मातादीन एवं जगदीश को जब बताया गया कि उन्हें भी इसका लाभ मिल सकता है, तब पहले तो उन्होंने विश्वास नहीं हुआ। लेकिन ग्राम पंचायत नकसौदा के ग्रामीणों एवं स्थानीय प्रशासन की मदद से उन्होंने आवेदन किया। काफी इंतजार और प्रक्रिया के बाद उनको आवासीय पट्टा भूमि का स्वामित्व मिला।

सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना और भूमि पट्टा वितरण योजना ने उनकी जिदंगी में नया उजाला ला दिया। जब उन्हें ग्राम पंचायत नकसौदा में ग्रामीण सेवा शिविर में पट्टा मिला तो उनके चेहरे पर जो मुस्कान थी वह उनके वर्षो के संघर्ष की गवाही दे रही थी। अब वे ना सिर्फ अपने लिए घर बना सकते है, बल्कि अगली पीढ़ी को भी बेहतर जीवन दे सकते है। शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी भगवत शरण त्यागी एवं तहसीलदार उत्तम चंद बंसल को उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि यदि योजनाएं सही तरीके से जरूरतमंदो तक पहुंचे तो जिदंगी बदल सकती है। पट्टा सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं यह उनके आत्मसम्मान और भविष्य की बुनियाद बन गया है।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत सीगड़ा की मोनिका को मिला लाभ-

प्रदेश में आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण करने एवं राज्य सरकार की योजनाओं को लाभार्थी तक पहुँचाने का सफल प्रयास साबित हो रहे है। इसी कड़ी में झुंझुनूं जिले की ग्राम पंचायत सीगड़ा में आयोजित शिविर के दौरान मोनिका पत्नी सुदेश कुमार को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया गया।

शिविर में मोनिका की दूसरी बेटी के जन्म पर पोषण ट्रैकर पर उसका ऑनलाइन पंजीकरण किया गया तथा योजना के तहत आवेदन फॉर्म भरा गया। आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने पर उसे 6000 रूपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई, जिससे उसके परिवार को आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर के दौरान मोनिका की बेटी का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। यह कार्यक्रम एक सौहार्दपूर्ण माहौल में आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्र के अधिकारी एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अपनी बेटी के अन्नप्राशन और योजना से लाभ प्राप्त कर मोनिका ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह राशि उनके परिवार के लिए बहुत सहायक सिद्ध होगी और इस योजना ने मातृत्व काल में उन्हें सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और पोषण में सुधार लाना है। सीगड़ा शिविर में मोनिका को मिला यह लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की एक प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत करता है।

–सविता सिंह,
एपीआरओ, राजस्थान सरकार

सुहागिनों का त्योहार "करवा चौथ"

डॉ. मोनिका ओझा खत्री

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की सलामती, अपने वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि और लम्बी उम्र के लिए उपवास रखती है। यह व्रत कुंवारी लड़कियां भी रखती हैं। सुहागिनों का सबसे खास पर्व करवा चौथ कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ पर्व इस साल 1 0 अक्टूबर, शुक्रवार को है। पंचाग के मुताबिक करवाचौथ पर पूजा का शुभ समय शाम 5:57 मिनट से शुरू होगा जो 7:11 बजे तक रहेगा। यानि पूजा का शुभ मुहूर्त एक घंटे 14 मिनट का होगा। चंद्रोदय शाम 7 बजकर 42 मिनट पर रहेगा।

इस दिन महिलाएं रात को चांद देखकर उसे अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं। इस व्रत की शुरुआत सावित्री के त्याग और फल से हुई थी। पौराणिक कथा अनुसार सावित्री अन्न-जल त्याग कर यमराज से अपने पति को वापस लाई थी। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है। यह व्रत अच्छे गृहस्थ जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। सोलह श्रृंगार में माथे पर लंबी सिंदूर अवश्य हो क्योंकि यह पति की लंबी उम्र का प्रतीक है। मंगलसूत्र, मांग टीका, बिंदिया, काजल, नथनी, कर्णफूल, मेहंदी, कंगन, लाल रंग की चुनरी, बिछिया, पायल, कमरबंद, अंगूठी, बाजूबंद और गजरा ये 16 श्रृंगार में आते हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां निर्जल व्रत कर चौथ माता से अपने पति की लम्बी उम्र की कामना करती है।

इस व्रत को उत्तर भारत में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। व्रत में चौथ माता के पूजन का महत्व सर्वाधिक है। इस दिन महिलाएं सजी थाली से पूजा करना शुभ मानती हैं। करवा चौथ के व्रत में चौथ माता की पूजा करना जरूरी होता है। थाली में सिंदूर, रोली, जल और सूखे मेवे रखते हैं। करवा चौथ के व्रत और पूजा में इस थाली का खासा महत्व होता है। करवा चौथ पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा होती है। पूजा में शाम को सभी व्रती महिलाएं एक साथ बैठ व्रत कथा कहती हैं। सबसे पहले चौथ माता की स्थापित मूर्ती पर फूल-माला और कलावा चढाया जाता है और उनके प्रतिमा के आगे करवा में जल भर कर रखा जाता है। करवा चौथ के दिन चंद्रमा उदय होने का समय सभी महिलाओं के लिए बहुत महत्व का है क्योंकि वे अपने पति की लम्बी उम्र के लिये पूरे दिन (बिना पानी के) व्रत रखती हैं। वे केवल उगते हुये पूरे चाँद को देखने के बाद ही पानी पीती हैं। यह माना जाता है कि चाँद देखे बिना व्रत अधूरा है। इस दिन महिलाएं शिव, पावर्ती और कार्तिक की पूजा-अर्चना करती हैं फिर शाम को छलनी से चंद्रमा और पति को देखते हुए पूजा करती हैं। पूजा के समय ही करवा चौथ की कथा सुनी जाती है. चन्द्रमा को छलनी से देखा जाना चाहिए। फिर अंत में पति के हाथों से जल पीकर व्रत समाप्त हो जाता है अंत में चांद का दीदार करने के बाद महिलाएं पति के हाथों पानी पीकर अपना व्रत तोड़ती हैं। यह माना जाता है कि अगर छलनी में चंद्रमा देखते हुए पति का चेहरा देखना शुभ माना जाता है।

–डॉ. मोनिका ओझा खत्री
(लेखक पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर के बीबीए की विभागाध्यक्ष है।)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 10 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र सायं 5:31 तक, सिद्धि योग सायं 5:41 तक, बव करण प्रातः 9:17 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृष, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सायं 5:31 से सूर्योदय तक है। कुमार योग 7:39 से सूर्योदय तक है। आज करवा चौथ (करक) व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में 8:25 पर होगा। आज दशरथ चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:54 तक, लाभ-अमृत 7:54 से 10:47 तक, शुभ 12:14 से 1:41 तक, चर 4:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:01

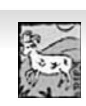

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कर्क

आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आज घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

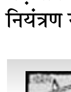

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

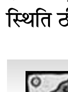

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में आज उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

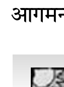

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

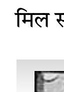

कुंभ

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

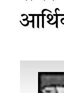

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

आमजन देखेंगे सेना के शौर्य और बलिदान की गाथा : भजनलाल शर्मा

आर्मी-डे परेड की तैयारियां कार्ययोजना के अनुरूप पूर्ण करें : मुख्यमंत्री

- 15 जनवरी को भारतीय सेना द्वारा जयपुर में आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जायेगा
- इससे पूर्व 8 से 15 जनवरी तक उपकरण प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी 15 जनवरी को भारतीय सेना द्वारा जयपुर में आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जाएगा। इस सम्पूर्ण आयोजन के माध्यम से आमजन को भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान के गौरवशाली इतिहास को जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आर्मी-डे परेड का आयोजन भव्य और व्यापक रूप से किया जाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह परेड भारतीय सेना और वीर सैनिकों के पराक्रम और वीरता को प्रदर्शित करेगी। प्रशासन और अधिकारी इस आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों को समय से पूर्ण करने के लिए सैन्य अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर जयपुर को जगतपुरा के महल रोड पर आर्मी-डे परेड से संबंधित सभी तैयारियां समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड में शामिल होने वाले विशिष्ट गणमान्य, सैन्य अधिकारी और शहीदों के परिजनों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। उन्होंने पुलिस आयुक्त, जयपुर को परेड स्थल पर पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था के उचित प्रबंधन के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड और इससे संबंधित अन्य आयोजनों को देखकर विशेष रूप से युवाओं में देश भक्ति की भावना और अधिक प्रबल होगी। दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बैठक में बताया कि 8 से 15 जनवरी तक उपकरण प्रदर्शन होगा। साथ ही, 15 जनवरी को ही आर्मी-डे परेड एवं सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य संध्या कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सांस्कृतिक विविधता और शौर्य गाथा से संबंधित ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी 7 दिसम्बर को जेएलएन मार्ग पर ऑनर रन का भी आयोजन होगा।बैठक में मुख्यमंत्री को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

सांसद हरीश मीणा के बेटे हनुमंत मीणा का हृदयाघात से निधन

- आदर्श नगर स्थित मोक्षधाम में गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार
- बताया जा रहा है कि हनुमंत मीणा को 2 दिन पहले सीने में दर्द के बाद निजी अस्पताल भर्ती कराया गया था

जयपुर (कासं)। टोंक-सवाई माधोपुर से कांग्रेस सांसद व पूर्व डी.जी.पी. हरीश मीणा के इकलौते बेटे हनुमंत मीणा (35) की हार्टअटैक (हृदयाघात) से मौत हो गई। 2 दिन पहले सीने में दर्द की शिकायत होने पर उनको जयपुर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हनुमंत मीणा को जनरल वार्ड में भर्ती कर जांचें की गई, जो एकदम ठीक आई थी। आज उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने वाली थी। दोपहर करीब 3 बजे हनुमंत मीणा को हार्टअटैक आ गया। इस दौरान डॉक्टर भी वार्ड में ही थे। डॉक्टर ने तुरंत हनुमंत मीणा को संभाला, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। सूचना मिलने पर हरीश मीणा टोंक में कांग्रेस की बैठक रद्द करके जयपुर लौटे। गुरूवार शाम को आदर्श नगर स्थित श्मशान घाट में गमगीन माहौल के बीच हनुमंत मीणा का अंतिम संस्कार किया गया।

मात्र 35 वर्षीय हनुमंत एक व्यवसायी थे और जयपुर में अपना व्यवसाय संभालते थे। हनुमंत मीणा के निधन की खबर से उनके परिवार में गहरा शोक है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दुखद घटना के बाद राजस्थान के राजनीतिक हलकों में भी शोक की लहर दौड़ गई है। हनुमंत के पिता, सांसद हरीश चंद्र मीणा, 1976 बैच के आईपीएस अधिकारी रह चुके हैं, और वर्तमान में टोंक-सवाई माधोपुर से कांग्रेस सांसद है।बताया जा रहा है कि, कांग्रेस सांसद हरीश मीणा गुरूवार सुबह बेटे हनुमंत मीणा से अस्पताल में मिले थे। इसके बाद वह सवाई माधोपुर में कांग्रेस की बैठक में शामिल होने के लिए निकल गए थे। सवाई माधोपुर के बाद वह टोंक में कांग्रेस की बैठक में जा रहे थे। रास्ते में उनको बेटे की मौत की सूचना मिली तो वे टोंक बाइपास से सीधे जयपुर लौट गए। हनुमंत मीणा बिजनेसमैन थे, उनके एक बेटा और एक बेटी है।टोंक में कांग्रेस की बैठक स्थगित सूचना के बाद कांग्रेसियों में भी शोक की लहर दौड़ गई। ए.आई.सी.सी. महासचिव और टोंक विधायक सचिन पायलट समेत कई नेताओं ने हनुमंत मीणा की मौत पर दु:ख जताया। हनुमंत मीणा के निधन की सूचना मिलने के बाद टोंक कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनाने के लिए कांग्रेस ऑफिस में रखी गई बैठक भी स्थगित कर दी गई।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में चचेरी बहन और अभियुक्त को 20 साल की सजा

अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर 1.80 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म से जुड़े मामले में पीड़िता की चचेरी बहन और उसके परिचित अभियुक्त धीरज को 20 साल की सजा सुनाई है। पीठासीन अधिकारी अलका बंसल ने दोनों अभियुक्तों पर 1.80 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने पीड़ित प्रतिकर स्कीम, 2011 के तहत पीडिता को क्षितपूर्ति दिलाने के लिए प्रकरण को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में भेजा है।अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रचना मान ने अदालत को बताया कि पीडिता ने 26 अक्टूबर, 2023 को सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी चचेरी बहन उसे अपने दोस्त के निवास पर कार्यक्रम का कहकर ले गई थी। जब वह मौके पर पहुंची तो कोई कार्यक्रम नहीं था और सिर्फ अभियुक्त वहां मिला। इस दौरान चचेरी बहन उसके साथ रात को रुक गई। जहां अभियुक्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके चलते अगले दिन उसने अनाज में रखने वाली कीडे मारने की गोली खा ली थी, लेकिन गोली पुरानी होने के कारण उसकी जान बच गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को 4 अक्टूबर और चचेरी बहन को 5 दिसंबर को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। पुलिस जांच में पता चला कि चचेरी बहन पीडिता को कार्यक्रम का बहाना कर अपने साथ ले गई थी। रात के वक्त तीनों एक ही कमरे में सोए थे। जहां अभियुक्त ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया था। वहीं दूसरी ओर बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया जा रहा है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त और पीड़िता की चचेरी बहन को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

बीसीआर चुनाव के नामांकन की फीस बढ़ाने और कमेटी गठन को चुनौती

जयपुर । प्रदेश के अधिवक्ताओं की नियामक संस्था बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव के नामांकन की फीस 10 हजार से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए करने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में चुनाव कराने की जिम्मेदारी देने के लिए कमेटी गठित करने को भी चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट बार के पूर्व अध्यक्ष और बीसीआर का चुनाव लडने वाले अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा की ओर से दायर इस याचिका पर अदालत 10 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। याचिका में बार कौंसिल ऑफ इंडिया के सचिव और बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के सचिव को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया कि बार कौंसिल ऑफ इंडिया नियम, 1961 के नियम 3 में प्रावधान है कि राज्य बार कौंसिल का सचिव रिटर्निंग ऑफिसर होगा और उसकी ही चुनाव कराने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं बीसीआर चुनाव नियम,1968 के नियम 8 में हुए संशोधन में प्रावधान है कि नामांकन फीस दस हजार रुपए रहेगी। इसके बावजूद भी बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने गत 25 सितंबर को आदेश जारी कर बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव कराने के लिए सात अधिवक्ताओं की कमेटी का गठन कर दिया। इसके अलावा प्रत्याशियों से नामांकन फीस के तौर पर दस हजार रुपए के स्थान पर 1.25 लाख रुपए लेने का प्रावधान किया। याचिका में कहा गया कि राज्य बार कौंसिल के चुनाव को लेकर बीसीआई को दिशा-निर्देश जारी करने का अधिकार ही नहीं है। इसके अलावा नियमों के विपरीत जाकर भी बीसीआई आदेश जारी नहीं कर सकती।

'राजस्थान में भाजपा सरकार के 20 माह, कांग्रेस के 5 वर्षों पर भारी'

- भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने प्रैस कॉफ्रेंस कर कांग्रेस पर हमला बोला

जयपुर । भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार के 20 महीनों के कार्यकाल को कांग्रेस सरकार के 5 सालों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी और परिणामदायक बताया।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार का पूरा कार्यकाल सेवा, विकास और पारदर्शिता के संकल्प पर केंद्रित रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार में जहां निष्क्रियता और केवल घोषणाओं की राजनीति हावी थी, वहीं वर्तमान सरकार ने अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने का संकल्प लेकर जनसंपर्क अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया है। ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से लाखों लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया।

डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता लाकर इस स्थिति को सुधारा है। सेवा पखवाड़े के रूप में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए गए शिविरों में भूमि विवाद, नामांतरण, प्रमाण पत्र, पेंशन और जन आधार से जुड़ी समस्याओं का तुरंत निपटारा किया गया। इसके साथ ही सहकारी सदस्यता अभियान के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र में आम नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा मिला है, जो पहले कुछ गुटों के नियंत्रण में था।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि भाजपा सरकार ने 20 महीनों में जो काम किए हैं, वे कांग्रेस सरकार पूरे 5 वर्षों में नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों के हित में अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। उन्होंने बताया कि कृषि, सिंचाई, ऊर्जा, सड़कों, आवास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भाजपा सरकार की उपलब्धियाँ कहीं अधिक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को समर्पित रहते हुए खेतों की तारबंदी, फार्म पॉन्ड निर्माण, पाइपलाइन वितरण और बीज मिनी किट के माध्यम से उन्हें राहत दी है। सहकारी बैंकों के माध्यम से रिकार्ड ऋण वितरण किया गया है। डॉ. बैरवा ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन, नवकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और सड़क निर्माण के क्षेत्र में भी कांग्रेस से कहीं अधिक कार्य किया है। विद्यार्थियों को टैबलेट और लैपटॉप वितरण की योजना के माध्यम से शिक्षा में डिजिटल क्रांति लाई गई है। सरकार की कोशिश रही है कि बजट घोषणाएं केवल कागज़ों तक सीमित न रहें, बल्कि हर योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद तक पहुंचे।

भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने 12 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की हैं जो लाखों लोगों को राहत देंगी। किसानों को दिन में बिजली देने की व्यवस्था की, पीएम कुसुम योजना के तहत सौर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत उत्पादन को बढ़ावा दिया और बड़ी संख्या में कृषि कनेक्शन जारी किए। वृक्षारोपण के क्षेत्र में करोड़ों पौधे लगाकर कीर्तिमान रचा।

धनखड़ ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजनाओं में कांग्रेस सरकार के समय भारी गड़बड़ियां थीं, लेकिन भाजपा सरकार ने 32 लाख अपात्र नाम हटाकर 59 लाख नए पात्र लाभार्थियों को जोड़ा है, जिससे योजनाओं का लाभ वास्तव में ज़रूरतमंदों को मिला है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सरकार ने साइकिल वितरण, प्रशिक्षण कार्यक्रम, लखपति दीदी योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, पीएम मातृ वंदना योजना जैसे अनेक कदम उठाए हैं, जिनसे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सफलता मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि युवाओं के लिए नए शिक्षण संस्थानों की स्थापना, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसके साथ ही सरकार ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों के त्वरित निस्तारण और 21 नवीन नीतियों के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहन देने जैसे कार्य किए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण को नई उडान

हर क्षेत्र में महिलाओं को मिल रहे समान अवसर, योजनाओं से बन रही आत्मनिर्भर

- शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और उद्यिमता के क्षेत्र में उठाए गए अभूतपूर्व कदम

जयपुर । राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार द्वारा लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिणक और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री का मानना है कि "आधी आबादी" की भागीदारी के बिना विकसित राजस्थान की कल्पना अधूरी है, इसी सोच के साथ सरकार ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल की हैं। महिलाएं खेती से लेकर उद्योग और आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों तक में अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, मातृत्व पोषण योजना, नि:शुल्क सैनिटरी नेपकिन वितरण, गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी कूपन जैसे कदमों से महिलाओं को सीधा लाभ मिला है।

राज्य सरकार ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए गार्गी पुरस्कार, कालीबाई स्कूटी योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना जैसी योजनाएं चलाई हैं, जिनके अंतर्गत अब तक 39 हजार से अधिक स्कूटियां वितरित की गई हैं। सरकारी महाविद्यालयों में छात्राओं के लिए 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया गया है।

महिला सुरक्षा के लिए 181 हेल्पलाइन, 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट और महिला सलाह केंद्र जैसे ठोस प्रयास किए गए हैं।

महिला उद्यिमता को बढ़ावा देने के लिए महिला निधि के तहत 31,053 स्वयं सहायता समूहों को ऋण दिया गया।

'लखपति दीदी' योजना में 18.25 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण मिला, जिनमें से 11 लाख से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। ड्रोन प्रशिक्षण, अमृता हाट, वन धन विकास केंद्र जैसे नवाचारों से ग्रामीण व जनजातीय क्षेत्रों की महिलाएं भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ रही हैं।

जर्जर स्कूल भवनों और छात्रसंघ चुनाव पर सुनवाई टली

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के जर्जर स्कूल भवनों और राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए दायर याचिका पर 15 अक्टूबर तक सुनवाई टाल दी।जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की अदालत में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद की ओर से कहा गया कि उनकी ओर से जर्जर स्कूल भवनों के संबंध में मांगी गई जानकारी तैयार की जा चुकी है, लेकिन प्रमुख शिक्षा सचिव बीते तीन दिन से मौजूद नहीं हैं। ऐसे में मामले की सुनवाई टाली जाए। वहीं एएसजी भरत व्यास की ओर से कहा गया कि उनकी ओर से एएसजी पद का कार्यभार हाल ही में ग्रहण किया गया है। दोनों को सुनकर अदालत ने स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई टाल दी। इसी तरह जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ में राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव कराने को लेकर दायर याचिका में अधिवक्ता अभिनव शर्मा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के प्रकरणों का हवाला देते हुए छात्रसंघ चुनाव कराने की गुहार की गई।

4 साल की पीडिता के बयान पर हुई अभियुक्त को सजा

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम 1 महानगर प्रथम ने चार साल की पीडिता के बयान के आधार पर पॉक्सो प्रकरण के अपराधी रोहित मलाह को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 22 वर्षीय इस अभियुक्त पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में पीड़ित बालिका की साक्ष्य पूर्णत: विश्वास करने योग्य है।

पीडिता न केवल अपने बयानों पर कायम रही, बल्कि प्रति परीक्षा में भी उसके बयानों में विरोधाभास नहीं रहा। प्रकरण में साढे तीन साल की पीडिता ने ऐसी पीड़ा को झेला, जिसका वर्णन करना भी मुश्किल है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने बताया कि घटना को लेकर पीडिता की बुआ ने 24 मई, 2024 को जवाहर नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि तीन दिन पहले रात के समय वह अपने पति के साथ नीचे वाले कमरे में सो रही थी और पीडिता व उसकी बेटी छत पर सो रही थी। छत पर बने पोर्शन में अभियुक्त अपने परिवार के साथ किराए पर रहता था।

रात करीब साढ़े 11 बजे पीड़िता के रोने की आवाज आई। जब पीड़िता को संभाला को उसने पेट दर्द होने की बात कही। अगले दिन भी पीडिता ने अपनी दादी को दर्द की शिकायत कर डॉक्टर को दिखाने की बात कही, लेकिन उसकी मां ने ध्यान नहीं दिया। बीती रात करीब एक बजे बच्ची ने रोते हुए फिर से दर्द होने की शिकायत की।

इस पर ध्यान से देखा तो उसके प्राइवेट पार्ट पर सूजन आ रखी थी। पूछने पर पीडिता ने बताया कि अभियुक्त ने वहां अपनी अंगुली डाली थी।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत के सामने घटना को दोहराया।

वहीं बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि उसका परिवार पीड़िता की बुआ के घर रहता है और वह मकान खाली कराने के लिए उसे झूठा फंसा रही है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

संक्षिप्त

'स्वास्थ्य पर चर्चा' कार्यक्रम हुआ

निवाई। मूक बधिर विद्यालय में सीके बिरला हॉस्पिटल व लायंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें जयपुर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ शुभनव जैन ने बताया कि हम कैसे अपनी आँखों का बचाव कर सकते है। बच्चों को आज कल मोबाईल फोन से होने वाली आँखों की समस्या कितनी खतरनाक हो सकती है, इससे कैसे बचा जाए और आँखों की समस्या को नजर अंदाज नहीं करने सहित कई बिन्दुओं पर चर्चा की। फिजियोथेरिपीस्ट डॉ. आशीष अग्रवाल ने दिनचर्या को संतुलित करके रोगों से बचने के उपाय बताए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रोबोट तकनीक से इलाज करवाना आसान और सहज हो गया है। कार्यक्रम का संचालन मैनेजर मनीष शर्मा ने किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष अशोककुमार जैन, जॉन चैयरमैन हुकमचन्द जैन, एमजीएफ दिनेश चंवरिया, विद्यालय सचिव सीताराम स्वामी व महेन्द्र जैन ने भी विचार व्यक्त किए।

ट्रांसफार्मर हटाने की मांग

शाहपुरा । कस्बे के नजदीक खातोलाई ट्रांसफार्मर हादसे में दो दर्जन लोगों की मौत के बावजूद बिजली विभाग अब भी लापरवाही बरतने में कोई झिझक नही दिखा रहा है। नगरपरिषद क्षैत्र के रजनीश अस्पताल के सामने हाइवे पर मिश्रा कॉलोनी में एक हाइटेंशन लाइन के साथ आबादी व सड़क बीच ट्रांसफार्मर रखा हुआ है जो कभी भी फाल्ट या कोई भी लाइट संबंधित लापरवाही होने पर कभी भी ट्रांसफार्मर फटने की आंशका है। रोज बिजली लाइन पर लोड़ पड़ने से स्पार्किंग होती जिससे लाइट के पंतगे ऊपर से गिरते देखे जाते है। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी व पार्षद घनश्याम सैनी ने बिजली विभाग से जनहित को देखते हुए तुरंत ट्रांसफार्मर को हटाकर विद्युत लाइन को जमीन के अंदर से अंडरग्राउंड करने की मांग की है। इस मौके पर कॉलोनी वासियों ने बिजली विभाग के खिलाफ विरोध प्रर्दशन कर आक्रोश जताया।

आरोपी गिरफ्तार

पावटा। प्रागपुरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के परिवहन पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रागपुरा थाना अधिकारी कश्मीर सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक देवेंद्र बिश्नोई के संपूर्ण जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के आदेशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के सुपरविजन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन में अवैध साधा देशी मदिरा के 48 पव्वे जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राजेंद्र कुमार मीणा पुत्र मातादीन उम्र 37 साल निवासी मीणा मोहल्ला बुचारा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से साधा देशी मदिरा के 48 पव्वे जप्त कर आबकारी अधिनियम की धारा में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ईंटों से भरी एक ट्राली पलटी

निवाई। शिवाजी कॉलोनी के मुख्य सडक़ मार्ग के निर्माण के लिए खुदाई हो जाने के चलते ईंटों से भरी एक ट्राली पलट गई। जानकारी के अनुसार इन दिनों शिवाजी कॉलोनी के मुख्य सडक़ मार्ग का निर्माण कार्य करवाए जाने के लिए पुराने रोड की खुदाई का कार्य चल रहा है। कॉलोनी की गली नंबर 4 से 9 तक का खुदाई कार्य हो चुका है। खुदाई के दौरान फैले हुए कंक्रीट के पत्थरों की वजह से गुरुवार की दोपहर ईंटें भरकर जा रही एक ट्रैक्टर की ट्रॉली असंतुलित होकर ओम किराणा स्टोर के बाहर बने हुए चबूतरे पर पलट गई और ईंटों का चबूतरे पर ढेर लग गया। ट्रॉली में भरी हुई ईंटों पर एक महिला व पुरुष भी बैठा हुआ था। वे दोनों भी ईंटों के साथ चबूतरे पर जा गिरे। हालांकि इसमें किसी के चोट नहीं आई है।

3 घंटे विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

निवाई। दीपावली के त्यौहार को लेकर विद्युत लाइनों के रखरखाव के चलते शुक्रवार को ढाई घंटे बिजली बंद रहेगी। कनिष्ठ अभियंता शहर लक्की गोठवाल ने बताया कि शुक्रवार को लाइनों के रखरखाव कार्य के चलते सुबह 7:30 बजे से 10:30 बजे तक एसडीम ऑफिस के आसपास, झिलाय रोड, ढाणी जुगलपुरा, बड़ की ढाणी, ट्रक यूनियन के आसपास, जगदंबा कॉलोनी, गिर्राज विहार, इंदिरा कॉलोनी, दीनदयाल कॉलोनी, सुभाष कॉलोनी व कृषि मंडी के आसपास के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

सेवा ही धर्म की भावना को चरितार्थ करने में स्काउट गाइड की भूमिका : वन राज्यमंत्री

- स्काउट गाइड के लिए मंच बनवाने के लिए विधायक निधि कोष से 10 लाख रूपये देने की कि घोषणा
- शिविर के दौरान पर्यावरण संरक्षण के विषय पर की गई टेऊकिंग के अनुभवों के बारे में अवगत कराया

राज्यमंत्री संजय शर्मा नेशिविर में सहयोग करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

अलवर । वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने आज नजर बगीची में आयोजित राष्ट्र स्तरीय पर्यावरण जागरूकता एवं ट्रेकिंग शिविर के समापन समारोह में शिरकत कर आमजन से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक पौधारोपण कर करने की अपील की। उन्होंने शिविर में सहयोग करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सेवा ही धर्म की भावना को बढाने के उद्देश्य से स्थापित भारत स्काउट गाइड बच्चों के चरित्र निर्माण व देश भक्ति की भावना विकसित करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में आपदा की स्थिति में स्काउट गाइड के स्वयंसेवक अपने नारे 'सदैव तत्पर-तैयार रहो' को चरितार्थ करते हुए आपदा प्रबंधन में आगे बढकर महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन की समस्या से जूझ रहे है, जिसके दृष्टिगत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड मां के नाम' अभियान शुरू किया है, जो जन-जन का अभियान बनकर उभरा है।

भारत स्काउट गाइड के निदेशक राजकुमार कौशिक ने भारत स्काउट गाइड के गठन, इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से अवगत कराया। ट्रेकिंग शिविर प्रभारी भारत स्काउट गाइड के उप निदेशक अनलेन्द्र शर्मा ने शिविर के दौरान पर्यावरण संरक्षण के विषय पर की गई टेऊकिंग के अनुभवों के बारे में अवगत कराया। कर्नाटक से आए रोवर सुभाष ने अलवर जिले में ट्रेकिंग शिविर व आउटिंग के अनुभव शेयर करते हुए बताया कि अलवर जिला प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के स्थलों से समृद्ध है। यहां की साझा संस्कृति अपनापन लिए हुए हैं। भारत स्काउट गाइड की जिला सचिव विजय लक्ष्मी वर्मा ने आगन्तुकों का आभार जताया। जिला प्रशिक्षण आयुक्त प्रमोद कुमार शर्मा ने मंच संचालन किया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, डीएफओ राजेन्द्र हुड्डा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका रघुवंशी, भारत स्काउट गाइड के प्रधान एवं समाजसेवी कृष्ण गुप्ता, भारत स्काउट गाइड की जिला सचिव विजय लक्ष्मी वर्मा, सीईओ स्काउट गाइड राजेन्द्र मीणा, नीता शर्मा, जितेन्द्र राठौड, प्रमोद शर्मा, लोचन यादव सहित संबंधित प्रबुद्ध व्यक्ति, भारत स्काउट गाइड के प्रतिभागी एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जरूरतमंदों को कराया अन्नपूर्णा भोजन

भरतपुर। लायंस क्लब भरतपुर कोहिनूर की ओर से आयोजित 'सेवाकुंर सप्ताह' के तहत गुरुवार को अन्नपूर्णा भोजन वितरण प्रसादी के तहत जरूरतमंदों के लिए भोजन कराया गया क्लब अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ.अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि अन्नपूर्णा रसोई घर में जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। व्यक्तियों के दुख दर्द को भी साझा किया। डॉ.गुप्ता ने बताया कि भूखे एवं जरूरतमंदों को भोजन कराना अद्वितीय कार्य ही नहीं अपितु मानव सेवा का परम धर्म है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन कराना प्रभु प्रसाद को पाना है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को सेवा सप्ताह का अंतिम दिवस है।इस दिन विशेष सक्षम व्यक्तियों की सेवा-सहायता की जायेगी। 160 जरूरतमंदों को आरबीएम हॉस्पिटल स्थित अन्नपूर्णा रसोई में भोजन कराया गया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन कराना आत्मिक सुख मिलता है।

सेवा पर्व पखवाड़ा के अंतर्गत शिविर में लाभार्थियों को मिली राहत

- पंचायत द्वारा कार्यवाही करते हुए दिशा-निर्देशों के अनुरूप शर्मा को उनके पुराने आवास का पट्टा जारी किया

लाभार्थियों को पट्टे वितरित करते अधिकारी।

कोटपूतली। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्रामीण सेवा शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। गुरुवार को शिविर के दौरान ग्राम बीलवाड़ी निवासी गौरव शर्मा पुत्र प्रकाश चंद शर्मा द्वारा अपने पैतृक आवासीय गृह का पट्टा जारी करवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। ग्राम पंचायत द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए राजकीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप शर्मा को उनके पुराने आवास का पट्टा जारी किया गया। उन्होंने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार बिदामी देवी पत्नी गिरधारी लाल गुर्जर, निवासी लुहाकना रोड, डेहरा, विराटनगर जो सामाजिक व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से हैं एवं चलने-फिरने में शारीरिक असुविधा का सामना कर रही थीं, को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा वैसाखी (स्ट्रिक) प्रदान की गई। उन्होंने सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे उन्हें चलने फिरने में बहुत आसानी होगी, जिससे दैनिक दिनचर्या के काम सुगमता के साथ कर पाएंगी।

कार्यकारिणी ने ली शपथ

अलवर। राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार संघ की खैरथल-तिजारा इकाई की नवीन कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह सुंदरम गार्डन में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी, वरिष्ठ पत्रकार, समाजसेवी और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर किशोर कुमार, पुलिस अधीक्षक मनीष चौधरी, अलवर संभाग प्रभारी चंद्रशेखर शर्मा, तहसीलदार अभिषेक यादव और सीएमएचओ डॉ. अरविंद गेट समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में मंचासीन अतिथियों का पत्रकारों ने माल्यार्पण और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आकर्षक अंदाज में राजकुमार दादवानी ने किया। पूरे आयोजन में सौहार्द, प्रेरणा और पत्रकारिता के प्रति नई ऊर्जा का वातावरण छाया रहा। अलवर प्रभारी चंद्रशेखर शर्मा ने संगठन की संरचना, उद्देश्य और कार्य योजना की जानकारी दी।

विराटनगर में छात्र-छात्राओं को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी

- राष्ट्रीय साइबर जागरूकता माह के तहत दिया साइबर सुरक्षा का संदेश

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह कार्यक्रम आयोजित किया ।

पावटा। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र 14सी नई दिल्ली के निर्देशानुसार माह अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सुरक्षा उपायों के प्रचार प्रसार एवं आमजन का साइबर अपराधों से बचाव के लिए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करने हेतु महानिदेशक पुलिस एससीआरबी एवं साइबर क्राइम राजस्थान जयपुर के आदेश की पालना में अक्टूबर 2025 माह को वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह कार्यक्रम आयोजित करने हेतु जिला कोटपूतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र बिश्नोई के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन, वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन, विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल द्वारा विराट नगर थाना क्षेत्र के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विराटनगर में राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक शाखा विराटनगर, बैंक ऑफ़ इंडिया शाखा विराटनगर, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया शाखा विराटनगर के बैंक प्रबंधको से समन्वय स्थापित कर राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत द्वारा इस अभियान में छात्रों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए व छात्रों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने छात्रों को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों और उनसे सतर्क रहने के उपायों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान बैंक प्रबंधक ओमप्रकाश मीणा, विष्णु वर्मा, हेमंत कुमार मीणा सहित वक्ताओं ने बैंक खाता संबंधित साइबर फ्रॉड,सीजनल फ्रॉड (त्योहारों के समय लुभावने ऑफर्स के नाम पर ठगी), फर्जी लोन एप्लिकेशन, टेलीग्राम फ्रॉड, म्यूल अकाउंट, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड एवं साइबर बुलिंग के मामलों व उनसे बचाव की विस्तार से जानकारी दी। छात्रों को बताया गया कि साइबर अपराध किस प्रकार घटित होते हैं और उनसे सुरक्षित रहने के लिए क्या सावधानियां आवश्यक हैं।

कौशलों के विकास के लिए ब्लॉक स्तरीय प्रबल कार्यक्रम आयोजित

- प्रबल कार्यक्रम से सरकारी विद्यालयों से निकलेंगे भावी राजनेता एवं प्रशासनिक अधिकारी - दिलीप इसरानी
- सृजनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ बालक बालिका का चयनकर जिले स्तर पर भेजा जाएगा

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय 21वीं सदी के कौशलों के विकास के लिए प्रबल कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगरपालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी, भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन जैन छाबड़ा, पार्षद परसराम कुमावत, संजय वर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉकशिक्षाधिकारी रमेशचंद विजय एवं प्रधानाचार्य गिरिराजप्रसाद गुर्जर ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करके किया। पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से भावी अधिकारी एवं राजनीतिक नींव मजबूत होती है। इसप्रतियोगिता के माध्यम से चयनित विद्यार्थी राजस्थान की विधानसभा में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। प्रधानाचार्य गिर्राजप्रसाद गुर्जर ने बताया कि पालिकाध्यक्ष इसरानी ने विद्यालय में इंटरलॉकिंग टाइल्स, पानी निकासी के लिए नाला निर्माण, प्रार्थना स्थल हेतु प्लेटफॉर्म एवं टीन शेड निर्माण की घोषणा की।

संयोजक व प्रधानाचार्य गुर्जर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में 21वीं सदी के कौशल विकास गतिविधियों के अंतर्गत 14 बिंदुओं पर बालक बालिकाओं ने प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ स्वाति जनकावत ने बताया कि पोस्टर, लेखन भाषण एवं सृजनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ बालक बालिका का चयनकर जिले स्तर पर भेजा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बालकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ विनोद तिवाडी, सुमन शर्मा, बीरबल मीणा, कुसुम कौशिक, सुरेशचंद गुर्जर, सांवरमल शर्मा व रामधन गुर्जर सहित कई जनप्रतिनिधि व शिक्षक मौजूद थे।

जिला कलक्टर ने किया चौगाई ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण

- कलक्टर कल्पना अग्रवाल नेकार्मिकों को राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सेवा की भावना से कार्य करते हुए आमजन को त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए

कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने लाभार्थीयों को प्रथम किस्त के रूप में पांच-पांच हजार रूपयों की सहायता राशि के चेक प्रदान किये।

टोंक। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने गुरुवार को उपखंड पीपलू के ग्राम चौगाई में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण किया तथा कार्मिकों को राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सेवा की भावना से कार्य करते हुए आमजन को त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा की विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी आमजन को सभी योजनाओं से पात्रतानुसार लाभान्वित करें। उन्होंने आमजन से जागरूक होकर शिविरों में पहुंचकर अपनी समस्याओ का समाधान करवाने एवं जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होने की अपील की।

जिला कलेक्टर ने कैंप में आवासीय पट्टे,प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा की पॉलिसियां लाभार्थियों को सौंपी। साथ ही अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया। उन्होंने विभागीय स्टॉलवार निरीक्षण कर दी जा रही सुविधा के बारे में जानकारी ली और लाभार्थियों से संवाद भी किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी गणराज बडगोती सहित जनप्रतिनिधि एवं ब्लाक अधिकारी उपस्थित रहे।

इसी प्रकार नगर परिषद टोंक द्वारा शहरी क्षेत्र में शिविर का आयोजन विवेकानन्द ठाकरिया व हजारी लाल भील के नेतृत्व में किया गया।

शिविर के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 15 लाभार्थीयों को प्रथम किस्त के रूप में पचास-पचास हजार रूपयों की सहायता राशि के चेक प्रदान किये। महिला एंव बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना के 02 लाभार्थीयों को प्रथम किस्त के रूप में पांच-पांच हजार रूपयों की सहायता राशि के चेक प्रदान किये।

शिविर के दौरान कृषि भूमि नियमन के नवीन आवेदन 29, स्टेट ग्रान्ट एक्ट के नवीन आवेदन 03 एवं नाम हस्तान्तरण के नवीन आवेदन 1 तथा प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के तहत 01 आवेदन प्राप्त हुये और बैंक द्वारा अब तक 13 प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अन्तर्गत आवेदको को ऋण स्वीकृत किया गया।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान आयोजित

मनोहरपुर । कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को एक प्रभावशाली बैठक हुई। कार्यक्रम में कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक, पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री व सांसद विजय इंदर सिंगला मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संगठन लोकतांत्रिक परंपराओं पर टिका है, और अब हर कार्यकर्ता को नेतृत्व तय करने का अधिकार मिल रहा है।

कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने जोशीले अंदाज़ में कहा संगठन जनता की ताकत से बनता है, न कि किसी कुर्सी से। अब वक्त है कि मेहनतकश और जमीनी कार्यकर्ता को सम्मान मिले। कांग्रेस तभी मज़बूत होगी जब निर्णय पारदर्शी और जनभावनाओं के अनुरूप होंगे। वहीं विधायक मनीष यादव ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है और संगठन सृजन अभियान आम कार्यकर्ता की आवाज़ को ताकत दे रहा है पूर्व विधायक गोपाल मीणा ने कहा कि यह अभियान कांग्रेस में पारदर्शिता और जनभागीदारी का उदाहरण है।

सार-समाचार

अवैध बजरी खनन में तीन गिरफ्तार

बौंली- बामनवास। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीलकमल मीणा क्षेत्रीय बौंली, बामनवास के सुपरविजन में चलाए जा रहे अवैध बजरी खनन व परिवहन के मामले में तीन आरोपियों गिरफ्तार कर एक ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया गया है। बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि हैड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने दोराने गस्त सूचना पर मॉडल स्कूल बौंली की तरफ से एक अवैध बजरी खनन व परिवहन कर ट्रैक्टर ट्रॉली जा रही थी, सूचना पाकर अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर चालक विजय सिंह गुर्जर उम्र 21 वर्ष निवासी गुडला नदी व ट्रैक्टर मालिक प्यार सिंह गुर्जर उम्र 60 वर्ष निवासी गुडला नदी को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया गया है, एवं एक अन्य मामले में 28 अगस्त को अवैध बजरी खनन व परिवहन करते एक ट्रक को जप्त किया गया था, जिसका मालिक पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है एवं चालक हेमराज मीणा उम्र 35 वर्ष निवासी बांसड़ा नदी मौके से फरार हो गया था, उसे भी आज गिरफ्तार किया गया है।

मिलावट खोरो की दुकानो की जांच

अलवर। अलवर जिले में त्योहारी सीजन में मिलावट का बाजार गर्म है मिलावटी खाद्य पदार्थों को पकडऩे के लिए खाद्य निरीक्षक लगातार दुकानों से सैंपल लेने में लगे है लेकिन अलवर जिले की 6 विधानसभा में हजारों खाद्य पदार्थ की दुकानो पर जिले में तैनात मात्र चार खाद्य निरीक्षक कैसे करे दुकानों की चेकिंग इसलिए मिलावट का दौर तो जारी रहेगा इधर अलवर सीएमएचओ डॉक्टर योगेन्द्र शर्मा का कहना है कि इस मुहिम में जनता को भी जागरूक रहने की जरूरत है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे मिलावटखोरों से सर्तक रहे। दीपावली के अवसर पर मिलावटखोर दुकान अपनी दुकान में पड़े पुराने से पुराना समान ही नही घटिया खाद्य सामग्री का विक्रय करने में लगे रहते है। दीपावली के अवसर पर लाखों क्विंटल मावे की खपत रहती है वही पनीर भी भारी मात्रा में विक्रय होता है ऐसे में सभी को पता है कि अलवर जिले में इतनी मवेशी गाय और भैंस भी नही है जितना दूध इन दिनों मिठाइयों की दुकानों पर खपत हो रहा है ऐसे में साफ है कि दूध भारी मात्रा में मिलावटी या यू कहे सिंथेटिक दूध का प्रयोग हो रहा है जो आम जनता के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसी प्रकार मसालो आदि में भी भारी मिलावट की जा रही है जिस पर स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तरह निगरानी किए हुए है। अलवर जिले में छह विधान सभा आती है जिसमे हजारो की संख्या में खाद्य विक्रेता है इनमे मिठाई,दूध और पनीर की दस से बीस हजार के करीब दुकान होगी इससे ज्यादा भी हो तो इंकार नही किया जा सकता क्योंकि ज्यादा तर मिठाई की दुकान और गोदाम पंजीकृत नही है।

प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

शाहपुरा । पशुपालन विभाग द्वारा राजकीय ट्रोमा व बहुउद्देश्यीय पशु चिकित्सालय व ब्लाँक के अंतर्गत अधीनस्थ कार्मिकों को कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण शिविर का श्री परमानंद धाम गौशाला खोरी में उपनिदेशक डॉं.प्रहलाद सहाय रैगर व उपनिदेशक डॉं.सुनिल शर्मा, वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉं.बनवारी यादव की मौजूदगी में शुरू हुआ। शाहपुरा वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डॉं.बनवारी यादव ने बताया कि ब्लाँक के महिला पशुधन निरीक्षकों समेत अन्य कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। कर्मचारियों को कृत्रिम गर्भाधान के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गई, जो शनिवार तक लगातार जारी रहेगा। इस दौरान प्रशिक्षण के दौरान मीना दादरवाल, सुरजभान, गुलाब यादव, हेमलता यादव, मीना जाट, सीमा पलसानिया, ज्योति कपूरिया, सावित्री जाट, संजय कुमार शर्मा, किरण पलसानियाँ समेत अनेक कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

13 सिलेंडर सीज किये

कोटपूतली। घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग के मामलों पर नियंत्रण के लिए जिला रसद अधिकारी शशिशेखर शर्मा के निर्देशन में प्रवर्तन अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह एवं प्रवर्तन निरीक्षक विश्राम गुर्जर द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। इस दौरान बहरोड़ शहर में विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 13 घरेलू एलपीजी सिलेंडर सीज किए गए, जिन्हें बहरोड़ इंडेन गैस सर्विस की सुपुर्दगी में दिया गया है। यह प्रकरण आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6(ए) के अंतर्गत आगे की कार्रवाई हेतु जिला कलक्टर को प्रस्तुत किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान पंडित के प्रसिद्ध समोसे से 3 सिलेंडर, सैनी भोजनालय से 2 सिलेंडर, हरियाणा स्पेशल जलेबी से 3 सिलेंडर, भगवान समोसा से 1 सिलेंडर, देसी जायका होटल से 2 सिलेंडर तथा खुशबू मिष्ठान भंडार से 2 सिलेंडर जब्त किए गए।

कम्प्यूटर टंकण परीक्षा 15 को

कोटपूतली। अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष, परीक्षा आयोजन समिति ओमप्रकाश सहारण ने बताया कि जिला स्तर पर मृत राज्य कर्मचारियों के आश्रितों की नियुक्ति पश्चात ली जाने वाली कम्प्यूटर टंकण गति परीक्षा (माह सितम्बर, 2025) हेतु आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की परीक्षा 15 अक्टूबर 2025 को प्रात: 11 बजे से दोपहर 12रू30 बजे तक तीन पारियों में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बड़ाबास, कोटपूतली में आयोजित की जावेगी। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र (।कउपज ब्तक) एवं सूची जिला कार्यालय की वेबसाईट पर अपलोड करवा दी गई है। अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र जिला कार्यालय की वेबसाईट से डाउनलोड कर अपने कार्यालयाध्यक्ष से फोटो प्रमाणित करवाकर निर्धारित तिथि एवं निर्धारित समय पर परीक्षा केन्द्र पर अपने प्रवेश पत्र एवं मूल फोटो पहचान पत्र के साथ उपस्थित होवें। पहचान पत्र के अभाव में एवं निर्धारित समय पश्चात अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश नहीं दिया जावेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी।

विकसित भारत युवा संसद 2026 कार्यक्रम का आयोजन

टोंक। राजकीय महाविद्यालय टोंक में भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मन्त्रालय द्वारा आयोजित "विकसित भारत युवा संसद 2026" कार्यक्रम का आयोजन 13 अक्टुबर से 13 नवम्बर तक किया जायेगा। इस दौरान प्राचार्य लोकेश कुमार शर्मा ने बताया कि युवा संसद राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर विचार विमर्श में शामिल होने और विकसित भारत-2047 के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए युवाओं के लिए एक राष्ट्रीय मंच है, जहॉ पर छात्र-छात्रायें महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श करने में सक्षम होते है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर यह कार्यक्रम "मेरा युवा भारत पोर्टल" के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है। जिसमें जिले के समस्त राजकीय एवं निजी महाविद्यालय के विद्यार्थी सहित टोंक जिले में निवास कर रहे समस्त युवक एवं युवतियॉ सम्मिलित हो सकेंगे। कार्यक्रम में युवक एवं युवतियॉ माई भारत पोर्टल पर ॠउलईींतंजण्हवअण्पद पर "विकसित भारत युवा संसद 2026 के इवेंट पेज पर पंजीयन करवा सकते है।

सोशल मिडिया पर अश्लील कमेन्टस का आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह भाटी के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक उनियारा एवं थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा पिड़िता द्वारा दर्ज कराये गये प्रकरण की कार्यवाही में एक आरोपीं को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में पीडिता ने बताया कि आरोपी पीडिता की फोटो व विड़ियों को एडिट करके अश्लील शब्द लिख कर विभिन्न सोशल मिडिया प्लेटफार्म पर डालता है, जिस पर स्वंय भी अश्लील कमेन्ट करता है। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए थानाधिकारी उनियारा ने आरोपी राजाराम बैरवा पुत्र रतन लाल उम्र 35 साल निवासी बामनगांव थाना नैनवा जिला बूंदी को गिरफ्तार किया गया है।

650 किलो मिल्क केक नष्ट कराया, 5000 किलो खाद्य सामग्री सीज

स्वास्थ्य विभाग ने खो-नागोरियान में पकड़ा मिलावटी मिल्क केक का अवैध कारखाना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । खाद्य विभाग की टीम ने गुरूवार को जयपुर के खोह नागोरियान क्षेत्र में मिलावटी केक की अवैध फैक्ट्री पकड़ी। टीम ने 650 किलो मिल्क केक नष्ट कराया और 5000 किलो खाद्य सामग्री भी सीज की है। यह फैक्ट्री बिना किसी फूड लाइसेंस खो नागोरियान क्षेत्र की ढींगा वाली ढाणी में चल रही थी।

ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पूरे राजस्थान में अभियान जारी है।

- **बिना फूड लाइसेंस चल रहा था कारखाना, आधे जयपुर में होती थी सप्लाई**
- **कारखाना संचालक मनोज जैन आगरा रोड, नाई की थड़ी, दिल्ली रोड, जामडोली, रामगढ़ रोड के मिठाई विक्रेताओं को 250 रुपये किलो के भाव से यह मिलावटी केट बेचता था, दुकानदार इसे 400 रुपए किलो के भाव बेचते थे।**

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी.शुभमंगला के निर्देश पर ज्वाइंट कमिश्नर खाद्य सुरक्षा डॉक्टर वी.पी.शर्मा एवं सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल के नेतृत्व में टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। सीएमएचओ डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि दीपावली के त्यौहार के मध्यनजर अलग-अलग टीमें बनाकर सघन अभियान के रूप में जयपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य सामग्री विशेषकर घी, तेल, मसाले, पनीर, मावा और मिठाइयों की निर्माण इकाइयों एवं विक्रेताओं पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

टीम ने गुरुवार दोपहर खो-नागोरियान में ढींगा वाली ढाणी स्थित मिल्क केक के एक कारखाने पर कार्यवाही करते हुए 600 किलो मिलावटी केक नष्ट करवाया। संचालक मनोज जैन, अवैध रूप से बिना फूड लाइसेंस के कारखाना चला रहा था। मौके पर सूजी, मिल्क पाउडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल, लिक्विड ग्लूकोज और फिटकरी डालकर मिलावटी मिल्क केक बना रहा था। आरोपी मनोज जैन ने बताया कि आगरा रोड, नाई की थड़ी, दिल्ली रोड, जामडोली, रामगढ़ रोड के मिठाई विक्रेताओं को 250 रुपये किलो बेचता है। दुकानदार इसे 400 रुपए किलो बेचते है।

डॉ. मित्तल ने बताया कि मौके पर 2300 किलो चीनी, 1150 किलो सूजी, 90 किलो मिल्क पाउडर, 600 किलो लिक्विड ग्लूकोज, 21 टीन रिफाइंड सोयाबीन तेल 2 किलो फिटकरी जप्त की गई। दीपावली पर लगभग 10 हजार किलो मिलावटी मिल्क केक बनाकर बेचने की तैयारी थी। मौके पर मिल्क केक के नमूने लेकर पैकेटों में रखा 600 किलो मिलावटी मिल्क केक, लगभग 400 किलो पैकिंग के लिए रखा मिलावटी मिल्क केक, लगभग 100 किलो तैयार घोल, 100 किलो सूजी मिल्क पाउडर का मिश्रण नष्ट करवाया गया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों के निर्देशानुसार अवैध कारखाना बंद करवाया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी,विनोद थारवान एवं राजेश नागर शामिल रहे।

खाद्य विभाग और जयपुर सीएमएचओ द्वितीय की टीम ने गुरूवार को खो-नागोरियान क्षेत्र में मिलावटी केक की अवैध फैक्ट्री पर छापेमारी करके 650 किलो मिल्क केक नष्ट कराया।

खाद्य सुरक्षा टीम ने पकड़ा 350 सिंथेटिक पनीर

हरियाणा से खरीदकर जयपुर के रेस्टोरेंट्स, ढाबे और होटलों में सप्लाई किया जाना था मिलावटी पनीर

जयपुर । आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी शुभमंगला के निर्देश पर सीएमएचओ द्वितीय की टीम ने गुरुवार अलसुबह 350 किलो सिंथेटिक पनीर जब्त कर नष्ट करवाया। खाद्य सुरक्षा टीम ने जगतपुरा रेलवे फाटक पर एक पिकअप को रुकवा कर तलाशी ली तो उसमें प्लास्टिक के बॉक्स में नकली पनीर भरा हुआ था। जिसके बाद टीम ने पनीर की जांच करवाई तो नकली निकला।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि मिलावटी पनीर सप्लाई किए जाने की सूचना पर बुधवार की अलसुबह जगतपुरा रेलवे क्रॉसिंग पर पिक अप मारुति ईको को रुकवाकर चेक किया। जिसमें प्लास्टिक के इस बॉक्स में लगभग 350 किलो पनीर धौलपुर निवासी अभिषेक हरियाणा के नूंह जिले में पनीर बनाने वालों से बेचने के लिए था। वो जयपुर शहर के ढाबों,रेस्टोरेंट एवं दूध पनीर की दुकानों पर रुपए 220 प्रति किलो बेचता है। प्रथम दृष्टया पाउडर और पॉम ऑयल से पनीर तैयार होना बताया। मौके पर टीम द्वारा पनीर के नमूने लेकर शेष पनीर को नष्ट करवाया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद थारवान एवं राजेश नागर शामिल रहे।

नशे में धुत्त चालक ने एल.पी.जी. गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक दौड़ाया

टोंक-कोटा हाईवे पर ट्रक को सड़क पर लहराते देखकर लोगों ने पीछा कर ट्रक रूकवाया, पुलिस ने जब्त किया

जयपुर (कासं)। चाकसू थाना इलाके में एक ट्रक चालक को नशे में लहराते हुए ट्रक चलाना भारी पड़ गया। ग्रामीणों ने ट्रक का पीछा कर चालक को रुकवाया और इस मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक चालक के दस्तावेजों का सत्यापन करने के बाद ट्रक जब्त कर लिया और मामले की सूचना राजस्थान परिवहन विभाग के अधिकारी को सूचना दी। बताया जा रहा ट्रक चालक के लाईसेंस अवधि समाप्त हो चुकी है।

बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह साढ़े 7 बजे टोंक -कोटा हाईवे पर एक ट्रक चालक तेज रफ्तार में ट्रक को लहराते हुए चला रहा था। जिसमें करीब 303 एलपीजी सिलेंडर भरे हुए थे।

हादसे की आशका को देखते हुए ग्रामीणों ने ट्रक का पीछा उसे रोका और मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पुलिस ने ट्रक चालक का लाईसेंस का सत्यापन किया तो उसकी अवधि भी समाप्त पाई गई। जिसके बाद पुलिस ने ट्रक चालक कजोड़मल (59) को हिरासत में लेकर ट्रक जब्त कर लिया।

राजस्थान परिवहन विभाग की इंस्पेक्टर मुक्ता सोनी ने बताया कि ट्रक चालक कजोड़मल को हिरासत में लेकर वो शिवदासपुरा थाने पहुंचे। लेकिन वहां ब्रेथ एनालाइजर की बैटरी खराब होने के कारण वहां जांच पूरी नहीं हो पाई।

जिसके पश्चात टीम चाकसू सीएचसी अस्पताल पहुंची, जहां से चिकित्सकों ने उन्हे एसएमएस अस्पताल जाने की सलाह दी। लेकिन चाकसू थाने में ट्रक चालक की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई तो उसमें शरीर में उसके शरीर में अल्कोहल की 1.1 मिलीलीटर मात्रा पाई गई। जिसके पश्चात आरटीओ इंस्पेक्टर मुक्ता सोनी ने चाकसू थाने में ट्रक ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दी और कार्रवाई के लिए लिखा। आरोपी के लाइसेंस की अवधि खत्म हो चुकी है। उसने अभी तक अपना लाइसेंस रिन्यू नहीं कराया। इस कारण इसे आरटीओ के पास भेजा जाएगा। ड्राइवर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

- **लाइसेंस अवधि समाप्त होने के बाद भी चालक कर रहा था ड्राईविंग**
- **बताया जा रहा है कि ट्रक चालक करीब 303 एलपीजी गैस सिलेंडर लेकर जयपुर जा रहा था। तभी रास्ते में उसने शराब पी ली और नशे की हालत में हाईवे पर ट्रक को लहराते हुए चलाने लगा।**

बताया जा रहा है कि ट्रक चालक करीब 303 एलपीजी गैस सिलेंडर लेकर जयपुर जा रहा था। तभी रास्ते में उसने शराब पी ली और नशे की हालत में हाईवे पर ट्रक को लहराते हुए चलाने लगा। गनीमत ये रहीं है कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। लोगों ने पहले ही ट्रक को रोक कर मामले की सूचना पुलिस और आरटीओ अधिकारी को दे दी।

रामदयाल बडोदिया बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

जयपुर। अखिल भारतीय बैरवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर रामदयाल बडोदिया (बैरवा) को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी श्रवण कुमार बैरवा को 2126 मतों से हराया। राष्ट्रीय महामंत्री पद पर रामनिवास जोनवाल विजयी हुए। जोनवाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी ओमप्रकाश बैरवा को हराया। राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष पद पर ओमप्रकाश वर्मा मूर्तिकारको कुल-4498 मत प्राप्त होने पर विजयी घोषित किया गया। उनके प्रतिद्वंदी लतीश कुमार बैरवा को 4232 मत मिले। राजस्थान प्रदेश महामंत्री पद पर अमरचंद बैरवा (लाका) को 4530 मत मिलने पर विजयी घोषित किया गया। उनके प्रतिद्वंदी नाथूलाल बैरवा रहे। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री तथा प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश महामंत्री के चुनाव 5 अक्टूबर को हुए थे, जबकि 7 अक्टूबर को प्रात: 8 बजे मतगणना की गई।

सार-समाचार

समिति सदस्यों को उपहार बांटे

जयपुर । न्यायालय कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर द्वारा दीपावली के अवसर पर समिति सदस्यों को आकर्षक उपहार एवं 10 प्रतिशत डिविडेंड राशि वितरित किया जा रहा है। उपहार वितरण का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजीत कुमार हिंगर ने किया। समिति अध्यक्ष अनिल पारीक ने बताया कि दीपावली पर उपहार वितरण समिति की परंपरा रही है। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष किशोर कुमार केवलरामानी, सचिव पवन कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष शुभा माथुर, संयुक्त सचिव सुमन देवाना, तथा कार्यकारिणी सदस्य पदम पंडित, कृष्ण गोपाल पूनिया, अश्विनी भूतिया, मोहित शर्मा और वीरेंद्र सोलंकी, बद्री लाल चौधरी उपस्थित रहे।

जयपुर स्थापना दिवस 18 अक्टूबर से

जयपुर । सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष दुर्गेश नन्दनी की अध्यक्षता में गुरूवार को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय के पन्नाधाय सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति सदस्य सुशीला बारी, दीपिका सैनी, कुमकुम शक्तावत, सीमा गुप्ता, गोविन्द छीपा, टीना बडाया सहित सचिव श्याम लाल जांगिड सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष दुर्गेश नन्दनी ने बताया कि जयपुर स्थापना दिवस पारम्परिक तरीकों से मनाया जायेगा। 18 अक्टूबर से 18 नवंबर तक जयपुर स्थापना दिवस आयोजित किया जायेगा। अल्बर्ट हॉल, पत्रिका गेट, स्टेच्यू सर्किल एवं अन्य धरोहरों को लाइटों से सजाया जायेगा। उन्होंने बताया कि हर वार्ड के 2 मन्दिरों को लाईटों से सजाया जायेगा और नगाडे, शहनाईयों बजवाये जायेगे।

18वीं वार्षिक नेटको कॉन्फ्रेंस आज से

जयपुर। नेटवर्क एंड अलायंस ऑफ ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर्स (नेटको) और मोहन फाउंडेशन जयपुर सिटिज़न फोरम के संयुक्त तत्वावधान में 18वीं वार्षिक नेटको कॉन्फ्रेंस 10 और 11 अक्टूबर को आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी जयपुर में होगी। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर करेंगे। इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में देशभर से ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर्स और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ भाग लेंगे। कॉन्फ्रेंस के दौरान अंगदान को बढ़ावा देने पर गहन चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही, अंगदान से जुड़े सफल अनुभवों और प्रेरणादायक कहानियों को साझा किया जाएगा। यह जानकारी एमएफजेसीएफ के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने अशोक क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। इस अवसर पर एमएफजेसीएफ की संयोजक, भावना जगवानी; मोहन फाउंडेशन की कंट्री डायरेक्टर, ललिता रघुराम; नेटको की अध्यक्ष पल्लवी सहित एक अंगदाता के परिजन, कल्याण शर्मा भी उपस्थित रहे।

एक्सपर्ट्स ने की मेंटल हैल्थ पर चर्चा

जयपुर । वर्तमान समय में सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया दोनों मिलकर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मिथकों को तोड़ सकते हैं। केंद्र सरकार की टेली मानस पहल के माध्यम से स्कूल के बच्चों और कामकाजी वर्ग के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह बात प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने राजस्थान विधानसभा के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में कही। उन्होंने मीडिया वर्कशॉप को संबोधित करते हुए बताया कि केंद्र सरकार आमजन के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। यूनिसेफ राजस्थान और फ्यूचर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई इस कार्यशाला में वॉइसेज ऑफ रेजिलिएंस:द रोल ऑफ मीडिया इन प्रमोटिंग मेंटल हेल्थ विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर यूनिसेफ राजस्थान के चीफ इंचार्ज रूषभ हेमानी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य वेलनेस वीक के अवसर पर हम केवल पेशेवरों के रूप में नहीं, बल्कि एक साझा मिशन के साझेदारों के रूप में काम करने के लिए यहां एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि यदि हम आत्महत्या की रोकथाम चाहते हैं, तो हमें एक साथ काम करना होगा। वहीं, वरिष्ठ पत्रकार मुकेश माथुर ने पाठकों के दृष्टिकोण से सकारात्मक और नकारात्मक समाचारों के बीच संतुलन बनाए रखने में मीडिया की जिम्मेदारी पर जोर दिया। इस दौरान आईआरएस हरिनारायण मीणा, एम्स जोधपुर की डॉ.नीति रुस्तगी, यूनिसेफ के चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट संजय निराला, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ.सुनील शर्मा, कवि व स्तंभकार राजेश कुमार व्यास, वरिष्ठ पत्रकार योगेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. मीना शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा और यूनिसेफ के हेल्थ ऑफिसर डॉ. अनुराग ने भी अपने विचार रखे। समापन सत्र में यूनिसेफ के कम्यूनिकेशन स्पेशलिस्ट अंकुश सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

'अंग प्रत्यारोपण का विश्व स्तर का केन्द्र बना जयपुर'

जयपुर । अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में जयपुर वैश्विक नेतृत्व की ओर कदम बढ़ा रहा है। शहर में इंडियन ऑर्गन ट्रांसप्लांट सोसाइटी का 35वां वार्षिक सम्मेलन, 9 से 12 अक्टूबर तक नोवोटेल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा। इसमें 20 से अधिक देशों के 150 विशेषज्ञ शामिल होकर नवाचार, शोध और वैश्विक सहयोग पर चर्चा करेंगे। राज्य की कीर्तिमानों को देखते हुए विदेशी वक्ताओं ने माना कि जयपुर अब अंग प्रत्यारोपण के मामले में विश्व स्तर का केंद्र बन गया है।

- **इंडियन ऑर्गन ट्रांसप्लांट सोसाइटी का 35वां वार्षिक सम्मेलन जयपुर में शुरू**

सम्मेलन का उद्घाटन 11 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगा। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले तथा विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेज डॉ. सुनीता शर्मा भी शामिल होंगे। आयोजन की जिम्मेदारी महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी के संस्थापक तथा 35वी कांफ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ एम.एल.स्वर्णकार, आयोजन सचिव डॉ. सूरज गोदारा, सोसाइटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पिता रायचौधरी, महासचिव डॉ. मनीष बालवानी के नेतृत्व में की जा रही है।

डॉ. सूरज गोदारा

डॉ. सूरज गोदारा के अनुसार, सम्मेलन में पहली बार बड़ी संख्या में विश्व विख्यात विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं इनमें प्रो. रॉबर्ट मॉन्टगोमेरी, प्रो. जॉन फंग, प्रो फादी इस्सा, प्रोफ. काजुनारी तनाबे (जापान) और प्रो. मोहम्मद रेला (भारत/)। भारतीय विशेषज्ञों की टीम में डॉ. विवेक कूटे, डॉ. नारायण प्रसाद, डॉ. संजय कोलटे और अन्य प्रमुख डॉक्टर शामिल हैं, जो एबो-इनकंपिटिबल प्रत्यारोपण, रोबोटिक सर्जरी और पैर्ड किडनी एक्सचेंज पर अपने अनुभव साझा करेंगे। सम्मेलन में आधारित ट्रांसप्लांटेशन, रोबोटिक सर्जरी, एक्सेनोट्रांसप्लांटेशन और रीजेनरेटिव मेडिसिन पर चर्चा होगी। पहले दिन महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी में एक कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें सुरक्षित अंग प्रत्यारोपण और प्रक्रिया नियमों पर प्रेजेंटेशन हुए।

कॉलगर्ल देने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। झोटवाडा और चौमूं थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कॉलगर्ल दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि दोनो आरोपी फर्जी इंस्टाग्राम पर कॉलगर्ल उपलब्ध करवाने का झांसा देकर लोगों को फंसाते थे। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि झोटवाड़ा थाना क्षेत्र में दो आरोपित एस्कॉर्ट सर्विस के नाम से लोगों को फंसा कर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तार आरोपी फर्जी इंस्टाग्राम,फर्जी फेसबुक आईडी और वॉट्सऐप पर लड़कियों की गूगल से फोटो डाउनलोड करते और उन्हे ग्राहकों को भेजकर फंसाते थे।

पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी मुकेश कुमार कांटवा (30) निवासी गांव हिरनोदा कांटवा की ढाणी पुलिस थाना फुलेरा जयपुर ग्रामीण हाल खिरणी फाटक झोटवाड़ा जयपुर और अंकित सियाक (28) सोशल मीडिया पर अपना मोबाइल नंबर देते थे। जिसके बाद वॉट्सऐप पर ग्राहकों से सम्पर्क करके रजिस्ट्रेशन और अन्य चार्ज की लिस्ट भेजते थे। रजिस्ट्रेशन की फीस मिलने के बाद होटल का चार्ज और वीआईपी कॉल गर्ल के नाम पर और पैसों की डिमांड करते। पैसे लेने के बाद शातिर बदमाश ग्राहक का नंबर ब्लॉक कर देते थे।

प्रवासी राजस्थानियों से मुख्यमंत्री ने की निवेश व सहयोग पर चर्चा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र से जयपुर आए प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश में निवेश के लिए प्रेरित किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर महाराष्ट्र से आए प्रवासी राजस्थानियों के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की।

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर महाराष्ट्र से आए प्रवासी राजस्थानियों के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की।

इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 'राजस्थान प्रकोष्ठ' के अध्यक्ष संजय मंत्री ने किया। भेंट के दौरान राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच सामाजिक एवं आर्थिक सहयोग को मजबूत करने सहित कई विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में निवेश की असीम संभावनाएं हैं। राज्य में प्रचुर मात्रा में सौर ऊर्जा, समृद्ध खनिज भंडार, बिजली-पानी की उपलब्धता और निवेश के लिए अनुकूल नीतियां हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से अपील की कि वे इस सकारात्मक वातावरण का लाभ उठाते हुए राज्य में निवेश करें। शर्मा ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उद्यम स्थापित करने में हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आगामी 10 दिसंबर को प्रस्तावित 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रवासी बंधुओं को अपनी जड़ों से जोड़ने और राज्य के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का माध्यम बनेगा। इस अवसर पर नंदकिशोर मालपानी मौजूद थे।

80 करोड़ की सरकारी जमीन से हटाया अवैध कब्जा

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने आगरा रोड और खोह नागोरियान क्षेत्र में जेडीए स्वामित्व की 45 बीघा जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाया। इस जमीन की कीमत करीब 80 करोड़ रु. से ज्यादा है।

उपहानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया कि, जोन-10 में आगरा रोड स्थित ग्राम गोविंदपुरा रोपाडा में आसाराम बापू आश्रम के पीछे जेडीए स्वामित्व की करीब 40 बीघा जमीन है। इस सरकारी भूमि के खसरा नं. 306, 364, 426, 427, 439 से 443 पर स्थानीय काश्तकारों ने बाउंड्रीवाल, मिट्टी का डोल, सीमेंट के पिल्लर, टीनशेडनुमा कोठरियां बनाकर और तारबंदी करके अवैध कब्जा जमा रखा था। गुरूवार को जोन-10 के राजस्व-तकनीकी स्टॉफ, तहसीलदार, पटवारी की निशानदेही पर प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से यह अवैध कब्जा हटाकर बेशकीमती सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया। इसी प्रकार आगरा रोड पर ग्राम सिंदोली, सांभरिया रोड पर खसरा नं. 334 हिंगोनिया गौशाला की करीब 5 बीघा सरकारी भूमि पर स्थानीय काश्तकारों ने अवैध कब्जा कर रखा था, इसे भी जेडीए टीम ने गुरूवार को हटाया। यह तमाम कार्रवाई मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में की गई। राहुल कोटोकी ने बताया कि, जेडीए प्रशासन ने वर्ष 2024 में 817 बीघा सरकारी जमीन तथा वर्ष 2025 में 578 बीघा सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाया है।

- **45 बीघा सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया : कोटोकी**

ड्रेनेज और सड़कों पर 97 करोड़ रुपए खर्च करने की मंजूरी

जयपुर । जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में गुरूवार को कार्यकारी समिति की बैठक हुई। बैठक में जोन-13 के विद्याधर नगर क्षेत्र में ड्रेनेज नेवटर्क बिछाने के विकास कार्य हेतु 17.05 करोड रूपये की निविदा का अनुमोदन किया गया। इसके अलावा जोन-14 में निजी खातेदारी की योजनाओं में फेज-I के तहत सड़कों के निर्माण कार्य हेतु 14.24 करोड़ रूपये की निविदा मंजूर की गई। बैठक में जोन-11 में 250 फीट सेक्टर रोड के निर्माण कार्य के लिए 51.21 करोड रूपये तथा अजमेर रोड पर (डेनेज बॉक्स) निर्माण कार्य के लिए 15.13 करोड रूपये की निविदा मंजूर की गई।

Celebrating Style and Function

National Handbag Day, observed annually on October 10, honors one of fashion's most iconic and versatile accessories: the handbag. Beyond functionality, handbags reflect personal style, status, and creativity, seamlessly combining fashion with utility. From timeless leather totes to modern crossbody designs, they carry essentials while making bold style statements. The day celebrates craftsmanship, innovation, and iconic designs that have shaped the fashion industry. It also highlights the handbag's role in empowering individuals, serving not just as a practical companion but as a symbol of personal expression and elegance in everyday life.

#HOME MADE

The Secret is Garlic Paste Infused with Olive Oil

The Irresistible Charm of Homemade Garlic Bread: A Simple Recipe for Maximum Flavor

Garlic bread is a beloved classic that has graced dinner tables worldwide for decades. Whether paired with pasta, soup, or enjoyed on its own as a snack, the rich aroma and comforting taste make it a universal favorite. While store-bought versions exist, nothing quite compares to the fresh, vibrant flavors of garlic bread made from scratch. And the best part? It's incredibly simple to prepare, using everyday ingredients that come together to create a mouthwatering treat.

The secret to outstanding garlic bread lies in the garlic paste infused with olive oil. By soaking fresh garlic cloves in high-quality olive oil and then mashing them into a smooth paste, you unlock the true essence of garlic, aromatic yet mellow, with a lingering warmth that's neither overpowering nor harsh. Olive oil, with its fruity undertones, not only carries the garlic flavor but also adds a subtle richness that elevates the entire dish.

To this garlicky base, you add butter, the key ingredient that brings richness and a creamy texture to the spread. Butter melts beautifully during baking, soaking into the bread's nooks and crannies and creating a perfectly moist bite every time. Adding cheese, typically mozzarella or parmesan, introduces an irresistible gooeyness and a sharp, savory depth. As the bread bakes, the cheese melts and bubbles, forming a golden crust that adds both flavor and texture.

A final touch of chopped fresh chives brightens the spread with a hint of herbal freshness and a splash of color, balancing the richness of butter and cheese. Chives complement garlic beautifully without overpowering it, making them an ideal finishing ingredient.

Once your garlic butter-cheese paste is ready, spread it generously over slices of good-quality bread. Whether you use a crusty baguette, tangy sourdough, or a soft white loaf, the bread acts as the perfect canvas for the flavors to meld. Baking the bread in the oven is the last crucial step, it crisps the edges, melts the cheese to perfection, and fills your kitchen with that irresistible scent that signals comfort food at its best.

The result is garlic bread that's crispy on the outside, soft and fragrant on the inside, with layers of flavor that make every bite a delight. Perfect as a side dish, an appetizer, or a snack, homemade garlic bread elevates any meal effortlessly.

In just a few simple steps, this recipe transforms humble ingredients into a warm, satisfying comfort food classic. Once you try it fresh from the oven, you'll never want to settle for store-bought again.

The Iron Hand of Götz von Berlichingen

When not engaged as a warrior, he kidnapped nobles for ransom and attacked convoys of merchants for booty, activities that twice put him under ban of the empire. He led a section of rebels in the Peasants' War (1525), but after claiming that he had been compelled by the rebels to do so, he was acquitted by the imperial chamber. In 1512, near the town of Forchheim, due to a long running and bitter feud with Nuremberg, he raided a group of Nuremberg merchants returning from the great fair at Leipzig. On hearing this, Emperor Maximilian placed Berlichingen under an Imperial ban. He was only released from this in 1514, when he paid the large sum of 14,000 gulden. In 1516, in a feud with the Principality of Mainz and its Prince, Archbishop, Berlichingen and his company mounted a raid into Hesse, capturing Philip II, Count of Waldeck, in the process. A ransom of 8,400 gulden was paid for the safe return of the Count. For this action, he was again placed under an Imperial ban in 1518.

Gotz von Berlichingen.

Gotz von Berlichingen's first prosthetic.

#LEGEND

● Bulbul Joshi

Gottfried 'Götz' von Berlichingen was no ordinary knight. A formidable figure in 16th-century Germany, he earned both fame and infamy as a mercenary, rebel, and folk hero. Born around 1480 into a minor noble family, Götz lived through the waning days of the medieval knight, when chivalry was giving way to gunpowder. But rather than fading into obscurity, he forged a legacy, quite literally. After losing his right hand to cannon fire during a siege, Götz commissioned a remarkable iron prosthetic that allowed him to continue fighting. With this mechanical marvel strapped to his arm, he returned to the battlefield, undeterred and unyielding. Götz's life inspired Goethe's 1773 drama *Götz von Berlichingen*, which helped turn the iron-handed knight into a lasting icon of rebellion and individual will.

Götz was seventeen when he entered the service of Frederick I, Margrave of Brandenburg-Ansbach. In 1498, he fought in the armies of Holy Roman Emperor Maximilian I, seeing action in Burgundy, Lorraine, and the Brabant, as well as in the Swabian War the following year. By 1500, he had left the service of Frederick of Brandenburg and formed a company of mercenaries, offering his services to various dukes, margraves, and barons. When not engaged as a warrior, he kidnapped nobles for ransom and attacked convoys of merchants for booty, activities that twice put him under ban of the empire. He led a section of rebels in the Peasants' War (1525), but after claiming that he had been compelled by the rebels to do so, he was acquitted by the imperial chamber. In 1512, near the town of Forchheim, due to a long running and bitter feud with Nuremberg, he raided a group of Nuremberg merchants returning from the great fair at Leipzig. On hearing this, Emperor Maximilian placed Berlichingen under an Imperial ban. He was only released from this in 1514, when he paid the large sum of 14,000 gulden. In 1516, in a feud with the Principality of Mainz and its Prince, Archbishop, Berlichingen and his company mounted a raid into Hesse, capturing Philip II, Count of Waldeck, in the process. A ransom of 8,400 gulden was paid for the safe return of the Count. For this action, he was again placed under an Imperial ban in 1518.

In 1519, he signed up in the service of Ulrich, Duke of Württemberg, who was at war with the Swabian League. He fought in the defence of Möckmühl, but eventually was forced to surrender the town, owing to a lack of supplies and ammunition. In violation of the terms of surrender, he was held prisoner and handed over to the citizens of Heilbronn, a town he had raided several times. His fellow knights Georg von Frundsberg and Franz von Sickingen successfully argued for his release in 1522, but only after he paid a ransom of 2,000 gulden and swore not to take vengeance on the League.

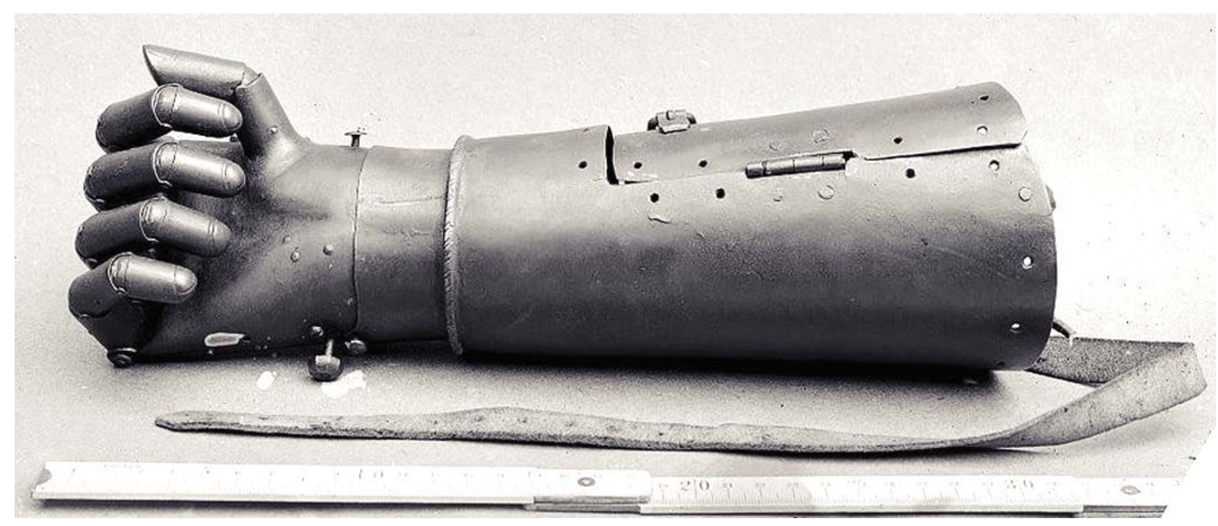

Gotz von Berlichingen's second prosthetic.

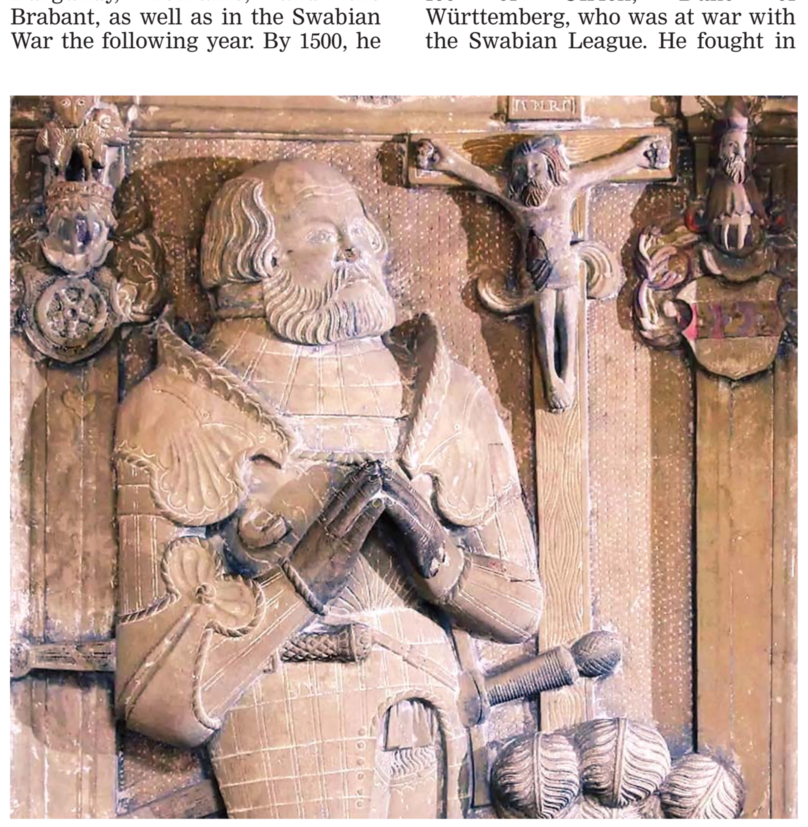

Schoental detail Gotz von Berlichingen foto besserer.

In 1525, with the outbreak of the German Peasants' War, Berlichingen led the rebel army in the district of Odenwald against the Ecclesiastical Princes of the Holy Roman Empire. Despite this, he was (according to his own account) not a fervent supporter of their cause. He agreed to lead the rebels partly because he had no other option, and partly in an effort to curb the excesses of the rebellion. Despite his wishes to stop wanton violence, Berlichingen found himself powerless to control the rebels, and after a month of nominal leadership, he deserted his command and returned to the Burg Jagsthausen to sit out the rest of the rebellion in his castle.

After the Imperial victory, he was called before the Diet of Speyer to account for his actions. On 17 October 1526, he was acquitted by the Imperial chamber. Despite this, in November 1528, he was lured to Augsburg by the Swabian League, who were eager to settle old scores. After reaching Augsburg under promise of safe passage, and while preparing to clear himself of the old charges against him made by the league, he was seized and made prisoner until 1530 when he was liberated, but only after repeating his oath of 1522 and agreeing to return to his Burg Hornberg and remain in that area.

> Götz and his company of mercenary soldiers were fighting on behalf of Albert IV, Duke of Bavaria, against the heirs of George the Rich, Duke of Bavaria-Landshut, when cannon fire tore off his right hand. The blast ripped through his armour and flesh, driving metal shards so deeply into his forearm that he later recounted the limb was left 'dangling from a strip of skin.' Nevertheless, he remained calm and rode back to his encampment, where he later underwent an amputation. At first, Götz was devastated by the loss of his arm. He feared he would never fight again.

Berlichingen agreed to this, and remained near the Hornberg until Charles V, Holy Roman Emperor, released him from his oath in 1540. He served under Charles in the 1542 campaign against the Ottoman Empire of Suleyman, the Magnificent in Hungary, and in 1544, in the Imperial invasion of France under Francis I of France. After the French campaign, Berlichingen returned to the Hornberg and lived out the rest of his life in relative peace. He died on 23 July 1562 in Hornberg Castle at the age of 81 or 82. Berlichingen married twice and left three daughters and seven sons to carry on his family name.

In 1504, at the age of twenty-four, Götz was well on his way to establishing a reputation as a fearsome knight and an accomplished leader when he suffered a devastating injury during the Siege of Landshut.

Götz and his company of mercenary soldiers were fighting on behalf of Albert IV, Duke of Bavaria, against the heirs of George the Rich, Duke of Bavaria-Landshut, when cannon fire tore off his right hand. The blast ripped through his armour and flesh, driving metal shards so deeply into his forearm that he later recounted the limb was left 'dangling from a strip of skin.' Nevertheless, he remained calm and rode back to his encampment, where he later underwent an amputation.

At first, Götz was devastated by the loss of his arm. He feared he would never fight again. In despair, he prayed for death, reasoning that life without the ability to serve as a knight was worse than death itself.

But Götz was a fighter, and he refused to be defeated. Remembering that he had once seen another injured knight using a prosthetic hand 'to fight as well as anyone else,' he commissioned a prosthesis of his own.

Götz's first prosthesis was a simple affair. It was an iron glove with a thumb and movable fingers. With the help of two hinges, the curved fingers could be brought inward and locked into place, allowing him to grip his sword. Some attention was paid to aesthetic detail, including sculpted fingernails and wrinkles at the knuckles. While not particularly advanced, the prosthesis allowed Götz to ride and hold weapons passively, though not to manipulate them with precision. It restored a semblance of knightly presence and utility, helping him appear in armour and maintain the social identity of a fighting nobleman.

Later, he commissioned a second, more sophisticated prosthesis featuring individually movable fingers with joints at each knuckle. The hand could be set into a variety of positions. Each finger was spring-loaded and could be locked into place using small levers and catches. This advanced prosthesis allowed him to hold a sword, the reins of a horse, a quill, or other tools with a greater degree of control. Despite its technical ingenuity, the second hand was delicate and somewhat cumbersome. Götz reserved it for formal occasions, preferring the simpler and sturdier first prosthesis for daily use. Götz used this prosthesis extensively. Modern endoscopic examinations of its internal mechanisms have revealed significant wear, indicating frequent use.

Both prosthetic hands survive today and are kept at the Götzenburg Castle in Jagsthausen, Götz's ancestral home, now partially a hotel and museum.

Götz of the Iron Hand, as he came to be known as, continued fighting until the age of 64, participating in campaigns against the Ottoman Empire and in the 1544 Imperial invasion of France. After the French campaign, Götz retired to his ancestral home, Burg Jagsthausen, and later moved to Hornberg Castle near the Neckar River. There, he lived out his final years as a landed noble, managing his estates and reflecting on his life. Around this time, he dictated his autobiography, *Lebens-Beschreibung des Herrn Gözens von Berlichingen mit der eisernen Hand* ('The Life of Sir Götz von Berlichingen with the Iron Hand').

In this memoir, Götz recounts his adventures, battles, and injuries with pride and in vivid detail, providing invaluable insight into the mindset of a 16th-century knight navigating a changing world. The manuscript was later discovered and published in the 18th century, eventually inspiring Goethe's 1773 play, which helped elevate Götz from historical figure to legend.

One of the most famous and colourful moments associated with Götz von Berlichingen comes directly from his own memoirs. During a standoff with the forces of the Bishop of Bamberg, Götz was ordered to surrender. In response, he famously shouted back:

"*Er aber, sag's ihm, er kann mich im Arsche lecken*!"

"Tell him he can lick my ass!"

The phrase has been passed down in popular culture as a classic expression of rebellion and defiance, associated with the rough, independent spirit of the Franconian knight. Johann Wolfgang von Goethe included this line in his 1773 play Götz von Berlichingen, helping to immortalize it.

Götz von Berlichingen died in 1562, at the remarkable age of around 82, an unusually long life for someone who spent so much of it in violent conflict. He was buried in the village church at Hornberg, where a grave marker commemorates him. At the end of his long life, a dying Baron Goetz von Berlichingen, the Iron Hand traveled to his ancestral tomb to seek absolution for his sins. Before he can be buried in his family crypt, the sins of his life must be confessed, enlisting the services of a Cistercian monk in order to record a narrative of his life as a robber-knight, and hopeful that his confession will not only prove his piety, but will lead to his soul's redemption. Berlichingen married twice and left three daughters and seven sons to carry on his family name.

rajeshsharma1049@gmail.com

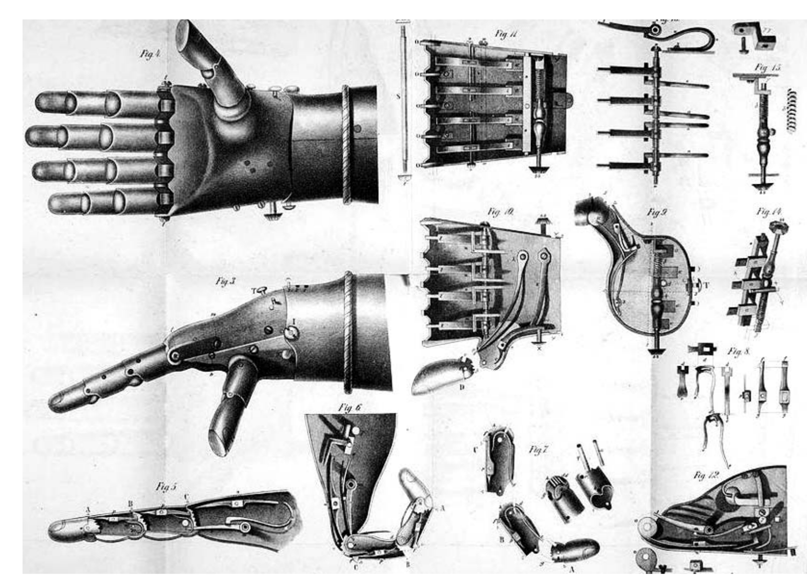

Gotz von Berlichingen.

#BRANDING

The Story of Dalda

How a Cooking Staple was Born

For generations across India, Pakistan, and Bangladesh, the name Dalda was more than just a brand, it was a household term, shorthand for vanaspati or hydrogenated vegetable oil. Found in millions of kitchens and etched into the culinary memory of South Asia, Dalda's story is not just about food, but also about colonialism, industrial innovation, branding brilliance, and changing diets.

The Colonial Context: Butter, Ghee, and a Growing Market

In the early 20th century, under British colonial rule, India's growing urban population had an increasing demand for ghee, the clarified butter traditionally used in cooking. However, pure ghee, being made from milk fat, was expensive and unaffordable for many. The British saw an opportunity. They wanted to introduce a cheaper alternative to ghee that could be mass-produced and distributed. The idea was to bring a substitute for animal fat, similar to margarine in Europe, to the Indian market.

Enter Lever Brothers and the Birth of Vanaspati

In the 1930s, Lever Brothers, a British company (which would later become part of Unilever), began exploring options to manufacture hydrogenated vegetable oil, a product that would look and behave like ghee but be significantly cheaper. They partnered with Dada & Co., an Indian trading company that had already started importing a similar product from the Netherlands. The product was popular but needed better branding and local production to expand.

How the Name 'Dalda' Was Born

When Lever Brothers took over the marketing and production, they decided to retain part of the original name for brand recognition. So:

- 'Dada' (from Dada & Co.)
- Plus an 'L' for Lever Brothers
- Plus an 'A' to complete the word

Thus, the brand 'Dalda' was born, a clever amalgamation of Dada and Lever.

Dalda Hits the Market: 1937

In 1937, the first unit for manufacturing vanaspati ghee under the name Dalda was set up in India. Dalda was marketed as a cheaper, clean, and long-lasting alternative to ghee, ideal for the growing middle class who couldn't always afford pure dairy fat. Dalda was white or yellowish, semi-solid at room temperature, and had a texture and flavor profile similar to traditional ghee. It could be used for frying, baking, and general cooking, making it highly versatile.

The Advertising Revolution

One of the reasons Dalda became such a household name was its aggressive and innovative advertising.

- The Dalda film commercial from 1939 is often cited as India's first multimedia ad campaign, using cinema, print, and radio.
- The iconic Dalda tin, with its green palm tree logo and distinctive packaging, became instantly recognizable.
- Rural areas were targeted with mobile cinema vans and storytelling campaigns, promoting Dalda as a modern, hygienic option.

Post-Independence: Dalda's Dominance

After India's independence in 1947, Dalda continued to grow in popularity across India and Pakistan. In both countries, vanaspati ghee became a staple in homes, bakeries, restaurants, and sweet shops. In the 1970s and '80s, Dalda remained dominant despite growing awareness of health concerns related to trans fats, which are present in hydrogenated oils.

Changing Times: The Fall of the Giant

By the late 1990s and early 2000s, as consumers became more health-conscious, the demand for pure oils (like sunflower, soybean, mustard, and olive oil) increased. Vanaspati, once seen as a modern solution, began to be viewed as unhealthy due to its high trans fat content.

Unilever eventually decided to exit the vanaspati business.

In 2003, Bunge India acquired the Dalda brand in India.

In Pakistan, Dalda was sold in 2004 to a local group of investors, forming Dalda Foods Pvt Ltd, which has since expanded into other cooking oils and consumer products.

Legacy of Dalda

Today, Dalda still exists, though not as dominant, and has evolved with changing consumer preferences. It now includes a range of refined oils, canola, and sunflower oils, marketed as healthier alternatives.

But for many across the subcontinent, 'Dalda' remains a nostalgic symbol, a reminder of a time when branding, technology, and colonial economics collided to change the way people cooked and ate.

THE WALL

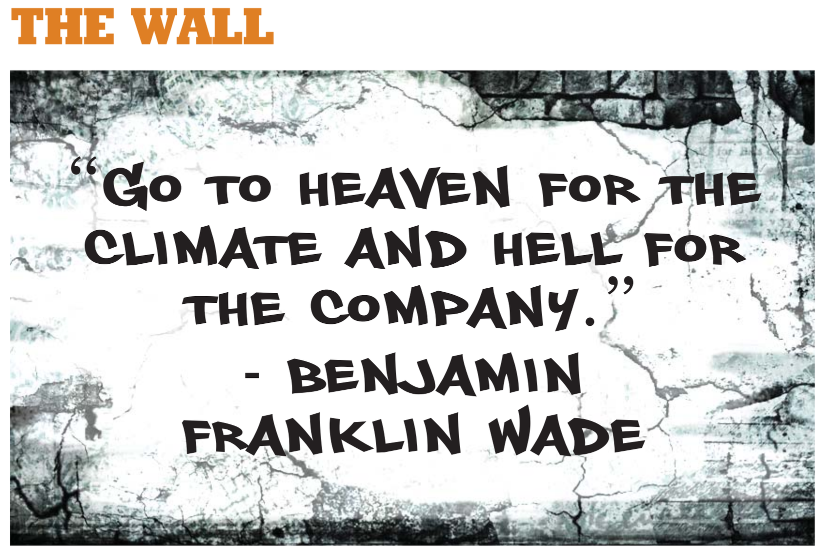

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

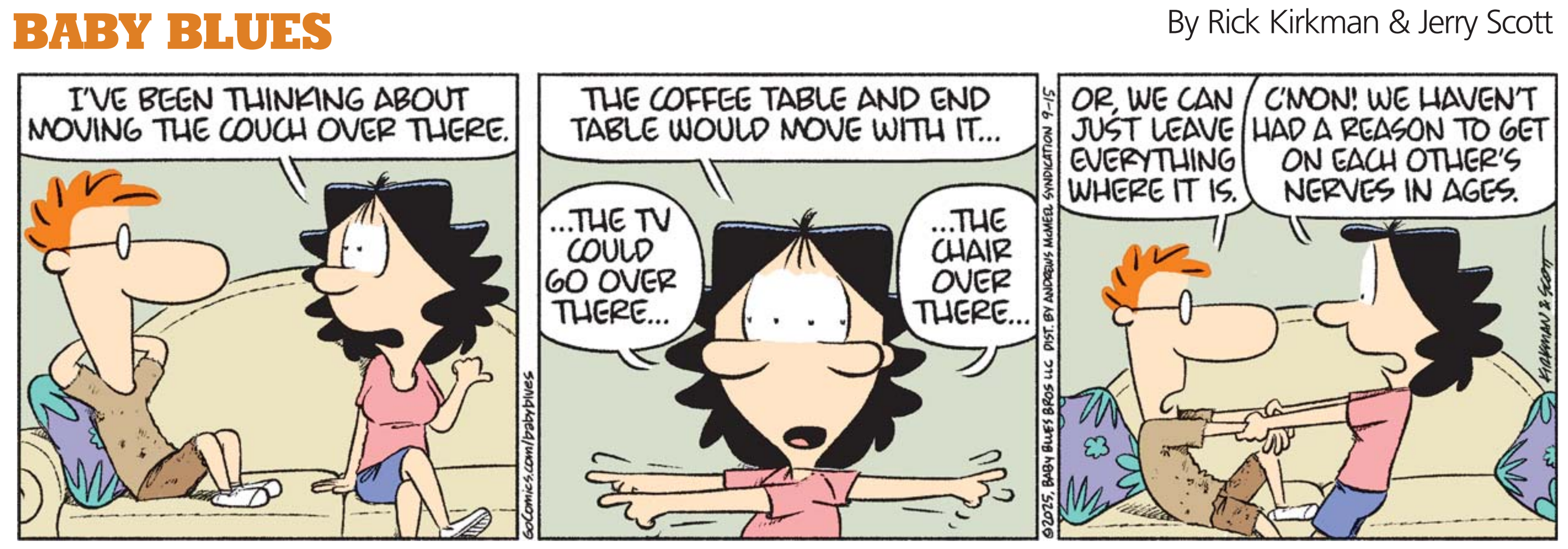

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

हाईवे व ब्रिज बनाने वाली जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी पर आयकर का छापा

उदयपुर, जोधपुर, जयपुर सहित दिल्ली, गुजरात, यूपी, एमपी और हरियाणा स्थिति 40 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया

- **सर्च ऑपरेशन में 200 से अधिक आयकर अधिकारी और कर्मचारी लगे हुए हैं**
- **आयकर के छापे से कंपनी से जुड़े व्यवसायियों और अधिकारियों में हड़कंप मचा**

उदयपुर, (कासं)। आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने नेशनल हाइवे और ब्रिज बनाने वाली नामी और बड़ी ठेकेदार कंपनी उदयपुर की जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी पर गुरूवार सुबह छापेमारी की है।

जानकारी के अनुसार सुबह छह बजे आयकर विभाग की करीब 40 से अधिक टीमों ने एक साथ जीआर इंफ्रा के राजस्थान में उदयपुर, जोधपुर, जयपुर सहित दिल्ली, गुजरात, यूपीए एमपी और हरियाणा स्थिति 40 ठिकानों पर एक सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अलसुबह हुई कार्रवाई से जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी से जुडी दूसरी बड़ी कंपनियों, व्यवसायियों और अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। यह पूरी कार्रवाई राजस्थान आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा के संयुक्त निदेशक अवधेश कुमार के नेतृत्व में चल रही है।

जानकारी के अनुसार इस सर्च ऑपरेशन में 200 से अधिक आयकर अधिकारी और कर्मचारी लगे हुए हैं। कंपनी के प्रबंधकों और निदेशकों से दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की जा रही है। आयकर विभाग सर्च ऑपरेशन के दौरान कई दस्तावेज और डिजीटल डॉक्यूमेंट बरामद किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। बड़े स्तर पर अघोषित संपत्ति के खुलासे की संभावना है।

गौरतलब है कि जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी देश में नेशनल हाइवे बनाने की नामी और बड़ी ठेकेदार कंपनी है। कंपनी मुख्य रूप से देश में सरकारी एजेंसीज के जरिए हाइवे, ब्रिज, रेलवे ट्रेक, रेलवे ब्रिज, टनल, पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, रोप-वे बनाने, लॉजिस्टिक पार्क डवलप करने जैसे बड़े प्रोजेक्ट पर काम करती है। आयकर विभाग की जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी पर अघोषित संपत्ति की गोपनीय सूचनाओं के चलते लंबे समय से नजर थी। संभावना है कि बड़े प्रोजेक्ट्स में कंपनी द्वारा बड़े स्तर पर फंड रोटेशन कर अघोषित संपत्ति जमा की जा रही है। हालांकि आयकर विभाग ने अभी तक अघोषित संपत्ति के संबंध में कोई भी अधिकृत जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि करोड़ों की अघोषित संपत्ति के खुलासे की संभावना है।

शहर स्तरीय तकनीकी विशेषज्ञ दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

आरोपी शहर स्तरीय तकनीकी विशेषज्ञ दीपक टेलर

- **शहर स्तरीय तकनीकी विशेषज्ञ को कंपनी के मार्फत परिवादी से रिश्वत लेते पकड़ा**
- **प्रधानमंत्री आवासीय योजना की शेष राशि के भुगतान की एवज में 40 हजार की रिश्वत मांगी**

झुंझुनूं/जयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनूं टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए नगर पालिका सूरतगढ़ के शहर स्तरीय तकनीकी विशेषज्ञ दीपक टेलर को कंपनी के मार्फत परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी झुंझुनूं टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसको प्रधानमंत्री आवासीय योजना के तहत 2.50 लाख रुपये स्वीकृत हुए थे, जिसमें परिवादी को एक लाख रुपये का भुगतान हो चुका है तथा शेष एक लाख पचास हजार रुपये के भुगतान की एवज में नगर पालिका सूरतगढ़ के शहर स्तरीय तकनीकी विशेषज्ञ दीपक टेलर 40 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है।

रिश्वत मांग सत्यापन में आरोपित दीपक टेलर ने परिवादी से प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वीकृत हुए एक लाख रुपये की एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की तथा शेष भुगतान स्वीकृत करवाने की एवज में बाद में बताने की कही है एवं पूर्व में भुगतान करवाई गई किश्त की एवज में 10 हजार रुपये की मांग की गई। जिस पर रिश्वत मांग के अनुसरण में एसीबी झुंझुनूं के पुलिस उप अधीक्षक शब्बीर खान के नेतृत्व में ट्रैप की कार्रवाई करते हुए दीपक टेलर दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

पूर्व आयकर अधिकारी शैलेंद्र भंडारी को अवैध संपत्ति केस में चार साल की सजा

27 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया, कई वर्षों के बाद आया फैसला

- **सीबीआई ने रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था, गिरफ्तारी के बाद भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ**
- **सीबीआई की जांच में यह पाया गया कि भंडारी ने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर 91.31 लाख रुपए की संपत्ति अर्जित की**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने पूर्व आयकर अधिकारी शैलेंद्र भंडारी को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में दोषी करार देते हुए चार साल की साधारण कैद और 27 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। जोधपुर के स्पेशल सीबीआई कोर्ट के जज भूपेंद्र सनाढ्य ने गुरुवार को यह फैसला सुनाया।

सीबीआई की ओर से स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर भगवानसिंह भंवरिया ने बताया कि वर्ष 2015 में सीबीआई जोधपुर की टीम ने इनकम टैक्स विभाग के आईटीओ शैलेंद्र भंडारी और चीफ कमिश्नर पीके शर्मा तथा बिचौलिए ज्वैलर को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही दोनों अफसरों के खिलाफ की गई जांच में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के तथ्य भी सामने आए थे। उसी आधार पर दोनों के खिलाफ अलग केस दर्ज किए गए थे। सीबीआई की जांच में यह पाया गया कि एक अप्रैल 2006 से 31 मार्च 2015 की अवधि के दौरान भंडारी ने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर 91.31 लाख रुपए की संपत्ति अर्जित की। इन संपत्तियों में आभूषण, घरेलू सामान, नकदी, बैंक बैलेंस, वाहन, शेयर और अचल संपत्ति शामिल थी। इसी अवधि में उनकी कुल वैध आय 61.25 लाख रुपए थी जबकि कुल व्यय 29.74 लाख रुपए था। सीबीआई की विस्तृत जांच में यह स्थापित हुआ कि 1 अप्रैल 2006 से 31 मार्च 2015 के बीच शैलेंद्र भंडारी की सभी वैध स्त्रोतों से कुल आय 61.25 लाख रुपए थी। इसमें उसका वेतन, इंडियन ओवरसीज बैंक से लिया गया होम लोन, उसकी पत्नी दमयंती भंडारी और बेटे अखिल सिंह भंडारी की आय शामिल थी। इसी अवधि में उसका कुल खर्च 29.74 लाख रुपए था, जिसमें होम लोन की वापसी, क्लब मेंबरशिप फीस, बच्चों की शिक्षा, आयकर का भुगतान और घरेलू खर्च शामिल थे। इस प्रकार 61.25 लाख रुपए की आय के मुकाबले भंडारी ने 1.21 करोड़ रुपए की संपत्ति और व्यय किया, जो 59.80 लाख रुपए यानी 97.64 प्रतिशत अधिक था।

यह मामला तब सामने आया जब 31 मार्च 2015 को सीबीआई ने केस दर्ज किया, जिसमें मुख्य आयकर आयुक्त पीके शर्मा और अन्य के खिलाफ धारा 120बी आईपीसी एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला बना। इस ट्रैप कार्रवाई के बाद शैलेंद्र भंडारी के आवासीय और कार्यालयीन परिसरों पर तलाशी ली गई। इस दौरान जब्त दस्तावेजों और एकत्र की गई जानकारी की जांच से पता चला कि भंडारी ने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर भारी संपत्ति जमा की थी। तब, 2 मार्च 2016 को सीबीआई के इंस्पेक्टर मुकेश बंसल की ओर से सीबीआई एसीबी जोधपुर द्वारा भंडारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने की रिपोर्ट पर 4 मार्च 2016 को डीए केस दर्ज किया गया। विशेष न्यायालय ने शैलेंद्र भंडारी को दोषी पाया। यह धारा सार्वजनिक सेवक द्वारा आपराधिक दुराचार और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने से संबंधित है। कई वर्षों की लंबी सुनवाई के बाद आज अदालत ने 26.46 प्रतिशत अवैध संपत्ति सिद्ध होने पर भंडारी को सजा सुनाई। हालांकि तत्कालीन मुख्य आयकर आयुक्त पीके शर्मा के खिलाफ भी आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज है, जो अभी सीबीआई कोर्ट में विचाराधीन है। रिश्वत के मामले में शर्मा को भी 26 सितंबर 2025 को 4 साल की सजा और 1.10 लाख रुपए का जुर्माना मिल चुका है। उनके खिलाफ आरोप है कि उनके पास उनकी ज्ञात आय से काफी अधिक की संपत्ति है। सीबीआई ने उनकी विभिन्न शहरों में स्थित संपत्तियों की जांच की है।

चिकित्सा विभाग की टीम ने छापे मारे

सीकर, (निसं)। खाद्य वस्तुओं में मिलावट करने वालों के खिलाफ चिकित्सा विभाग की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। गुरूवार को विभाग की टीम ने मूण्डरू क्षेत्र में कार्रवाई की। इस दौरान 250 किलो स्कीम्ड मिल्क पाउडर को सीज़ किया गया और मिलावट की आशंका पर 500 लीटर दूध नष्ट करवाया गया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक महरिया के निर्देशन में विभाग की ओर से दीपावली पर्व के मद्देनजर विशेष अभियान चलाया गया है। इसके तहत गुरूवार को जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया, महमूद अली, नंदराम मीणा, सुरेश कुमार शर्मा की टीम ने मूण्डरू क्षेत्र के खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

यादव दूध डेयरी मूण्डरू के निरीक्षण के दौरान 250 किलो स्कीम्ड मिल पाउडर (एसएमपी) मिला, जिस पर निर्माण तिथि और यूज बाई डेट लिखा हुआ नहीं था। टीम ने पाउडर के दो नमूने लिए उसे सीज़ किया। साथ ही डेयरी पर दूध के दो नमूने लिए और मिलावट की आशंका पर 500 लीटर दूध नष्ट करवाया गया। टीम ने अजीतगढ़ से मिल्क केक, मावा, रसगुल्ला, मावा पेड़ा आदि मिठाइयों के दस नमूने लिए।

सायबर ठग ने तांत्रिक बनकर नौ लाख की ठगी की

- **पैसों की बारिश करने का झांसा देकर परिवार को फंसाया, जान से मारने की धमकी दी**
- **सादुलशहर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की**

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक सायबर ठग ने तांत्रिक बनकर परिवार को झांसे में लिया। इसके बाद वह पीर बाबा की कृपा और तांत्रिक सिद्धियों का दावा करते हुए नौ लाख रुपए की ठगी कर ली। मामला जिले के सादुलशहर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित परिवार की ओर से कोर्ट में शिकायत दी गई है।

शिकायत में में बताया कि ठग अब जान से मारने की धमकी दे रहा है। श्रीगंगानगर के मोरजंडखारी निवासी विनोद कुमार ने एसीजीएम कोर्ट ने शिकायत देकर बताया कि वह गांव में मजदूरी करता है। आरोपी केवल सिंह निवासी डबवाली, सिरसा (हरियाणा) उनके घर आया और दावा किया कि वह पीर बाबा की सेवा करता है। इससे उसे तांत्रिक सिद्धियां प्राप्त हैं। उसने कहा कि वह किसी को भी अमीर बना सकता है। इस पर उसने विश्वास कर लिया। इसके बाद केवल सिंह ने विनोद को 23 नवंबर 2024 को डबवाली (सिरसा) बुलाया और वहां सेवा के नाम पर पैसे मांगे। विनोद ने अपने जानकार महेंद्र कुमार के गूगल-पे से 30 नवंबर 2024 को 11 हजार रुपए और बाद में अपने गूगल-पे से 3 दिसंबर को 25 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसी तरह विनोद ने टोटल अलग-अलग ट्रांजैक्शन व नकद 9 लाख 35 रुपए ले लिए। जब विनोद को कोई फायदा नहीं हुआ तो उसने केवल सिंह से संपर्क किया। आरोपी ने टालमटोल करते हुए कहा कि तुम्हारा नंबर जल्द आएगा। इसके बाद में विनोद को पता चला कि केवल सिंह कोई बाबा नहीं, बल्कि सायबर ठग है। इसके बाद विनोद ने पैसे वापस मांगे। तब केवल ने धमकी दी कि मैंने तुझे बेवकूफ बनाकर पैसे ऐंठ लिए, जो करना है कर ले। अगर कोई कानूनी कार्रवाई की तो तुझे और तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। फिलहाल कोर्ट के आदेश पर सादुलशहर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई कुलवंत सिंह कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

छह लाख की शराब जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर अवैध शराब से भरा एक टेम्पो जब्त किया है। पुलिस ने टेम्पो से 147 कार्टन शराब बरामद किए, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में मध्यप्रदेश निवासी दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस द्वारा अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत बिछीवाड़ा पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान आर रहे एक लोडिंग ऑटो को रोककर तलाशी लेने पर उसमे भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की। टेम्पो में प्लास्टिक की खाली कैरेट की आड़ में अवैध शराब के कार्टन छिपाकर रखे गए थे। पुलिस ने तुरंत टेम्पो को जब्त कर लिया और उसमें सवार दो व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने टेम्पो से 147 कार्टन अवैध शराब बरामद की। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान मध्य प्रदेश निवासी रोहित मराठा और प्रियांशु वाल्मीकि के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उनसे आगे की पूछताछ कर रही है ताकि इस तस्करी रैकेट के अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके।

लीडर अपनी जुबान को कंट्रोल रखेगा तो लोग याद रखेंगे : रंधावा

- **नरेश मीणा को लेकर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा ने कहा कि ट्वीटर से एमएलए पैदा नहीं होते हैं**

बीकानेर, (निसं)। नरेश मीणा को लेकर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा ने कहा कि ट्वीटर से एमएलए पैदा नहीं होते हैं। नेता में पार्टी का काम, समर्पण, बैकग्राउंड और उसकी ईमानदारी देखी जाती है। प्रभारी सुखजिंदर रंधावा और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा गुरुवार को बीकानेर दौरे पर रहे। यहां कांग्रेस नेता रामेश्वर डूडी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत में रंधावा ने नरेश मीणा को लेकर कहा कि लीडर को जुबान पर कंट्रोल रखना चाहिए। नरेश मीणा को टिकट न मिलने की बात पर बोले कि वे कभी मुझसे मिले नहीं। वे बड़े नेता हैं, मैं छोटा आदमी हूं। अंता विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने प्रमोद जैन भाया को प्रत्याशी बनाया है। नरेश मीणा यहां से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

इससे पहले उन्होंने अपने पिता की सोनिया गांधी के साथ एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि उनके पिता कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष रहे। इस पोस्ट को लेकर जब सुखजिंदर रंधावा से सवाल किया गया तो वे बोले कि मैं साढ़े तीन साल से प्रभारी हूं। न मैं कभी उनसे मिला हूं और न वे मुझसे मिले। ट्वीटर से बहुत कुछ हो जाता है। वहां से एमएलए पैदा नहीं होते हैं।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा कार्यकर्ताओं का सम्मान करती है। पार्टी कभी अमीर-गरीब नहीं देखती। मुझे दुख है कि मैंने नरेश मीणा का ट्वीटर नहीं देखा। आप बड़े लीडर हैं। आप क्या चाहते हैं, आप जो कहेंगे वो मैं कर देता हूं। मैं समझता हूं कि मैंने ट्वीटर देखा नहीं गलती कर दी। रंधावा ने नरेश मीणा को लेकर कहा कि जो हमारी पार्टी में नहीं, जिसने आज तक मुझसे मुलाकात नहीं की, वो यदि मुझे बोल देते मैं कांग्रेस जॉइन करना चाहता हूं, तो वह कह सकते थे। एक लीडर अपनी जुबान पर कंट्रोल रखेगा तो लोग याद रखते हैं। जो लीडर एकदम या कुछ भी बोल जाते हैं, उन्हें लोग कम याद रखते हैं। लीडर को टीआरपी बढ़ाने की बात न कर लोगों की बात करें। भाया के टिकट पर कहा कि मुझे पंजाब से लाकर तो यहां लड़ाना नहीं था। इसे लेकर मैंने सभी से बात की और सभी ने एक ही नाम बताया। कांग्रेस किसी के सहारे, धर्म के विपरीत बोलकर चुनाव नहीं लड़ती। कांग्रेस अपने उसूलों और काम पर चुनाव लड़ती है।

दो हिस्ट्रीशीटर और इनामी बदमाश सहित चार गिरफ्तार

बगड़, (निसं)। झुंझुनूं पुलिस ने बदमाशों पर बड़ी कार्रवाई की है। बगड़ थाने में दर्ज एक मामले में पुलिस ने दो हिस्ट्रीशीटर और इनामी बदमाश सहित चार जनों को दबोचा है। गुरूवार को गिरफ्तारी के बाद बदमाशों का बगड़ के बाजार में जुलूस निकाला गया। आरोपी पुलिस से बचने के लिए जयपुर और मुंबई जैसी जगहों पर फरारी काट रहे थे। पुलिस टीम ने आरोपियों का पता लगाने के लिए सैंकड़ों सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि करीब पांच महीने पहले 21 मई को क्यामसर निवासी एक युवक ने थाने में मामला दर्ज कराया था कि वह झुंझुनूं से अपने गांव जा रहा था तो प्रतापपुरा अंडरपास के समीप पांच बदमाशों ने उसकी बाइक रूकवाई और जानलेवा हमला किया। यही नहीं आरोपी उसके पास से ज्वैलरी और नगदी लूटकर ले गए। युवक ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस ने जब आरोपियों को ढूंढना शुरू किया तो सभी फरार हो गए थे। इसी दौरान डीएसटी नवलगढ़ के कांस्टेबल अमित कुमार को सूचना मिली कि हार्डकोर, इनामी हिस्ट्रीशीटर बदमाश नितिश उर्फ ब्लेकिया अपने गांव माखर की ढाणी आया हुआ है। जिस पर बगड़ पुलिस ने नितिश उर्फ ब्लेकिया उर्फ कालू पुत्र उम्मेद सिंह जाट के घर पर दबिश दी तो वहां पर नितिश उर्फ ब्लेकिया मिला। उसके साथ ही मौके पर माखर निवासी राहुल उर्फ कालू पुत्र सुरेश पूनियां मिला। दोनों ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। दोनों की निशानदेही पर इस प्रकरण में नितिश उर्फ ब्लेकिया के साथी और सूरजगढ़ थाने के हिस्ट्रीशीटर पांच हजार रूपए के इनामी बदमाश संदीप उर्फ डांग पुत्र रोहिताश्व जाट निवासी बिशनपुरा तन अगवाना तथा माखर की ढाणी निवासी अजय जाखड़ पुत्र रामनिवास जाखड़ को मठ स्टैंड के पास से दस्तयाब किया गया।

डॉ. सतीश पूनियां ने रामेश्वर डूडी को श्रद्धांजलि दी

डॉ. सतीश पूनियां ने रामेश्वर डूडी के परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी।

- **रामेश्वर डूडी के निधन से राजस्थान और समाज को काफी नुकसान हुआ : सतीश पूनिया**

जयपुर/बीकानेर। भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामेश्वर डूडी के निधन पर बीकानेर पहुंचकर रामेश्वर डूडी को श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि, रामेश्वर डूडी के निधन से राजस्थान और समाज को काफी नुकसान हुआ है, वे प्रदेश के किसानों की मुखर आवाज थे। पूनियां ने पूर्व कैबिनेट मंत्री बी.डी. कल्ला की भाभीजी सावित्री देवी के दुखद निधन पर बीकानेर में श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों को ईश्वर से सम्बल प्रदान करने की प्रार्थना की।

मीडिया द्वारा राजस्थान की राजनीति में नई भूमिका के सवाल पर सतीश पूनियां ने कहा कि हम राजनीतिक कार्यकर्ता हैं, इसलिए ऐसी चर्चा होती है, लेकिन निरंतर चलना कार्य करना इंसान की फितरत होती है और चाहे वह कोई भी हो, संगठन और जनसेवा के लिए निरंतर चलते रहना चाहिए। हम जैसे कार्यकर्ता, जिनके लिए संगठन और जनहित जरूरी है, उनको इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए, संगठन की मजबूती के लिये परिश्रम, प्रवास और कार्यकर्ताओं से संवाद बहुत जरूरी है, यही कार्य हमारी प्राथमिकता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व अन्य कांग्रेस नेताओं की ओर से लगातार भाजपा की भजनलाल शर्मा सरकार को पर्ची सरकार कहने के जवाब में सतीश पूनियां ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस के लोगों ने कौन से तीर मार लिए थे, अशोक गहलोत तीन बार राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे और आज तक नदी का पानी बीकानेर नहीं ला पाए।

बुजुर्ग महिला के पैर काटकर चांदी के कड़े लूटे, आरोपी और महिला मित्र गिरफ्तार

गंगाजी की कोठी गांव में घायल बुजुर्ग महिला।

- **रातभर दर्द से तड़पती रही महिला, होश आने पर रेंगते हुए रास्ते में आई और सहायता मांगी**
- **वाहन चालकों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को अस्पताल में भर्ती कराया, गम्भीर हालत में जयपुर रैफर**

गंगापुर सिटी, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के गंगाजी की कोठी गांव में दिल दहला देने वाली घटना ने सभी को झकझोर दिया। एक अज्ञात जना महिला को मजदूरी का झांसा देकर गंगापुर लाया और सुनसान जगह ले जाकर महिला के दोनों पैर काटकर चांदी के कड़े लूट लिए।

पुलिस कप्तान अनिल कुमार ने बताया कि कमला देवी निवासी सीतोड गांव (बामनवास) को मजदूरी का झांसा देकर एक शख्स गंगापुर सिटी लाया था। बाद में आरोपी ने निर्ममता से महिला पर हमला कर उसके पैर काट दिए और कड़े लूटकर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल महिला को पहले स्थानीय अस्पताल और फिर हालत नाजुक होने पर जयपुर रैफर किया गया। 65 साल की बुजुर्ग महिला के पैर के पंजे काटकर बदमाश चांदी के कड़े ले गए। घटना के बाद महिला बेहोश हो गई। होश आने पर झाड़ियों से रेंगते हुए रास्ते में आई और मदद मांगी। वारदात गंगापुरसिटी इलाके में बुधवार रात की है। पुलिस ने गुरुवार शाम मामले का खुलासा करते हुए युवक और उसकी महिला मित्र को अरेस्ट कर लिया। एसपी अनिल कुमार बेनीवाल ने बताया कि 5 अक्टूबर को पिपलाई कस्बे में एक अज्ञात व्यक्ति उससे मिला था। उसने बताया कि उसके कई जगह पर निर्माण कार्य चल रहे हैं और मजदूरों की आवश्यकता है। भरोसा दिलाते हुए उसने कमला देवी से मोबाइल नंबर लिया। 8 अक्टूबर को महिला को कॉल कर गंगापुर सिटी मजदूरी करने बुला लिया। कमला देवी अपनी बहू सीमा और पड़ोसी उगंती के साथ मजदूरी के लिए 8 अक्टूबर की सुबह गंगापुर सिटी पहुंची। वहां कॉल करने पर वही व्यक्ति बाइक से बाइपास तिराहा आया। सीमा और उगंती को बाइक पर बैठाकर उदेई मोड छोड़ दिया। अज्ञात व्यक्ति ने बहू से कहा कि मैं तुम्हारी सास को लेकर आता हूं। उसने सीमा का मोबाइल भी अपने पास रख लिया। काफी देर तक महिला के नहीं आने पर बहु सीमा और उगती 8 अक्टूबर की शाम सदर थाना गंगापुर सिटी पहुंची और अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज करवाया था।

एसपी ने बताया कि गुरुवार सुबह गंगाजी कोठी पुलिया के जाट बडौदा रास्ते पर एक महिला के घायल हालत में पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला के दोनों पैर के पंजे कटे हुए थे। महिला के दोनों पैर में चांदी के कड़े नहीं थे। बदमाश महिला के पैर के पंजे काटकर चांदी के कड़े लूट ले गए। एसपी अनिल कुमार ने बताया कि 24 घंटे में ही पुलिस ने मामले का पर्दाफाश कर पुलिस ने एक महिला सहित एक पुरूष आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक महीने पहले ही सेवर जेल से छूटकर आया था। पुलिस ने पीड़ित महिला की बहू के मोबाइल की लोकेशन के आधार पर आरोपी रामोतार उर्फ काडू बैरवा (32), निवासी खेड़ा बाढ़ रामगढ़ गंगापुर सिटी और उसकी महिला मित्र तनु उर्फ सोनिया पत्नी रामोतार पुजारी निवासी भैंसा थाना गहनोली मोड भरतपुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी पूर्व में भी इसी प्रकार की वारदात कर चुका है। आरोपियों ने जिन लोगों को कड़े बेचे, उनकी भी पहचान कर ली गई है। आरोपियों से कड़े बेचने पर मिले रुपए जब्त किए हैं।

विदेशी महिला की हार्ट अटैक से मौत

भरतपुर, (निसं)। एक विदेशी महिला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान 85 वर्षीय डोरोथी ली नोरा के रूप में हुई, जो अमेरिका के अटलांटा की निवासी थी। पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

जानकारी के अनुसार वह फतेहपुर सीकरी के बाद रणथंभोर जाने वाली थी, लेकिन रेलवे स्टेशन पर उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे आरबीएम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक महिला हाई बीपी और शुगर की बीमारी से परेशान थी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सिलेंडर ब्लास्ट हादसे में टोंक निवासी चालक की मौत

टोंक, (निसं)। जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस वे पर सावरदा गांव में मंगलवार की रात हुए भीषण सड़क हादसे में टोंक निवासी टैंकर चालक रामराज मीणा की मौत हो गई। हादसे के दौरान चालक रामराज के चीथड़े उड़ गए थे। मौके पर मिले शव के अवशेष को इकठ्ठा कर एक थैले में समेटकर एसएमएस हॉस्पिटल लाया गया, जहां से थैली को लेकर परिजन पैतृक घर पहुंचे। बुधवार देर शाम जैसे ही रामराज के शव से भरी थैली को लेकर भाई ग्राम राजकोट में पैतृक घर पहुंचा तो चीख-पुकार मच गई, जिसे देखकर मृतक की पत्नी बेसुध हो गई और दो छोटे बच्चे भी चिल्ला-चिल्ला कर रोने लगे। मौके पर मौजूद ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक के पिता किशन की 12 साल पहले मौत हो चुकी है, तीन भाई है, जिनमें रामराज सबसे छोटा था। रामराज के शव का अन्तिम संस्कार किया गया। जानकारी के अनुसार 7 अक्टूबर की रात जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस-वे पर सावरदा गांव के पास केमिकल टैंकर ने घरेलू गैस सिलेंडर भरे खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी थी, जिससे केमिकल से भरा टैंकर आग का गोला बन गया, कुछ ही देर में गैस सिलेंडरों ने भी आग पकड़ ली। देखते ही देखते सिलेंडर ब्लास्ट होने लगे। सिलेंडर 40 से 50 फीट तक उछलकर ब्लास्ट हुए। इस हादसे में टैंकर चालक रामराज मीणा जिंदा जल गया था। इस दौरान पांच लोग घायल हो गए थे।

सरकार आमजन की समस्या निराकरण करने के लिए कृत संकल्पित : यूडीएच मंत्री

भरतपुर में स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा ने पट्टे वितरित किये।

■ स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा अभियान में प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध होगा निस्तारण

भरतपुर । स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि सरकार आमजन की समस्याओं का निराकरण कर पात्रजनों को योजनाओं का लाभ दिलाने कृत संकल्पित है। सेवा शिविरों के माध्यम से घर बैठे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को विशेष छूट देते हुए समस्याओं निराकरण कर राहत प्रदान की जा रही है।

स्वायत्त शासन मंत्री गुरूवार को शहरी सेवा शिविर के तहत जवाहर नगर स्थित अम्बेड़कर सामुदायिक भवन में आयोजित समारोह में आमजन को आवासीय पट्टे एवं विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति पत्रों का वितरण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में आमजन को त्वरित लाभ देते हुए समस्याओं का समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है। प्रदेश विकाशील से विकसित राजस्थान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन को मूलभूत सुविधाओं की समस्या निराकरण एवं विभिन्न योजनाओं में पात्रता के आधार पर लाभ प्रदान करते हुए घर बैठे राहत दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पारदर्शिता रखते हुए सभी आवेदनों को ऑनलाईन किया गया है जिससे आमजन ई-मित्र अथवा अपने स्मार्टफोन के माध्यम से भी घर बैठे आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान मूलभूत सुविधाओं से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण कर बिजली, पानी, रोशनी एवं सफाई सम्बन्धित कार्य भी वार्डों में जाकर किये जा रहे है।

स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि सेवा शिविरों में कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित नही रहेंगा, आवश्यकता पड़े पर 17 अक्टूबर के बाद प्राप्त आवेदनो ऑनलाईन करते हुए सम्बन्धित निकायों को समयबद्धता के साथ निराकरण के निर्देश दिये जाऐगे। उन्होंने कहा कि दीपावली पूर्व प्रदेश भर में सभी निकायों में रोशनी एवं सफाई व्यवस्था विशेष रूप से करने के निर्देश दिये गये है। उन्होंने पट्टा प्राप्त करने वाले एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वस्थ्य एवं स्वच्छ प्रदेश के निर्माण में सक्रियता से भागीदारी निभाते हुए अपने आपस-पास गंदगी नहीं होने दे। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान में भागीदार बनने का आव्हान किया।

जिला कलक्टर कमर चौधरी कहा कि सेवा शिविरों में किसी भी पात्र व्यक्ति को निराश नहीं होने दिया जाएगा। पात्रता के आधार पर पारदर्शिता से लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने आश्वास्त किया कि सरकार की मंशा के अनुरूप शिविरों में जनसमस्याओं को मौके पर निराकरण कर आमजन को राहत दी जाएगी।

आयुक्त नगर निगम श्रवण विश्नोई ने शिविरों के दौरान सरकार के द्वारा दी गई विशेष छूट से आमजन को मिल रही राहत के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आवासीय पट्टे, ऋण योजनाओं की स्वीकृति एवं समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। उन्होंने शिविरों की प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। प्रदेश प्रवक्ता शैलेष कौशिक ने सेवा शिविरों को आमजन के लिए राहत भरा कदम बताया।

उपखंड अधिकारियों का स्वागत व विदाई समारोह आयोजित

■ नवपदस्थापित उपखंड अधिकारी पावटा साधना शर्मा का पुष्प गुच्छ भेंटकर गरिमा पूर्ण स्वागत किया

पावटा। अभिभाषक संघ पावटा की ओर से एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें उपखंड अधिकारियों का स्वागत और विदाई कार्यक्रम संपन्न हुआ। समारोह में उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय को उनके स्थानांतरण पर विदाई दी गई जबकि नवपदस्थापित उपखंड अधिकारी पावटा साधना शर्मा का पुष्प गुच्छ भेंटकर गरिमा पूर्ण स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कपिल कुमार उपाध्याय के कार्यकाल की सराहना करते उनके योगदान को यादगार बताया नवनियुक्त उपखंड अधिकारी साधना शर्मा को अधिकताओं ने सहयोग और सौहार्द का विश्वास दिलाया। इस दौरान अभिभाषक संघ पावटा अध्यक्ष एड. ओमप्रकाश सैनी समेत उपाध्यक्ष एड.अनिल सिंह शेखावत, सचिव एड. सुरेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त सचिव एड. मुकेश कुमार यादव, मीडिया प्रभारी एड.हेमंत कुमार मौर्य, कोषाध्यक्ष एड. मुकेश यादव, पुस्तकालयाध्यक्ष एड. कुलदीप पटेल, संगठन मंत्री जय किशन सोनी, दिलीप सिंह शेखावत, विष्णु कुमार शर्मा, नरेश कुमार यादव, लोकेश कुमार शर्मा, मुकेश कुमार स्वामी, अशोक सिंह गुर्जर, हजारी लाल यादव, घनश्याम शर्मा, सीताराम सैनी, गौरव शर्मा, कमलकांत शर्मा, महेश शर्मा, दिनेश दायमा, मेहर सिंह जाट, धर्मपाल यादव, सुरेश कुमार धानका, हरि सिंह यादव, किशोरी लाल यादव, बुद्धाराम यादव, रिंकू गुर्जर, स्टांप वेंडर श्यामसुंदर शर्मा, महेंद्र यादव, गुल्लाराम यादव, विसंबर सैनी, उमेश चौधरी, सुभाष यादव, सुल्तान यादव, महेंद्र सिंघल, सुरेश गुर्जर, सुनील अग्रवाल, सूर्यकांत सैनी, टीटू अग्रवाल, रामसिंह सैनी सहित अधिवक्ताओ ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। अभिभाषक संघ पावटा ने आगंतुक अतिथियों का आभार जताया।

कुपोषण की रोकथाम के लिए किया जागरूक

■ राष्ट्रीय पोषण सप्ताह को लेकर हुई कार्यशाला

निवाई। पंचायत समिति के सभागार में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बंधन संस्था के कार्यकर्ता व स्वास्थ्य सहायिकाओं ने भाग लिया। संस्था के सहायक प्रबंधक गिरिश तिवारी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए बताया कि बंधन संस्था कोटक महिंद्रा बैंक के वित्तीय सहयोग से निवाई ब्लॉक में कुपोषण की रोकथाम हेतु सतत प्रयासरत है। संस्था समुदाय में जागरूकता फैलाने के लिए नियमित बैठकों, प्रशिक्षणों एवं एनीमेशन वीडियो का उपयोग करके आमजन को जागरूक करने का कार्य रही है।

उन्होंने बताया कि इन प्रयासों का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना तथा पोषण संबंधी व्यवहारों में सकारात्मक बदलाव लाना है। बीसीएमओ दीपेंद्र पांचाल, सीडीपीओ संगीता दीपक एवं बीपीएम जयदीप नरूका ने मंच साझा किया और विस्तृत जानकारी दी। बीसीएमओ ने शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को रोकने में पोषण की भूमिका की जानकारी देते हुए संतुलित आहार, स्तनपान व टीकाकरण की महत्ता समझाई। सीडीपीओ ने आंगनबाड़ी स्तर पर उपलब्ध पोषण सेवाओं, पूरक आहार योजनाओं व महिलाओं एवं बच्चों की देखभाल पर विस्तार से चर्चा की। बीपीएम ने पोषण सुधार हेतु समुदाय, स्वास्थ्यकर्मी एवं संस्थाओं के आपसी सहयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए टीम को मिलकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला में एनआरसी की सेवाओं, कार्यप्रणाली और गंभीर कुपोषित बच्चों के उपचार में इसकी भूमिका के बारे में उपस्थितजनों को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रीय समन्वयक लक्ष्मीनारायण कहार ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समुदाय में पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगे।

उद्‌घाटन 13 को

कोटपूतली। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में आगामी 13 अक्टूबर को सिंदूर स्मारक वाटिका का उद्‌घाटन वन व पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक हंसराज पटेल की अध्यक्षता में किया जायेगा।

जिसके बाद वृक्षारोपण भी किया जायेगा, जिसमें वाटिका में सिंदूर के पौधे लगाये जायेगें। कार्यक्रम के आयोजक समाजसेवी रतन लाल शर्मा ने बताया कि यह स्मारक नारी शक्ति भारतीय संस्कृति व परम्परा के सम्मान में बनाया गया हैं।

जिला कलक्टर ने टोडा जयसिंहपुरा में ग्राम सेवा शिविर का किया निरीक्षण

■ ग्रामीणों से शिविर की व्यवस्थाओं एवं उनकी समस्याओं के समाधान का लिया फीडबैक -टहला तहसील का किया निरीक्षण, आमजन की सुनी परिवेदनाएं

कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज राजगढ क्षेत्र का दौरा कर ग्राम पंचायत टोडा जयसिंहपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अलवर । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज राजगढ क्षेत्र का दौरा कर ग्राम पंचायत टोडा जयसिंहपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं शिविर में आए हुए आमजन से शिविर में प्रदान की जा रही सुविधाओं व सेवाओं का फीडबैक भी लिया तथा टहला तहसील का निरीक्षण कर आमजन की परिवेदनाएं सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने शिविर में निरीक्षण कर विभागवार व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आमजन को दी जाने वाली सेवाओं की प्रक्रिया आदि का अवलोकन किया। उन्होंने शिविर प्रभारी को निर्देश दिये कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार शिविर के दौरान आमजन को दी जाने वाली सेवाएं मौके पर ही दी जाए। उन्होंने लम्बित नोटिसों की तामील एवं फार्मर रजिस्ट्री को पूर्ण कराने, रास्ते खोलने, आपसी सहमति से विभाजन एवं नामांतरण, किसान गिरदावरी ऐप द्वारा गिरदावरी करवाने, मूल निवास बनाने आदि की प्रगति का अवलोकन कर सभी कार्यों को यथासंभव मौके पर ही सम्पादित करने के निर्देश दिये।

साथ ही केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं जिनमें पं. दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के तहत दस हजार और गांवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे करने, पीएमजेवाई कार्ड बनाने व वितरण करने, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री घुमन्तु आवास योजना से लाभांवित करावे। शिविर स्थल पर उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सेवा शिविर में योजनाओं के पात्र जनों को मौके पर मिला लाभ

ग्रामीणों ने समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा ।

पावटा। आमजन की समस्याओं के निराकरण एवं पात्रता के आधार पर योजनाओं का लाभ लेने के लिए चलाये जा रहे ग्रामीण सेवा शिविरों के तहत बुधवार को पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के राजस्व ग्राम बड़नगर में शिविर आयोजित किया गया। जिसमें जिला स्तरीय अधिकारियों ने शिरकत कर पात्र जनों को योजनाओं का मौके पर लाभ दिलाया।

वही ग्रामीणों ने पालिका ईओ फतेह सिंह मीणा को नगरपालिका क्षेत्र के राजस्व ग्राम बड़नगर में निवास करने वाली जनता की मूलभूत व नगरीय निकास समस्याओं व विकास की मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन में पूर्व सरपंच रामकरण यादव बताया कि ग्राम बड़नगर में ज्यों चारागाह भूमि है उस पर जो आबादी बसी हुई है उसे आबादी भूमि में परिवर्तित किया जाए व 80-90 के दशक में ग्राम पंचायत ज्यों पट्टे जारी किए गए है उनका नवीनीकरण किया जाए।

ग्राम बड़नगर में मुख्य आबादी के चारो तरफ जितने भी मकान बने हुए है, जितने भी लोग बसे हुए है उनको आबादी भूमि में परिवर्तित किया जाए। ग्राम बड़नगर की मुख्य आबादी से ज्यों अटल पथ स्वीकृत करवाया गया है बड़नगर स्टैंड से भांकरी तक इसमें आवश्यकता अनुसार लेवल के हिसाब से नालियों व बारिश के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए। ग्राम बड़नगर में दर्जियों के मोहल्ले की तरफ से आने वाले अटल पथ के रास्ते को नीचा किया जाए।

खोया पाया

वैभव नगर विकास समिति जयपुर का सहकारी समिति का मूल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट नं. 267/13-14 मेरे घर से ऑफिस के बीच खो गया है मिलने पर सूचित करें गजेन्द्र सिंह अध्यक्ष वैभव नगर विकास समिति 9414013341

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन ज़ोन, नगर निगम जयपुर हेरिटेज

आवासीय आवंटन सूचना

उपायुक्त, सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर हेरिटेज

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर

आम सूचना

(योगेश शर्मा) प्रबंध निदेशक, राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)

(राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)

दिनांक- 06.10.2025

सार्वजनिक सूचना

...द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड पट्टे की प्रति, रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा श्री जगमोहन जोशी पुत्र स्व. श्री सम्पत लाल जोशी के पक्ष में क्षेत्रफल 666 वर्गगज का ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय)
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम सं. 01 स्थान साँभर लेक
संजू चौधरी विरुद्ध विनोद चौधरी
वाद/प्रार्थना पत्र धारा 13A H.M. Act
प्रार्थना-पत्र संख्या - 51सन् 2025

नाम विनोद चौधरी उम्र 26 साल पुत्र सीताराम जाति जाट पता कान्यावास पोस्ट जयरामपुरा थाना हरमाड़ा तहसील आमेर जिला जयपुर राजस्थान राज.।

उक्त प्रार्थीया ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 18 माह 11 सन् 2025 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 08 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

आज्ञा से-अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम सं.01 सांभरलेक जिला जयपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगणों ने सूरजपोल गेट गृह विकास सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर रजि. 2235/L की आवासीय योजना जो कि (नई का नाथधाम) धूलारोड बासखोह बस्सी, जयपुर में स्थित है। जिसमें प्लाट नम्बर 6, 7, 8, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 23, 24, 25, 26, 27 कुल प्लाट 14 कुल क्षेत्रफल 7800.81 वर्गगज है। जिस पर मेरे अभिभाष्यगण आज दिनांक तक मालिक व काबिज चले आ रहे है। इन प्लाटों के संबंधि मे पूर्व मे इकरारनामा महेश अग्रवाल जयपुर से किया गया था। महेश अग्रवाल द्वारा इकरारनामा की शर्तो की पालना नहीं किये जाने के कारण इकरारनामा पूर्व मे ही निरस्त किया जा चुका है। आज इन समस्त प्लॉटो का महेश अग्रवाल व इसके वारिसान का कोई संबंध नहीं है। इन प्लॉटो के संबंधि यदि कोई इन प्लॉटो को अपना बताकर बैचान व अन्य कोई कार्यवाही करता है तो वह मेरे अभिभाष्यगणों के विरुद्ध शून्य होगी। यदि किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा किसी प्रकार की कोई आपत्ति या उज्र हो तो मेरे कार्यालय में 7 दिवस में मय दस्तावेज सम्पर्क करें।

दिनांक-09.10.2025 (श्रीनाथ तिवारी) एडवोकेट मोबाईल नं. 9829005189

कार्यालय नगर निगम जयपुर हैरिटेज

क्रमांक: 1246 प्रारूप-13 (नियम 13(1) देखिए)। दिनांक: 09.10.2024

सूचना

प्रेषिति - द्वारकानाथ पुत्र गोपीनाथ हिरसा पूर्ण।

विषय:- भूमि में के अधिकारों हित के पर्यवसान की सूचना।

प्राधिकृत अधिकारी/उपायुक्त, किशनपोल जोन नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर

दिनांक-8/10/25

आम जाहिर सूचना

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:7658 जाहिर आम-सूचना दिनांक:09.10.2025

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, रा.आ.मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक: 7470 जाहिर आम-सूचना दिनांक:-29.09.2025

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, रा.आ. मण्डल, जयपुर

आम सूचना

दिनांक: 09.10.2025

(डी.एस. यादव) एडवोकेट, मो. 9414974046

उद्‌घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 01/2025

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम लाली देवी पत्नी गिरधारी जाति मीणा स्थान निझर मोड़, भावरू तह. विराटनगर मृतक गिरधारी मीणा पुत्र हरदेव मीणा की सम्पति के विषय में।

पेशी दिनांक- 6.3.25

आज दिनांक 09 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-सीनियर ग्रेड प्रथम जिला एवं सैशन न्यायाधीश शाहपुरा (जयपुर जिला) राज.

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

www.jda.urban.rajasthan.gov.in

क्रमांक-जविप्रा/उपा/जोन-5/2025/डी- दिनांक-

आम सूचना

उपायुक्त जोन-5, जविप्रा, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-7565 दिनांक-04.10.2025

जाहिर आम-सूचना

...श्रीमती नीता शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 06.04.2023 को श्री वेदप्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री राधेश्याम अग्रवाल को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक दशम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्री वेदप्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री राधेश्याम अग्रवाल द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 07 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे, अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री वेदप्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री राधेश्याम अग्रवाल का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबंधक, वृत्त तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी...
स्थान शाहपुरा जिला जयपुर
उगमसिंह विरुद्ध राजस्थान सरकार
वाद/प्रार्थना पत्र बाबत स्थाई सीमांकन (पत्थरगढी) अन्तर्गत भू-राजस्व अधिनियम

प्रार्थना-पत्र संख्या - 8सन् 2025

नाम 1. सायर सिंह पुत्र अभय सिंह जाति राजपूत
2. प्रकाश सिंह पुत्र श्री तोफ सिंह
3. ओम सिंह पुत्र सम्पत सिंह
4. गजराज सिंह पुत्र सम्पत सिंह
5. मूलसिंह पुत्र सुल्तान सिंह
6. किशोर सिंह पुत्र सुल्तान सिंह
7. सुरेन्द्र सिंह पुत्र तोफ सिंह
8. ओम सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह
9. रघुवीर सिंह पुत्र नरपत सिंह
10. प्रताप सिंह पुत्र जगमाल सिंह
11. बद्री सिंह पुत्र हनुमान सिंह
12. राजेन्द्र सिंह पुत्र सुमेर सिंह
13. शंकर लाल पुत्र नरसीराम यादव

पता समस्त निवासियान करीरी तहसील शाहपुरा जिला जयपुर राज.

उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 15 माह 10 सन् 2025 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 03 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा (जयपुर) राज.

नाम परिवर्तन

मैंने मेरा नाम ओम प्रकाश यादव से बदलकर ओम यादव रख लिया है। भविष्य में मुझे ओम यादव के नाम से जाना जाए। पता-सी-67 डी/3, अजमेर रोड, एन.एच.-8, हर्ष होटल के पास, हरमाडा, जयपुर।

मैं, 15430047-ए हवलदार शिंदे प्रल्हाद आनंद, निवासी एम.एच. जयपुर ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट जयपुर के समक्ष 26.08.2025 को दिए गए हलफनामें के माध्यम से अपनी माता का नाम सिंदुबाई से बदलकर सिंदुबाई आनंद शिंदे कर लिया है।

मैं, 15430047-ए हवलदार शिंदे प्रल्हाद आनंद, निवासी एम.एच. जयपुर ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट जयपुर के समक्ष 26.08.2025 को दिए गए हलफनामें के माध्यम से अपने पिताजी का नाम शिंदे आनंद से बदलकर आनंदा पांडुरंग शिंदे कर लिया है।

मैं, 15430047-ए हवलदार शिंदे प्रल्हाद आनंद, निवासी एम.एच. जयपुर ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट जयपुर के समक्ष 26.08.2025 को दिए गए हलफनामें के अनुसार अपना नाम सुवर्णा से बदलकर शिंदे सुवर्णा प्रल्हाद कर लिया है।

मैं, 15430047-ए हवलदार शिंदे प्रल्हाद आनंद, निवासी एम.एच. जयपुर ने अपने बच्चे का नाम आयुष से बदलकर शिंदे आयुष प्रल्हाद कर लिया है। कार्यपालक मजिस्ट्रेट जयपुर के समक्ष 26.08.2025 को दिए गए हलफनामें के अनुसार।

I have changed my name FAIZAN IFTIKAR SAYED TO SYED FAIZAN IFTIKHAR IFTIKHAR SYED IFTIKHAR ALI In Future Recognize Me By This Name Address- 31-A, Vivekanand marg, Behind Khetdi House Nahri Ka Naka, Jaipur-302016

I have changed my name from rakesh Meena to rakesh kumar meena r/o DB 123 Siddharth Nagar Jdpg collage malviya Nagar Jaipur.

I ic/ army no. 2696515Y Ex SEP umrao singh S/o chagan lal resident of village post Sirohi kala tehail dudu district jaipur that i want to change my dependent name from MAHENDER SINGH TO MAHENDAR SINGH vide affidvit dated 07.10.2025 before district notary Jaipur.

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

www.jda.urban.rajasthan.gov.in

क्रमांक-जविप्रा/उपा/जोन-12/2025/डी-5761 **आम सूचना** दिनांक-03.10.2025

आवेदक द्वारा नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल व.ग.	गृनिसस निजी खातेदारी जविप्रा का नाम	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	श्री योगेश कुमार प्रजापत पुत्र श्री जगदीश प्रसाद प्रजापत	श्री जगदीश प्रसाद प्रजापत पुत्र श्री मूलचंद प्रजापत	108	43.62 वर्गमीटर	जविप्रा	भांकरोटा बिन्दायका	नाम हस्तान्तरण	रजिस्टर्ड हक त्याग व सहमति के आधार पर

आवेदक द्वारा प्रस्तुत उपरोक्तानुसार दस्तावेजों के आधार पर किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में जोन 12 कार्यालय में दर्ज करवाये, अन्यथा नियमानुसार उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण जारी की कार्यवाही आवेदक के पक्ष में कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन 12, जविप्रा जयपुर

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

कार्यालय भू-सम्पति अधिकारी, जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान) फेक्स व फोन नं. 01425-254982

No. :- F.13/SKNAU/EO/TENDER/2025-26/1340 - 43 दिनांक :- 08/10/2025

निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के RARI, Durgapura and COA, Kumher में Repair/Renovation के कुल लागत 6.11 लाख के दो कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में द्वि लिफाफा पद्दति से मोहरबन्द अल्पकालीन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। बिड से सम्बधिंत विवरण वेब साईट http:/sppp.raj.nic.in तथा www.sknau.ac.in पर देखा जा सकता है। बिड़ की अन्तिम दिनांक 14.10.2025 समय अपराह्न 01.00 बजे तक है।

SPPP UBN: - SKN2526WSOB00252; SKN2526WSOB00253

राज.संवाद/सी/25/11776 भू-सम्पति अधिकारी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

जवाहर नगर शाखा, 1-क-7 जवाहर नगर, जयपुर, राजस्थान-302004 ई-मेल: jawjai@bankofbaroda.com

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]

कब्ज़ा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

अचल सम्पत्ति का वर्णन

...302012 पर स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 216.84 वर्ग गज है। सीमाएं- उत्तर: रोड 30 फीट, दक्षिण: प्लॉट संख्या 92, पूर्व: रोड 60 फीट, पश्चिम: प्लॉट संख्या 77

स्थान : जयपुर हस्ता.
दिनांक: 08.10.2025 प्राधिकृत अधिकारी

C.R.P.C. SEC.82 (I) के तहत भगोडा जाहेर करने हेतु नोटिस

राजकोट के सातवे अधिक जयूडिश्यल मैजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास A.S. KHANDEL साहब की अदालत में। फोजदारी मुकदमा नंबर १९४२७/२०२२

मुदत तारीख : २८/१०/२५

कमलेशभाइ मनसुखभाइ महेता (डाइरेक्टर) इनोवेटिव इन्जीनियरिंग प्रोडक्टस् प्राइवेट लिमिटेड, राजकोट (गुजरात) ----------- फरियादी।

: बनाम :

(१) श्रेयांस हेल्थ केर प्राइवेट लिमिटेड।
(२) डाइरेक्टर-प्रियंका आशिष जैन।
(३) डाइरेक्टर-आशिष जैन।

तीनो का रहेने का पता : निर्मलनगर, मानसरोवर रोड, २०० फीट रोड की बायी ओर, श्यामनगर पुलिस स्टेशन, जयपुर (राजस्थान) ---------- तहोमतदार।

इस केस के फरियादी कमलेशभाइ मनसुखभाइ महेता (डाइरेक्टर इनोवेटीव इन्जीनियरिंग प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड, राजकोट) गुजरात वाले ने इस केस के तहोमतदारो के खिलाफ ध नेगोशियेबल इन्स्टुमेन्ट की कलम १३८ के तहत राजकोट कोर्ट मे फरियाद दाखिल की है। इस केस मे उपर दिये गये लोगो के खिलाफ अदालतने गीरफतारी वोरंट इश्यू कीया गया है, पर ये लोग गीरफतारी वारंट बजने नहीं दे रहे है ओर भागते फिरते रहते है और अदालत मे हाजीर नहीं हो रहे हैं। इसी लिए इन लोगो के खिलाफ फरियादी की ओर से C.R.P.C. SEC.82 (I) के तहत इन लोगो को भगोडा जाहेर करने और इन लोगो की चल और अचल मिलकत कुर्क करने हेतु अरजी दी गइ है। जीसके तहत उपर नाम जद तीनो को राजकोट की अदालत में दिनांक २८/१०/२५ को सुबह १०-३० बजे खुद या वकील के साथ हाजिर रहेना होगा और अपने बचाव में गवाह ओर सबुतो को अदालत में पेश करना होगा। अगर आप लोग उपर दीये गइ तारीख को अदालत में हाजीर नहीं रहोगे तो आप तीनो लोगो के खिलाफ अदालत आगे की कार्यवाही करेंगी।

आज दिनांक ८-१०-२०२५ के रोज मेरी सही और सिक्का किया गया है।

मेरे हुकम से
SD
(S. N. Bhatt)
रजिस्ट्रार, चीफ जयूडिश्यल मैजिस्ट्रेट कोर्ट, राजकोट।
दिनांक : ८-१०-२०२५

चीफ जयूडिश्यल मैजिस्ट्रेट राजकोट. का सिक्का

तैयार करनार।
(N. A. Rathod)
आसिस्टन्ट

तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार

नागौर/जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की नागौर टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना पादूकलां जिला नागौर में तैनात सहायक पुलिस उप निरीक्षक सुखराम को तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी नागौर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि पुलिस थाना पादूकलां में दर्ज प्रकरण में मुलजिम को गिरफ्तार करने एवं परिवादी के विरुद्ध दर्ज प्रकरण में परिवादी को गिरफ्तार नहीं करने की एवज में पुलिस थाना पादूकलां का सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) सुखराम पचास हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है, जिस पर एसीबी की टीम ने रिश्वत मांग सत्यापन करवाया गया, जिसमें सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) सुखराम की ओर से पचास हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परिवादी के ज्यादा जोर देने पर रिश्वत राशि उसकी इच्छा अनुसार देना तय किया गया। इस पर एसीबी टीम नागौर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्पना सोलंकी के नेतृत्व में ट्रैप की कार्रवाई करते हुए सहायक पुलिस उप निरीक्षक सुखराम को तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर, करौली

क्रमांक-लेखा/निविदा/2025/1356 दिनांक-26.09.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 07/2025-26

राजस्व न्यायालयों में RRCMS प्रोजेक्ट लागू किये जाने हेतु जिला करौली के प्रत्येक राजस्व न्यायालय (जिला कलक्टर, अति. जिला कलक्टर, सहायक कलक्टर, उपखण्ड अधिकारी) हेतु हार्डवेयर क्रय करने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता/विनिर्मित/थोक वितरक/अधिकृत डीलर/विपनन एजेन्ट फर्मो से अनुमानित राशि 21.00 लाख रूपये की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि का विवरण राजस्थान लोक उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जाकर https://eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा अपलोड की जा सकती है।

UBN NO.- CKL2526GLOB00012

DIPR/C/14739/2025 अतिरिक्त जिला कलक्टर, कलेक्ट्रेट करौली

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/6534 दिनांक :- 03/10/2025

ई - बिड सूचना संख्या 38/2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, न्यास एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विद्युत कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner** पर देखा जा सकता है।

(UBN No. :- ITB2526WSOB00256)

राज.संवाद/सी/25/11774 अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत)

कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)

(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)

क्रमांक :- भण्डार/कृमला/2025/693 दिनांक :- 08/10/2025

खुली निविदा सूचना

इस महाविद्यालय में फार्म के लिए सहायक उपकरणों सहित मोटर पम्प सैट, बोरवेल खुदाई एवं भूमिगत सिंचाई प्रणाली कार्य हेतु दिनांक 15.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित एवं उसी दिन 1.00 बजे खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र एवं शर्तो की जानकारी प्रति निविदा इस महाविद्यालय से पांच सौ रु. जमा कराके प्राप्त की जा सकती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार की वेबसाइट पर देखा जा सकती हैं। इन निविदाओं का **UBN No. SKN2526WSOB00251** है।

राज.संवाद/सी/25/11777 अधिष्ठाता

Rajasthan State Forest Development Corporation Limited

(A Government of Rajasthan Undertaking) Badopal Road, GFC Colony, Suratgarh,
Phone No: 01509-223326 , Email-gmsuratgarh@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- एफ8(9)स्टोर/मप्र/राराववनिलि/2025-26/1133 दिनांक :- 06/10/2025

CORRIGENDUM-1

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय की ई–बोली आमन्त्रण सूचना 2/2025–26 क्रमांक 1102–1107 दिनांक 29.09.2025 को प्रकाशित की गयी थी जिसकी Percentage BOQ के Sl.No. 3.01 के कॉलम संख्या 02 में **''जलाऊ लकड़ी गीली''** के स्थान पर **''बिना छाल उतारकर''** पढ़ा जावे। शेष बोली की शर्ते एवं समय यथावत रहेंगे।

NIB No. FOR2526A1760
UBN No. FOR2526WLOB02321

महाप्रबंधक
राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
क्षेत्रीय कार्यालय, सूरतगढ़

राज.संवाद/सी/25/11781

कार्यालय नगर पालिका लोसल (सीकर)

क्रमांक : न. पा. लो./2025–26/2481 दिनांक :– 07.10.2025

ई–निविदा सूचना 04/2024–25

नगरपालिका मण्डल लोसल द्वारा वार्शिक कार्यो के अन्तर्गत कार्य करवाये जाने हेतु सक्षम पंजीकृत संवेदको से तकनीकी व वितीय (दो लिफाफा पद्वति) द्वारा निर्धारित प्रपत्र में ई–टेन्डरिंग के माध्यम से ऑन लाईन निविदायें दिनांक 10.10.2025 से 27.10.2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्ते http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.nic.in तथा पालिका कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखी जा सकती है। जिसके एन.आई.बी कोड़ – **DLB2526A6896** व यु.बी.एन. नम्बर निम्नानुसार है:–

UBN No. - DLB2526SLOB20899, DLB2526SLOB20900, DLB2526SLOB20901, DLB2526SLOB20902, DLB2526SLOB20904, DLB2526SLOB20908, DLB2526SLOB20905, DLB2526SLOB20911

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका लोसल

राज.संवाद/सी/25/11746

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/विकास/2025/6849 दिनांक :– 07.10.2025

निविदा सूचना – 2025

नगर परिशद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मस से निविदा दिनांक 17.10.2025 को 12.00 बजे तक विक्रय की जाकर 1.00 बजे तक प्राप्त कर तथा दिनांक 22.10.2025 को सायं 5.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेगी। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.sppp.raj.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक :– **DLB2526GLOB20860** कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिशद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद/सी/25/11788

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/168 - 170 Date :- 07/10/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 47/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 519.61 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	09.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 27.10.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	09.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 27.10.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	28.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट **urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in** व **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00293 To ITU2526WSOB00302

अधिशाषी अभियन्ता - द्वितीय
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/11771

कार्यालय नगर परिषद प्रतापगढ़, जिला–प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक :–न.प.प्र./स्टोर/2025/8577 दिनांक: 04.10.2025

ई टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या:– 20/2025–26

नगर परिषद द्वारा राजस्थान सरकार के एवं केन्द्रीय सरकार/ राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदको एवं अन्य समकक्ष इच्छुक संगठन जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं टू बिड प्रणाली अन्तर्गत आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण इंटरनेट साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदा में कुल कार्य	3
निविदा की कुल लागत	49.64 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की दिनांक	दिनांक 05.10.2025 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 15.10.2025 सांय 5.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की दिनांक	दि. 15.10.2025 प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट अथवा बैंकर चैक कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करवाने की दिनांक	दि. 16.10.2025 प्रातः 10:00 बजे से सायः 12.00 बजे तक
ऑनलाईन तकनिकी निविदा खोलने की दिनांक	दि. 17.10.2025 प्रातः 11.00 बजे
ऑनलाईन फाईनेशियल निविदा खोलने की दिनांक	दि. तकनिकी उपरान्त प्रातः 11.00 बजे

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://sppp.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

ईच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

UBN NO. DLB2526WSOB20856, 20862, 20868

राज.संवाद/सी/25/11799 समापति नगर परिषद् प्रतापगढ़ (राज.) आयुक्त नगर परिषद् प्रतापगढ़ (राज.)

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड | अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड | जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभारित शक्ति सुर्वधो:

CIN No: U40109RJ2000SGC016486 | CIN No: U40109RJ2000SGC016482 | CIN No: U40109RJ2000SGC016483

वर्ष 2025–26 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु:–

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लिए अपने आदेश दिनांक 03.10.2025 के द्वारा वर्ष 2025–26 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश जारी कर दिया है। नया आदेश, दिनांक 01.10.2025 से प्रभावी होगा। विस्तृत वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश निगमों की वेबसाईट https://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/avvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं माननीय आरईआरसी की वेबसाईट https://rerc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु निम्न प्रकार है:–

- माननीय आरईआरसी का उद्देश्य एक लागत–प्रतिबिंबित टैरिफ स्थापित करना है जो बिजली वितरण कि लागत को सटीक रूप से दर्शाता हो और एक निष्पक्ष एवं समतापूर्ण मूल्य निर्धारण संरचना सुनिश्चित करे। टैरिफ संरचना उपभोक्ताओं और डिस्कॉम दोनों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित और न्यायोचित होनी चाहिए। माननीय आरईआरसी ने ईवी और ट्रैक्शन टैरिफ श्रेणी को छोड़कर अन्य श्रेणियों के लिए ऊर्जा शुल्क एवं स्थाई शुल्क में संशोधन को मंजूदी दी है।
- सभी श्रेणियों के ऊर्जा शुल्क कम कर दिए गए हैं। 150 यूनिट तक मासिक खपत वाले सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं के लिए भी स्थाई शुल्क कम कर दिए हैं।
- कृषि मीटर वाले उपभोक्ताओं का राहत और सहायता प्रदान करने के लिए कृषि श्रेणी के लिए टैरिफ दरों को कम कर दिया गया है।
- विद्युत (उपभोक्ताओं के अधिकार) संशोधन नियम, 2023 के प्रावधानों के मद्देनजर, माननीय आरईआरसी ने कृषि उपभोक्ताओं को छोड़कर, 10 किलोवाट (10 KW) से अधिक कनेक्टेड लोड वाले सभी उपभोक्ताओं पर टीओडी (TOD) टैरिफ को मंजूरी दी है।
- एमआईपी और एलआईपी श्रेणी के लिए ऊर्जा शुल्क में उल्लेखनीय कमी की गई है। इसे ध्यान में रखते हुए नए एचटी उदयोग के लिए मौजूदा छूट और वृद्धिशील उपभोग छूट में भी संशोधन किया गया है।
- ग्रीन पावर टैरिफ को 0.21 रूपये/किलोवाट घंटा (Rs.0.21/kWh) से घटाकर 0.05 रूपये/किलोवाट घंटा (Rs.0.05/kWh) कर दिया गया है, जो कि वर्तमान टैरिफ आदेश के अनुसार संबंधित श्रेणी के सामान्य टैरिफ के अतिरिक्त है। यह शुल्क डिस्कॉम से ग्रीन पावर विकल्प चुनने वाले उपभोक्ताओं पर लगाया जाएगा।
- वित वर्ष 2025–26 के इस टैरिफ ऑर्डर में व्हीलिंग शुल्क और क्रॉस–सब्सिडी शुल्क कम कर दिए गए है।
- वित्त वर्ष 2025–26 के लिए एचटी सीपीपी (Co-Located) उपभोक्ताओं पर समानांतर संचालन शुल्क (POC) स्वीकृत किया गया है।
- टैरिफ विनियम, 2025 के विनियम 91 के प्रावधानों के मद्देजर, आयोग ने विनियामक अधिभार लगाने को मंजूरी दे दी है। और किसी भी टैरिफ आघात से बचने के लिए इसे एफपीपीएएस, जो आरईआरसी टैरिफ विनियम 2025 के विनियम 87 के अनुसार लगाया जाता है, के साथ जोड़ दिया गया है। जो कि 100 यूनिट तक मासिक खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 0.70 रूपये/यूनिट और अन्य सभी उपभोक्ताओं के लिए 1.00 रूपये/यूनिट है।

वर्ष 2025–26 के लिये अनुमोदित टैरिफ

घरेलू श्रेणी (एल.टी–1 एवं एच.टी–1)

घरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – विशिष्टियाँ	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – विशिष्टियाँ	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघु घरेलू *			बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघु घरेलू *		
प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह

* नोट : बीपीएल और आस्था कार्ड धारक की घरेलू टैरिफ एकल उपभोक्ता पर ही लागू होगी और यह किसी संस्था पर लागू नहीं होगी। यदि बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघु घरेलू उपभोक्ता किसी बिलिंग चक्र में 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर उपभोग करते है तो उपभोक्ता पर घरेलू श्रेणी एलटी–1 के अन्तर्गत अतिरिक्त यूनिटों के उपभोग पर सम्बन्धित स्लेब लागू होगी।

सामान्य घरेलू–1

घरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – सामान्य घरेलू–1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – सामान्य घरेलू–1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	250 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू–2

घरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – सामान्य घरेलू–2 (300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – सामान्य घरेलू–2 (300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू–3

घरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – सामान्य घरेलू–3 (500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – सामान्य घरेलू–3 (500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	400 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	500 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	
(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट				

सामान्य घरेलू–4

घरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – सामान्य घरेलू–4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – सामान्य घरेलू–4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	450 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	800 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	
(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट				
(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.95 रू प्रति यूनिट		(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.50 रू प्रति यूनिट	

घरेलू श्रेणी (एच.टी–1)

घरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – एच.टी घरेलू (एच.टी–1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – एच.टी घरेलू (एच.टी–1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	7.15 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 275 रू प्रति के.वी.ए.	50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	6.50 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 300 रू प्रति के.वी.ए.

अघरेलू श्रेणी (एल.टी–2 एवं एच.टी.–2)
अघरेलू 5 किलोवाट तक स्वीकृत सम्बंद्व भार
(अघरेलू टाईप–1)

अघरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	330 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	350 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह

(अघरेलू टाईप–2)

अघरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 100 यूनिट से ऊपर 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 100 यूनिट से ऊपर 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	330 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	350 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	

(अघरेलू टाईप–3)

अघरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 200 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–3)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 200 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–3)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	420 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	450 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट				

(अघरेलू टाईप–4)

अघरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप–4)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप–4)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	500 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	700 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट				
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रति यूनिट				

अघरेलू – 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार,

अघरेलू श्रेणी: मौजूदा टैरिफ – अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार(एल.टी–2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी: अनुमोदित टैरिफ – अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार(एल.टी–2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह	100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 160 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट				
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 165 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 300 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत सम्बंद्ध भार18.65 किलोवाट से अधिक है तो)	500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.50 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 200 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 320 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत सम्बंद्ध भार 18.65 किलोवाट से अधिक है तो)

अघरेलू 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग

एच.टी - अघरेलू (एच.टी -2): मौजूदा टैरिफ	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	एच.टी - अघरेलू (एच.टी -2): अनुमोदित टैरिफ	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग			50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग		
सम्पूर्ण यूनिट	8.85 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	सम्पूर्ण यूनिट	8.50 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 320 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

पी.एस.एल श्रेणी (एल टी–3)

विशिष्टियाँ: पी.एस.एल (मौजूदा टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ: पी.एस.एल (अनुमोदित टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
1 लाख से कम जनसंख्या	7.55 रू प्रति यूनिट	130 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 1300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)	1 लाख से कम जनसंख्या	7.00 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह
1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	8.10 रू प्रति यूनिट	160 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 3120 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)	1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	7.50 रू प्रति यूनिट	200 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह

कृषि मीटर्ड श्रेणी (मीटर्ड और फ्लेट रेट) (एल टी–4)

विशिष्टियाँ (मौजूदा टैरिफ) – कृषि सप्लाई	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित टैरिफ) – कृषि सप्लाई	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी–4)			मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी–4)		
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	5.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	5.25 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.10 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी–4)			फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी–4)		
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

लघु औघोगिक श्रेणी (एल टी–5)

विशिष्टियाँ (मौजूदा टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
लघु औघोगिक सेवा (एल.टी.–5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)			लघु औघोगिक सेवा (एल.टी.–5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)		
500 यूनिट तक उपभोग	6 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 90 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट तक उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 90 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.45 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 120 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

मध्यम औघोगिक श्रेणी (एल टी–6 और एच टी–3)

विशिष्टियाँ (मौजूदा टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मध्यम औघोगिक सेवा (एल.टी–6)	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 130 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 255 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औघोगिक सेवा (एल.टी–6)	6.50 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 275 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मध्यम औघोगिक सेवा (एच.टी–3)	7.00 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 255 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औघोगिक सेवा (एच.टी–3)	6.50रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 275 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

मिक्स लोड श्रेणी बल्क सप्लाई (एल टी–7 और एच टी–4)

विशिष्टियाँ (मौजूदा टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मिक्स लोड सेवा (एल.टी–7)	8.05 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 115 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 240 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एल.टी–7)	7.50 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मिक्स लोड सेवा (एच.टी–4)	8.05 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 240 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एच.टी–4)	7.50 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

वृहद औघोगिक श्रेणी (एच टी–5)

विशिष्टियाँ (मौजूदा टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार (कुल उपभोग पर)	स्थाई प्रभार	विशिष्टियाँ (अनुमोदित टैरिफ)	ऊर्जा प्रभार (कुल उपभोग पर)	स्थाई प्रभार
(A) स्वीकृत संबद्व भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के.वी.ए. से ऊपर	7.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	(A) स्वीकृत संबद्व भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के.वी.ए. से ऊपर	6.50 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 380 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
(B) ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है	6.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह			

वृहद् औद्योगिक श्रेणी के लिये वोल्टेज वार अनुमोदित टैरिफ*

मौजूदा टैरिफ – वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
स्वीकृत सम्बद्व भार 150 एचपी से ऊपर या 125 कवीए से अधिक अनुबंधित / अधिकतम मांग वाले उपभोक्ताओं के लिए वोल्टेज वार *			स्वीकृत सम्बद्व भार 150 एचपी से ऊपर या 125 कवीए से अधिक अनुबंधित / अधिकतम मांग वाले उपभोक्ताओं के लिए वोल्टेज वार *		
11 केवी	7.300 रू प्रति यूनिट	बिलिंग मांग का 300 रू. प्रति केवीए प्रति माह	11 केवी	6.50 रू प्रति यूनिट*	बिलिंग मांग का 380 रू. प्रति केवीए प्रति माह
33 केवी	7.081 रू प्रति यूनिट				
132 केवी	7.008 रू प्रति यूनिट				
220 केवी	6.935 रू प्रति यूनिट				
ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है, के लिए वोल्टेज वार *					
11 केवी	6.300 रू प्रति यूनिट	बिलिंग मांग का 300 रू. प्रति केवीए प्रति माह			
33 केवी	6.111 रू प्रति यूनिट				
132 केवी	6.048 रू प्रति यूनिट				
220 केवी	5.985 रू प्रति यूनिट				

* वृहद औघोगिक श्रेणी के लिये कोई अन्य वॉल्टेज छूट प्रयोज्य नहीं होगी।
• अनुमोदित टैरिफ पर वोल्टेज छूट वित्त वर्ष 2025–26 के लिए टैरिफ आदेश दिनांक 3.10.2025 में दिए गए विवरण के अनुसार लागू होगी।

वॉल्टेज छूटः– 11 केवी पर आपूर्ति के लिए अनुबंधित मांग–आधारित टैरिफ लागू है। यदि बड़े औद्योगिक श्रेणी सहित कोई भी उपभोक्ता नीचे उल्लेखित वोल्टेज पर आपूर्ति लेता है या देता है, तो उसे मासिक ऊर्जा शुल्क पर निम्नलिखित छूट दी जाएगी।

वोल्टेज स्तर	वॉल्टेज छूट
33 केवी	3%
132 केवी	4%
220 केवी	5%

न्यूनतम ऊर्जा प्रभार

विशिष्टियाँ – वोल्टेज स्तर	मौजूदा टैरिफ – ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियाँ – वोल्टेज स्तर	अनुमोदित टैरिफ – ऊर्जा प्रभार
11 केवी	6.00 रू प्रति यूनिट	11 केवी	6.00रू प्रति यूनिट
33 केवी	5.82रू प्रति यूनिट	33 केवी	
132 केवी	5.76रू प्रति यूनिट	132 केवी	
220 केवी	5.70रू प्रति यूनिट	220 केवी	

विद्युत चलित वाहनों हेतु चार्जिंग स्टेशन (एल टी –8 और एच टी –6)

मौजूदा टैरिफ – श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एल टी –8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 45 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एल टी –8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 45 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एच टी –6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह	सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एच टी –6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह

ट्रैक्शन लोड (एच टी–7)

मौजूदा टैरिफ – श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
ट्रैक्शन लोड (एच टी–7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	बिलिंग मांग का 150 रू. प्रति केवीए प्रति माह	ट्रैक्शन लोड (एच टी–7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	बिलिंग मांग का 150 रू. प्रति केवीए प्रति माह

टाइम ऑफ डे (TOD) छूट और अधिभार (कृषि उपभोक्ताओं को छोड़कर 10 किलोवाट से अधिक लोड वाले सभी उपभोक्ताओं पर लागू)

स्लॉट्स	6:00 AM से 8:00 AM (2 घंटे) ऊर्जा शुल्क पर अधिभार	12:00 PM से 4:00 PM (4 घंटे) ऊर्जा शुल्क पर छूट	6:00 PM से 10:00 PM (4 घंटे) ऊर्जा शुल्क पर अधिभार
टाइम ऑफ डे (TOD)	5%	10%	10%

अन्य टैरिफः

(अ) व्हीलिंग शुल्क

वोल्टेज स्तर	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित टैरिफ(रू./यूनिट)
132 केवी और उससे ऊपर	0.01	0.01
33 केवी	0.13	0.12
11 केवी	0.74	0.62

(ब) क्रॉस सब्सिडी प्रभार

ओपन एक्सेस उपभोक्ता श्रेणी	वोल्टेज	मौजूदा टैरिफ (रू./यूनिट)	अनुमोदित क्रॉस सब्सिडी प्रभार (रू./यूनिट)
अघरेलू	11 केवी.	1.59	1.58
	33 केवी.	1.59	1.58
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.59	1.58
मिक्स लोड/बल्क सप्लाई	11 केवी.	1.59	1.58
	33 केवी.	1.59	1.58
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.59	1.58
वृहद् उद्योग	11 केवी.	1.59	1.58
	33 केवी.	1.59	1.58
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.59	1.58

(स) अतिरिक्त सरचार्ज

अतिरिक्त सरचार्ज	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित (रू./यूनिट)
	0.53	0.72

(द) हरित टैरिफ

हरित टैरिफ (Green Tariff)	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट) सामान्य टैरिफ से अधिक	अनुमोदित (रू./यूनिट) सामान्य टैरिफ से अधिक
	0.21	0.05

किसी ने मुझसे नहीं कहा कि टीम में तुम्हारे लिए कोई जगह नहीं है। सच्चाई ये है कि संन्यास का फैसला करने से पहले दो-तीन लोगों ने मुझे ऐसा करने से इनकार कर दिया था लेकिन मैंने अपना फैसला लिया। असल में वे चाहते थे कि मैं और खेलूं। - आर. अश्विन

पूर्व भारतीय गेंदबाज, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ क्रिस्टियानो रोनाल्डो

दुनिया के बेहतरीन फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इतिहास रच दिया है। वह दुनिया के ऐसे पहले फुटबॉलर बन गए हैं। जिन्होंने अरबपतियों की लिस्ट में जगह बनाई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक उनकी मौजूदा संपत्ति 1.4 अरब डॉलर है। भारतीय रुपये में देखें तो ये धनराशि करीब 12,352 करोड़ रुपये के आस पास आती है। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने 2002 से 2023 के बीच 550 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा की कमाई की थी। ये धनराशि उन्हें मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड और जुवेंटस जैसे बड़े यूरोपीय क्लबों के साथ खेलने और निवेश एंड एंडोर्समेंट से हासिल हुई थी।

क्या आप जानते हैं ?... वेस्टइंडीज़ दो बार लगातार (1975 और 1979) विश्व कप जीतने वाली पहली टीम थीं और वह लगातार तीन विश्व कप फाइनल (1975, 1979 और 1983) में खेली।

मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफियां जीतना चाहता हूं : शुभमन गिल

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि वह भारत के लिए तीनों प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफियां जीतना चाहते हैं। गिल ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पूर्वसंध्या पर गुरूवार को आज यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''लगातार तीनों प्रारुपों में खेलने से तो शारीरिक थकान तो एक बात है, लेकिन कई बार जब आप लगातार खेलते हो तो मानसिक थकान हो जाती है। मैं जब खेलता हूं तो स्वयं से मेरी कुछ अपेक्षाएं होती हैं और मेरा कुछ लक्ष्य होता है।

यह एक बहुत बड़ी चुनौती है जो कि मुझे पूरा करना होता है। मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना चाहता हूं और सफल होना चाहता हूं। मैं आईसीसी ट्रॉफीज जीतना चाहता हूं। और अगर मुझे ऐसा करना है तो यह एक चुनौती है, जिसे मुझे पूरा करना है।'' टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में इंग्लैंड में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल ने अब अंतरराष्ट्रीय टी-20 में ना सिर्फ वापसी की, बल्कि उन्हें उपकप्तानी भी मिली। इसके बाद वह घरेलू जमीन पर अपनी कप्तानी में पहला टेस्ट मैच जीत रहे थे तभी उन्हें एकदिवसीय टीम का भी कप्तान बना दिया गया।भारतीय टीम प्रबंधन अब भविष्य की ओर देख रहा है अब रोहित शर्मा टीम में बस एक खिलाड़ी के रूप में रह जाएंगे।

अगले साल भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप के अलावा, वर्तमान में चल रहा 2027 का विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र और 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाला एकदिवसीय विश्व कप शामिल है। उन्होंने कहा, ''बेशक यह घोषणा अहमदाबाद टेस्ट के दौरान (के बाद) हुई, लेकिन मुझे एकदिवसीय कप्तानी मिलने के बारे में टेस्ट मैच से थोड़ा पहले ही पता चल गया था। यह एक बड़ी जिम्मेदारी और सम्मान है। मैं वनडे में भी अपने देश का कप्तानी करने के लिए उत्साहित हूं। पिछले कुछ महीने मेरे लिए बहुत बेहतरीन रहे हैं और मैं आगे की ओर देख रहा हूं। मैं वर्तमान में रहना चाहता हूं और ज्यादा पीछे नहीं देखना चाहता। मैं बस भविष्य की ओर देख रहा हूं और आने वाले महीनों में जो भी मैच आए, उन्हें जीतना चाहता हूं।'' गिल ने इस बात से इनकार कर दिया कि रोहित और विराट उनके 2027 की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट अभी भी खेल रहे हैं। गिल ने तो यह भी कहा कि वह रोहित की कप्तानी से बहुत कुछ अपनी कप्तानी में उतार भी रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''रोहित और कोहली के पास जिस तरह का अनुभव है, जिस तरह से उन्होंने भारत को मैच जिताए हैं, ऐसे बहुत ही कम खिलाड़ी होंगे। उनकी क्षमता, कौशल और अनुभव के खिलाड़ी दुनिया में भी बहुत कम है। ये सब देखते हुए हम निश्चित रूप से उनकी ओर देख रहे हैं। इसके अलावा रोहित (शर्मा) भाई जिस तरह से शांत रहते हैं और जिस तरह से वह खिलाड़ियों के साथ संबंध बनाते हैं, वह सब उनसे सीखने लायक है।''

भारतीय टीम का कैलेंडर आने वाले समय में बहुत व्यस्त है। टेस्ट सीरीज समाप्त होने के तुरंत बाद भारतीय टीम दिल्ली से ही पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) के लिए रवाना हो जाएगी, जहां उन्हें तीन एकदिवसीय और पांच अंतरराष्ट्रीय टी20 खेलने है। इसके बाद भारतीय टीम को तुरंत ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है। गिल की तीनों प्रारूपों में भूमिका का मतलब है कि उन्हें अब लगातार क्रिकेट खेलना है।

भारत की संभावित एकादशः- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा और मो. सिराज।

वेस्टइंडीज की संभावित एकादशः- रोस्टन चेज (कप्तान), तेजनारायण चंद्रपॉल, जॉन कैंपबेल, एलिक अथानाज, ब्रैंडन किंग, शाई होप (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, जोमेल वारिकन, खारी पियरे, जोहान लेने और जेडेन सील्स।

38 वर्षों से दिल्ली में अपराजित है भारत

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारतीय टीम पिछले 38 वर्षों से दिल्ली में अपराजित है जहां उसका वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से शुरू होगा। भारत ने दिल्ली में आखिरी बार 1987 में वेस्टइंडीज के खिलाफ (5 विकेट से) टेस्ट गंवाया था। तब से, उन्होंने इस मैदान पर 11 टेस्ट जीते हैं और दो ड्रॉ रहे हैं।

विमेंस वर्ल्डकप : दक्षिण अफ्रीका की भारत पर लगातार तीसरी जीत

काम न आई ऋचा घोष की पारी

विशाखापटट्नम, 9 अक्टूबर। भारतीय टीम को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 में पहली हार झेलनी पड़ी है। उसे साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट से हराया। गुरुवार को विशाखापट्टनम में साउथ अफ्रीका ने 252 रन का टारगेट 48.5 ओवर में 7 विकेट खोकर चेज कर लिया। नदिन डी क्लर्क 84 रन बनाकर नाबाद लौटीं। उन्होंने क्लो ट्रायोन के साथ 60 बॉल पर 69 रन की साझेदारी की।

साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम 49.5 ओवर में 251 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। एक समय भारत के 6 विकेट 102 रन पर गिर गए थे। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 77 गेंदों पर 94 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला। ऋचा जब बल्लेबाजी करने उतरीं तब भारत अपने छह विकेट 102 रन पर गंवाकर संघर्ष कर रहा था। लेकिन ऋचा ने 77 गेंदों की अपनी पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाकर भारत को लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचा दिया। ऋचा ने अमनजोत कौर के साथ सातवें विकेट के लिए 51 रन और स्नेह राणा के साथ आठवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े।

अमनजोत ने 13 और स्नेह राणा ने 24 गेंदों में छह चौकों की मदद से 33 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत के स्कोर में 24 वाइड सहित 25 अतिरिक्त रनों का भी अहम योगदान रहा। एक समय लग रहा था कि भारत 200 के आसपास भी नहीं पहुंच पाएगा क्योंकि ट्राइऑन और म्लाबा के दोहरे झटकों की बदौलत भारत 102 के स्कोर पर अपने छह विकेट गंवा चुका था। लेकिन यहां से ऋचा घोष और अमनजोत ने भारत की पारी को संभाला और फिर स्नेह राणा और घोष के बीच 88 रनों की साझेदारी हुई। घोष ने 94 रनों की यादगार पारी खेली जो आने वाले लंबे समय तक याद रखी जाएगी।

अंडर-16 ट्रॉफी : जयपुर 8 विकेट से जीती

जयपुर, 9 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी आगामी राष्ट्रिय अंदर 16 ट्रॉफी के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी के आज जयपुर में खेले गए मैचों का परिणाम :- सवाई माधोपुर - श्रीगंगानगर मैच श्रीगंगानगर 7 विकेट से जीती, झुंझनू - हनुमागढ़ मैच - मैदान गीला होने कारण स्थगित, भरतपुर - झालावाड़- भरतपुर 153 रन से जीती, बांसवाड़ा - बाड़मेर- बाड़मेर 7 विकेट से जीती, सीकर - प्रतापगढ़ -सीकर 349 रन से जीती, करौली - जयपुर जयपुर 8 विकेट से जीती, जैसलमेर - दौसा जैसलमेर 153 रन से जीती, पाली - नागौर- पाली 13 रन से जीती, डूंगरपुर - बारां- डूंगरपुर 114 रन से जीती, उदयपुर - अलवर - उदयपुर 40 रन से जीती, बीकानेर - चित्तोड़ - बीकानेर 152 रन से जीती, अजमेर - जोधपुर - अजमेर 81 रन से जीती, भीलवाड़ा - धौलपुर - भीलवाड़ा 41 रन से जीती, सिरोही - बूंदी - सिरोही 88 रन से जीती, चूरू - कोटा - चूरू 60 रन से जीती, जालोर - राजसमंद - राजसमंद 6 विकेट से जीती।

ब्लैक डायमंड व गुलमोहर क्लब जीती

जयपुर, 9 अक्टूबर। नरेन्दर मेमोरियल फाउन्डेशन के तत्वावधान में एस.एम.एस. स्टेडियम के एस्ट्रोटर्क पर खेली जा रहीं गुर इकबाल सिंह, भुल्लर स्मृति सिक्स-- ए- साइड पुरुष हाकी प्रतियोगिता'' एवं '' नरेन्दर कौर भुल्लर स्मृति

सिक्स-ए-साइड महिला हॉकी प्रतियोगिता में आज तीन मैच खेले गये। पुरुष वर्ग में आज का पहला चुकाबला भगतसिंह क्लब एवं राजपुताना क्लन के मध्य खेला गया, जो बेहद रोचक रहा तथा 3-3 गोल से बराबरी पर छुटा। मध्यांतर तक भगतसिंह क्लब 2-0 से आगे थी तथा उत्तरार्द्ध में भी तीसरा गोल भगतसिंह क्लब ने कर 3-0 स्कोर कर दिया। किन्तु रजपुताना क्लब ने पलटवार करते हुये तीन गोल कर स्कोर कर 3-3 से बराबर कर लिया। भगतसिंह क्लब के लिये लकी, देवासुरावत एवं रुद्रप्रताप ने गोल किये, जबकि राजपुताना के लिये रजत और बबलू ने एक गोल किया। पुरुष वर्ग का आज का दूसरा मुकाबला ''ब्लैक डायमंड व वारियर्स क्लन'' के मध्य खेला गया। जिसमें ''ब्लैक डायमंड 4-0 से विजेता रही। विजेता टीम ब्लैक डायमंड के लिये रविन्द्र ने 2 गोल जबकि प्रक्षण और सनप्रीत ने एक-एक गोल किये। महिला वर्ग की प्रतियोगिता में ''गुलमोहर क्लब'' ने ''सनसिटी क्लन'' को 2-1 से पराजित किया। गुलमोहर के लिये दोनों गोल रिया ने किये जबकि पराजित टीम के लिये एकमात्र गोल पूनम कंवर ने किया। आज की विशिष्ट अतिथि पूर्व राष्ट्रीय हॉकी महिला खिलाड़ियों यथा प्रीति सप्रे, मोना कालिया और भारती चौहान थी, जिन्होंने उपरोक्त मुकाबलों में क्रमशः खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें प्रोत्साहित किया।

खेलो क्रिएटर्स लीग की धमाकेदार शुरुआत : सितारों, संगीत और खेल के रंग में रंगा जयपुर

जयपुर, 9 अक्टूबर। जयपुर में खेलो क्रिएटर्स लीग (केसीएल) एक ऐसी लीग का आज आगाज़ हुआ जिसमें कंटेंट क्रिएटर्स सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, बल्कि मैदान में अपनी टीम को रिप्रेजेंट कर रहे है। डिजिटल दुनिया के स्टार क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स मैदान पर नज़र आये, तो माहौल तालियों और जोश से गूंज उठा। यह लीग 9 से 11 अक्टूबर तक जयपुर के सीतापुरा स्थित ज़ी स्टूडियोज़ में खेली जा रही है। इस अनोखी पहल का मकसद है - डिजिटल दुनिया की रचनात्मकता को खेल की ऊर्जा से जोड़ना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रिंसिपल सेक्रेटरी, यूथ अफेयर्स और स्पोर्ट्स डेवलपमेंट, नीरज के. पवन ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने कहा, यह शानदार पहल है, जो दिखाती है कि आज के डिजिटल क्रिएटर्स कितने ऊर्जावान और बहुमुखी हैं। यह सिर्फ खेल नहीं, एक नई सोच है। उद्घाटन समारोह किसी फिल्मी सीन से कम नहीं था। लाल परी फेम सिंगर सिमर कौर ने जब मंच संभाला, तो हर कोई झूम उठा। उनका लाइव कॉन्सर्ट पूरे माहौल में जोश और मस्ती भर गया, जिसने लीग की शुरुआत को और भी धमाकेदार बना दिया।

स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह पर अंडरवर्ल्ड की बुरी नजर

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। मध्यक्रम के बल्लेबाज और एक बेहतरीन आउटफील्डर, रिंकू सिंह ने उस समय सभी को चौंका दिया जब उन्होंने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स को पांच गेंदों में 28 रनों की जरूरत के समय यश दयाल की गेंद पर लगातार पांच छक्के लगाए। तब से वह काफी ज्यादा मशहूर हो गये। इस बार मामला रिंकू सिंह की बल्लेबाजी का नहीं बल्कि कुछ और है। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड गैंग डी-कंपनी से 5 करोड़ की फिरौती की धमकी मिली है। यह चिंताजनक घटना भारत में हाई-प्रोफाइल सार्वजनिक हस्तियों के सामने बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों को उजागर करती है।

रिंकू सिंह को कथित तौर पर अंडरवर्ल्ड से धमकी मिली

मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक, जांच में पता चला कि कुख्यात दाऊद इब्राहिम गिरोह, जिसे डी-कंपनी के नाम से जाना जाता है, ने फरवरी और अप्रैल 2025 के बीच रिंकू सिंह की प्रचार टीम को तीन फिरौती की मांगें भेजीं, जिसमें 5 करोड़ की मांग की गई। पुलिस ने मामले से जुड़े दो संदिग्धों मोहम्मद दिलशाद और मोहम्मद नवीद को गिरफ्तार किया है, जिन्हें वेस्ट इंडीज में पकड़ा गया था और 1 अगस्त को भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया था।

स्मृति मंधाना एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बनी

विशाखापटट्नम, 9 अक्टूबर। भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप मुकाबले के दौरान एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। दरअसल, मंधाना एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की पूर्व क्रिकेटर बेलिंडा क्लार्क का 28 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। गुरुवार को अफ्रीका के खिलाफ मंधाना का बल्ला नहीं चला। वह 32 गेंद में 23 रन ही बना पाई। स्मृति मंधाना अफ्रीका के खिलाफ अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदल नहीं सकी। उन्होंने 32 गेंद में एक चौके और इतने ही छक्के की मदद से 23 रन बनाए।

एमसीए चुनाव 12 नवंबर को

मुंबई, 9 अक्टूबर। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने घोषणा की है कि पदाधिकारियों, शीर्ष परिषद के सदस्यों और टी20 मुंबई लीग गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के चुनाव 12 नवंबर को होंगे। शीर्ष परिषद ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त जेएस सहारिया को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है।

नये एचटी-उद्योग छूट और वृद्धीशील उपभोग छूट

नये उद्योग छूट	मौजूदा (रु./यूनिट)	प्रस्तावित (रु./यूनिट)
एमआईपी एचटी	0.55 (रू./यूनिट)	0.20 (रू./यूनिट)
वृहद	0.85 (रू./यूनिट)	0.30 (रू./यूनिट)

वृद्धीशील उपभोग छूट	मौजूदा (रु./यूनिट)	प्रस्तावित (रु./यूनिट)
एमआईपी एचटी	0.55 (रू./यूनिट)	0.20 (रू./यूनिट)
वृहद	0.85 (रू./यूनिट)	0.30 (रू./यूनिट)

एचटी सीपीपी (Co-Located) उपभोक्ताओं पर लगाए जाने वाले पीओसी शुल्क निम्नानुसार हैं:-

सीपीपी प्रकार	पीओसी शुल्क (रू./केवीए/माह)
परम्परागत सीपीपी	रु. 27.237/केवीए/माह सीपीपी की स्थापित क्षमता का
अक्षय ऊर्जा सीपीपी	रु. 11.90/केवीए/माह सीपीपी की स्थापित क्षमता का
हाइब्रिड सयंत्र	उपर्युक्त दोनों परम्परागत और अक्षय ऊर्जा के अनुपात में

1. नेट मीटरिंग और ग्रॉस मीटरिंग के अंतर्गत रूफटॉप सौर संयंत्रों को समानांतर संचालन शुल्क (पीओसी) से बाहर रखा जाएगा।
2. समानांतर संचालन शुल्क केवल ऑन-साइट/**co-located** लोड द्वारा खपत की गई बिजली तक ही सीमित होगा, ऑफसाइट सीपीपी पर नहीं और यह जनरेटर की शुद्ध क्षमता (**total capacity- open access capacity**) पर लागू होगा।
3. **Co-located** संयंत्रों पर, चाहे उनकी कैप्टिव स्थिति कुछ भी हो, पीओसी शुल्क **Co-located** भार के लिए उपयोग की गई क्षमता तक लागू होंगे। डिस्कॉम द्वारा सीपीपी के साथ किए गए विद्युत क्रय समझौतों (पीपीए) पर कोई पीओसी शुल्क लागू नहीं होगा।

विनियामक अधिभार, ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) सहित निम्नानुसार अनुमोदित किया गया है।

विवरण	(रू./यूनिट)
100 यूनिट/माह तक खपत वाले घरेलू उपभोक्ता	0.70
बचे हुए घरेलू और अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं पे लागू होगा।	1.00

- उपरोक्त नियामक अधिभार मय ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) आरईआरसी टैरिफ विनियम 2025 के विनियम 87 के अनुसार लगाया जाएगा।
- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में डिस्कॉम द्वारा change in law के कारण उत्पन्न अतिरिक्त लागत की वसूली के लिए आयोग द्वारा दिनांक 01.09.2022 के अपने आदेश के माध्यम से अनुमत 0.07 रुपये/यूनिट के विशेष एफएसए पर अलग से लिया जाएगा।

नोट :- वर्तमान में वह सभी प्रावधान जो कि इस आदेश में संशोधित नही किये गये है, लागू रहेंगे।

अधीक्षण अभियंता (रेगूलेशन)
जयपुर/अजमेर/जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

जेपीआर 3065(2025)
राज.संवाद/सी/25/11809

पद्मनाभ सिंह और लियोरेंट चमके

जयपुर, 9 अक्टूबर। रामबाग पोलो ग्राउंड पर जयपुर पोलो ओर ट्रोजंस पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर पोलो टीम ने ट्रोजंस पोलो टीम को 4 के मुकाबले 10 गोलों से हराया। ट्रोजंस पोलो टीम की ओर से हुर्र अली ने 2 गोल ओर कुलदीप सिंह ने 2 गोल किये। जयपुर पोलो टीम की ओर सेवंदित गोलछा ने 3, लांस वाटसन ने 2 गोल, महाराज पद्मनाभ सिंहने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 5 गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। रामबाग पोलो ग्राउंड पर दूसरा मैच डायनामिक्स अचीवर्सओर सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम के बीच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने डायनामिक अचीवर्स को 6 के मुकाबले 8 गोल से हराया। सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से ध्रुवपाल गोदारा ने 3 गोल ओरलियोरेट ने अपनी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल किये। डायनामिक अचीवर्स की ओर से डेनियल ओटमेडी ने 3 गोल किए जबकि शमशीर अली ने अपनी टीम के लिए 3 गोल किए।

Government of India
Ministry of Environment, Forest and Climate Change
Regional Office, Gandhinagar, 3rd Block, 5th Floor, F2, Sector-10a, Karmyogi Bhawan, Gandhinagar (Gujarat)- 382010 Email: lro.gandhingr-mefcc@gov.in, Tel No. +9179-29613951

Online Proposal No.: FP/RJ/ROAD/445138/2023 Dated: 03/06/2025

To,
Principal Secretary (Forest and Environment),
Department of Forest and Wildlife
Government of Rajasthan,
Vaniki Path, Near Secretariat Jaipur-302005 (Rajasthan)

Subject: Proposal for diversion of 5.32 ha of Reserved Forest land for the construction of approach road to Pachpahar in the State of Rajasthan in favour of the Executive Engineer, Public Works Department Rajasthan (Proposal No. FP/RJ/ROAD/445138/2023).

Sir/Madam,
I am directed to refer to the online proposal no. FP/RJ/ROAD/445138/2023 dated 20/09/2023 on the above-mentioned subject seeking prior approval of the Central Government in accordance with section '2' of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 and to say that the proposal has been examined by Regional Empowered Committee in its 25th Meeting held on 30.05.2025.
After careful consideration and approval of the proposal by the 25th REC, I am directed to convey the "In-Principle/ Stage-I" approval of the Central Government under section '2' of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam. 1980 for the proposal for non-forestry use of 5.32 ha of Reserved Forest land for the construction of approach road to Pachpahar in the State of Rajasthan in favour of the Executive Engineer, Public Works Department Rajasthan subject to the fulfillment of the following general, standard and specific conditions:

1. General Conditions

S.No	Conditions
1.1	Legal status of the diverted forest land shall remain unchanged
1.2	The non-forest land identified for raising compensatory afforestation shall be transferred and mutated in favour of the State Forest Department before issue of the Stage-II clearance
1.3	The non-forest land transferred and mutated in favour of the State Forest Department shall be notified by the State Government as RF under Section-4 or PF under Section-29 of the Indian Forest Act, 1927 or under the relevant Section(s) of the local Forest Act, 1927 latest within a period of six months from the date of issue of Stage--II approval. The Nodal Officer shall report compliance in this regard along with a copy of the original notification declaring the non-forest land under Section 4 or Section 29 of the Indian Forest Act, 1927, as the case may be, within the stipulated period to the Central Government for information and record
1.4	The land identified for the purpose of CA shall be clearly depicted on a Survey of India toposheet of 1:50,000 scale
1.5	The User Agency shall transfer the cost of raising and maintaining the compensatory afforestation, at the current wage rate, to the State Forest Department. The scheme may include appropriate provision for anticipated cost increase for works scheduled for subsequent years
1.6	The State Government shall charge the Net Present Value (NPV) of the forest land being diverted under this proposal from the User Agency as per the orders of the Hon'ble Supreme Court of India dated 28.03.2008, 24.04.2008 and 09.05.2008 in Writ Petition (Civil) No. 202/1995 and the guidelines issued by this Ministry vide its letter No. 5-3/2007-FC dated 05.02.2009 in this regard
1.7	At the time of payment of the Net Present Value (NPV) at the then prevailing rate, the User Agency shall furnish an undertaking to pay the additional amount of NPV, if so determined, as per the final decision of the Hon'ble Supreme Court of India
1.8	All the funds received from the user agency under the project, except the funds realized for regeneration/ demarcation of safety zone, shall be transferred to Ad-hoc CAMPA in the Savings Bank Account pertaining to the State concerned
1.9	The User Agency shall obtain the Environment Clearance as per the provisions of the Environmental (Protection) Act, 1986, if required
1.10	The boundary of the diverted forest land, shall be demarcated on ground at the project cost, by erecting four feet high reinforced cement concrete pillars, each inscribed with its serial number, forward and back bearing and distance from pillar to pillar
1.11	The User agency, if required, will undertake comprehensive soil conservation measures in the area being diverted at the project cost in consultation with the State Forest Department. A scheme of the same may be submitted along with the compliance report
1.12	No labour camp shall be established on the forest land
1.13	The User Agency shall provide fuels preferably alternate fuels to the labourers and the staff working at the site so as to avoid any damage and pressure on the nearby forest areas
1.14	The forest land shall not be used for any purpose other than that specified in the proposal
1.15	The layout plan of the proposal shall not be changed without the prior approval of the Central Government
1.16	The forest land proposed to be diverted shall under no circumstances be transferred to any other agency, department or person without prior approval of the Central Government
1.17	No damage to the flora and fauna of the adjoining area shall be caused
1.18	The State Government shall complete settlement of rights, in terms of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006, if any, on the forest land to be diverted in accordance with the relevant guidelines issued by the MoEF
1.19	The State Government shall monitor compliance of conditions of Forest Clearance and shall submit in this regard yearly report as on 31st December of every year
1.20	The User Agency shall submit six monthly self-compliance reports as on 1st January and 1st July of every year to this office as well as to the Nodal Officer of the State
1.21	Any other condition that the concerned Regional Office of this Ministry may stipulate, from time to time, in the interest of conservation, protection and development of forests & wildlife
1.22	The User Agency and the State Government shall ensure compliance to provisions of the all Acts, Rules, Regulations and Guidelines, for the time being in force, as applicable to the project
1.23	Grant of working permission to the extant proposal may be considered by the State Government in accordance with the provisions as contained in the MoEF&CC's Guidelines dated 28.08.2015
1.24	No tree felling shall be involved in the implementation of this project..
1.25	Compensatory afforestation shall be taken up by the Forest Department over 10.64 ha Degraded forest land, Survey No. 218, 219, 226, 227, 229, 230, 235, Village- Kota Municipal Area, Tehsil-Ladpura, Range- Ladpura, District- Kota of Rajasthan at the cost of the user agency. As far as possible, a mixture of local indigenous species shall be planted and mono-culture of any species may be avoided.
1.26	Compensatory afforestation shall be taken up by the Forest Department over 5.32 ha non- forest land, Survey No. 138. Village- Kudet, Tehsil- Sangod, Range- Kanwas, District- Kota of Rajasthan at the cost of the user agency. As far as possible, a mixture of local indigenous species shall be planted and mono-culture of any species may be avoided.

2. Standard conditions

S.No	Conditions
2.1	The user agency shall arrange to raise strip plantation on either side of the road and central verge at project cost, as per IRC specification, with maintenance of 7-10 years. The user agency shall also submit design of providing at least 2-3 rows of long rotation indigenous trees, as per provision of IRC-SP-21-2009 (Guidelines on landscaping & tree plantation), on either side of the road before final clearance.
2.2	The reclamation of quarry should be done under the supervision of the State Forest Department. The quarry shall be reclaimed and afforested completely before the project is closed.
2.3	Overburden shall not be dumped outside the width of the road. The muck generated in the earth cuttings will be disposed of at the designated dumping sites and in no case the muck/debris will be allowed to roll down the hill slopes.
2.4	The user agency will provide retaining walls, breast walls and drainage as per requirement to make the slope stable.
2.5	The User agency will undertake comprehensive soil conservation measures at the project cost in consultation with the State Forest Department. A scheme of the same shall be submitted to the Regional Office along with the Stage-1 compliance report;
2.6	The designing of culverts/bridges, if any, over the natural streams/rivers/canals should be done in such a manner that it does not hamper the natural course of water, does not give rise to water-logging, and also does not hamper movement of wild animals

3. Specific Conditions

S.No	Conditions
3.1	The User Agency shall construct 6 feet high wall along the boundaries of the Non-forest land and Degraded-forest land proposed for CA.
3.2	User Agency shall provide at its cost the required number of Solar Pumps as given by the Forest Department for irrigating the CA plantation.
3.3	The User Agency shall construct underpasses of 5-meter height and 5 meters wide at every 500 meters along the length of the road in forest land for safe passage of the animals or required numbers as per local conditions, to be approved by the CWLW
3.4	The User Agency shall also plant 1000 trees of Ficus species/Indigenous species on both sides of the road at its cost.

After receipt of compliance report on fulfillment of all the above conditions from the State Government, proposal will be considered for final approval under section '2' of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980. The User Agency shall take up the work as per the guidelines in force and after ensuring that all necessary clearances for the entire stretch are in place. Working permission, if any issued, shall be intimated to RO, Gandhinagar. Transfer of forest land shall not be affected till final approval is granted by the Central Government in this regard. Further, it may also be noted that this In-principle/Stage-I approval shall be valid for a period of 2 years from the date of issue of this letter. In the event of non-compliance of the above conditions, this In-principle approval shall be revoked after two (02) years.

Your's faithfully
(Shrawan Kumar Verma)
Regional Officer/Head of Department
Regional Office, Gandhinagar
MoEF&CC, Govt of India

DIPR/C/14655/2025

अमित शाह 13 को जयपुर में कलैक्टर -एसपी कॉन्फ्रैंस में भी भाग लेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय गृह मंत्री के दौरे की तैयारियों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रस्तावित जयपुर दौरे की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली।

- गृह मंत्री अमित शाह जयपुर प्रवास के दौरान तीन नये कानून के एक वर्ष पूर्ण होने पर सीतापुर में आयोजित 6 दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे तथा राइज़िंग राजस्थान के निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग, दूध सब्सिडी की राशि का हस्तांतरण भी करेंगे।

जयपुर, 9 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रस्तावित जयपुर दौरे (13 अक्टूबर) की तैयारियों को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने के बाद, आपराधिक न्याय प्रणाली में सकारात्मक बदलाव आया है। इन तीन नवीन कानूनों के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित होने वाली छह दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 अक्टूबर को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे।

शर्मा ने कहा कि इस अवसर पर केन्द्रीय गृहमंत्री "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024" के तहत प्राप्त निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग के साथ ही, विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही, प्रदेश के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म एवं दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी राशि का हस्तान्तरण तथा 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना के तहत रजिस्ट्रेशन का शुभारम्भ किया जाएगा। एफ.एस.एल. हेतु वाहनों एवं महिला सुरक्षा सम्बन्धी पेट्रोलिंग की स्कूटियों एवं मोटरसाइकिलों का फ्लैगऑफ भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 13 अक्टूबर से जयपुर में जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कॉन्फ्रेन्स का आयोजन करने जा रही है। इस दौरान कानून व्यवस्था, भूप्रबंधन, सुशासन, सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा की जाएगी। इस कॉन्फ्रेन्स के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय गृहमंत्री भी शामिल होंगे।

इस दौरान, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार की एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूची को एक समेकित रूप में जारी करने के बजाय, 90,000 अलग-अलग इमेज फाइलों में जारी किया है। कांग्रेस का सवाल है - चुनाव आयोग मतदाता सूची को विश्लेषण के लिए सुगम बनाने में क्यों हिचक रहा है? आखिर उसे डर किस बात का है?

कांग्रेस पार्टी ने बिहार मतदाता सूची के प्रारंभिक विश्लेषण के बाद ईसीआई से नीचे दिए गए सवाल पूछे हैं -

1. लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान बिहार में 7.72 करोड़ पंजीकृत मतदाता थे। अब विधानसभा चुनावों के लिए यह संख्या घटकर 7.42 करोड़ रह गई है, यानी लगभग 30 लाख मतदाता सूची से गायब हैं।

ये 30 लाख लोग कौन हैं?

इनमें से कितने लोगों ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान किया था?

2. ईसीआई का दावा है कि 21.53 लाख नए मतदाता जोड़े गए, लेकिन फॉर्म 6 केवल 16.93 लाख के लिए उपलब्ध है।

बाकी 4.6 लाख फॉर्म कहाँ हैं?

क्या इन मतदाताओं को बिना उचित प्रक्रिया के जोड़ा गया?

3. एसआईआर प्रक्रिया के तहत कुल 67.3 लाख मतदाताओं को हटाया गया, जिनमें से एक-दसवां हिस्सा सिर्फ 15 विधानसभा क्षेत्रों में ही है। चुनाव आयोग ने अब तक सभी हटाए गए मतदाताओं की अंतिम सूची (बूथ व कैटगरी अनुसार) क्यों सार्वजनिक नहीं की?

4. कांग्रेस के विश्लेषण के अनुसार, अंतिम प्रकाशित सूची में अब भी 5 लाख से अधिक डुप्लिकेट मतदाता (जिनका नाम, रिश्तेदार का नाम, उम्र, लिंग और पता समान है) मौजूद हैं।

जब इतने डुप्लिकेट अब भी हैं, तो एसआईआर का उद्देश्य क्या था?

अब आयोग इन्हें सत्यापित और साफ कैसे करेगा?

कांग्रेस ने यह भी कहा कि सीईसी ने यह अनुमति दी है कि नामांकन की अंतिम तिथि से 10 दिन पहले तक ही नए नाम शामिल किए जा सकते हैं। इसके बाद मतदाता सूची को फ्रीज़ किया जाना चाहिए, और किसी भी पूरक सूची से मूल मतदाता आधार में बदलाव नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार मतदाता सूची में अनियमितताओं और इसके जरिए चुनावी परिणामों में कथित हेरफेर की ओर इशारा करते रहे हैं। पार्टी ने मतदाता सूचियों को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के सभी प्रयासों का स्वागत किया है।

कांग्रेस का कहना है कि ऊपर दिए गए सवालों के स्पष्ट उत्तर देना चुनाव आयोग के लिए जनता का भरोसा जीतने और मतदाता सूची की साख व पारदर्शिता साबित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

'हर परिवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नौकरी पाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस व्यवस्था को लागू करने के लिए सरकार बनने के 20 दिनों के अन्दर विधेयक (कानून) लाया जाएगा। उन्होंने कहा, "बिहार में ऐसा कोई घर नहीं रहेगा जिसमें नौकरी न हो।"

तेजस्वी ने कहा, "हम आज एक ऐतिहासिक घोषणा करने जा रहे हैं। बहुत से लोग जानना चाहते थे कि हम बिहार को कैसे आगे ले जाना चाहते हैं। बीते 20 वर्षों में इस जर्जर सरकार ने कभी यह महसूस ही नहीं किया कि बेरोजगारी ही सबसे बड़ा मुद्दा है।" उन्होंने कहा कि एनडीए के घटक दल -जेडीयू और भाजपा नौकरियों का वादा नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल बेरोजगारी भत्ता देने की बात कर रहे हैं। तेजस्वी ने कहा, बिहार का कोई भी परिवार जिसके पास सरकारी नौकरी नहीं है, उसे एक नई विधायी व्यवस्था के तहत नौकरी दी जाएगी। सरकार बनने के 20 दिनों के अंदर यह कानून लाया जाएगा, और 20 महीनों के भीतर हम सुनिश्चित करेंगे कि बिहार में कोई ऐसा घर न बचे जिसमें सरकारी नौकरी न हो।

एसएमएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसएमएस अस्पताल के एचओडी डॉ. मनीष अग्रवाल के खिलाफ परिवादी ने एसीबी को शिकायत दी कि वह न्यूरो सर्जरी विभाग में काम आने वाले ब्रेन कॉइल सप्लाई करता है। लेकिन डॉ. मनीष अग्रवाल इनके बिलों पर काउंटर सिग्नेचर करने के एवज में रिश्वत की मांग कर रहे हैं। शिकायत के बाद एसीबी की टीम ने मामले का सत्यापन करवाया, जिसमें शिकायत सच पाई गई। फिर एचओडी डॉ. मनीष अग्रवाल को ट्रैप करने के लिए जाल बिछाया और गुरुवार की देर शाम डॉ मनीष अग्रवाल को एक लाख रुपये रिश्वत लेते ट्रैप किया गया।

'अपने सामान के साथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि जैसे-जैसे शटडाउन लंबा खिंचता है तो समयपालन (पंक्चुअलिटी) प्रभावित हो सकती है। ओएजी एविएशन के वरिष्ठ विश्लेषक जॉन ग्रांट कहते हैं, "हवाई यातायात सटीकता और मनोबल पर चलता है। अनिश्चितता और बिना वेतन पर दक्षता बनाए नहीं रखी जा सकती।"

क्रूज़ यात्रा पर अभी तक इसका असर अपेक्षाकृत कम है। तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) और सीमा शुल्क एजेंट जैसे जरूरी संघीय कर्मचारी काम कर रहे हैं, हालांकि उन्हें भी वेतन नहीं मिल रहा। लेकिन अगर यह गतिरोध लंबा चला, तो बंदरगाहों और सीमा शुल्क संचालन पर भी असर पड़ सकता है।

जमीन पर स्थिति और भी खराब है। अमेरिका के नैशनल पार्क, जो आमतौर पर पतझड़ के मौसम में पर्यटकों से भरे रहते हैं, अब प्रशासनिक जड़ता में फंसे हुए हैं। योसेमाइट, यैलो स्टोन, और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी जैसे स्थान खुले तो हैं, लेकिन वहां के विज़िटर सैंटर, शौचालय और स्मारक जैसे सुविधायें बंद हैं। नेशनल पार्क सर्विस (एनपीएस) ने लगभग 64 प्रतिशत कर्मचारियों - यानी करीब 9,300 लोगों - को अवैतनिक अवकाश पर भेज दिया है, जिससे कई पार्क बिना निगरानी के रह गए हैं।

नेशनल पार्क्स कंज़र्वेशन एसोसिएशन (एनपीसीए) ने चेताया है कि स्थिति खतरनाक हो रही है। एनपीसीए की अध्यक्ष थेरेसा पिएर्नो कहती हैं, "ग्रेट फॉल्स में आगंतुकों ने अवैध रूप से गाड़ियाँ पार्क कीं और अंदर जाने के लिए बैरिकेड्स लांघे। गेटवे में भीड़ समुद्र तटों पर उमड़ पड़ी जबकि वहां कोई स्टाफ मौजूद नहीं था - यह गंभीर सुरक्षा जोखिम है।" उन्होंने कहा कि पार्कों पर दबाव बढ़ रहा है और इस शटडाउन को उन्होंने "नैशनल पार्क्स के सिस्टम्स के लिए अब तक के सबसे बड़े खतरों में से एक" बताया।

शहरी यात्रियों को भी राहत नहीं है। वॉशिंगटन डी.सी. में पर्यटकों को नेशनल आर्काइव्स, वॉशिंगटन मॉन्यूमेंट और लाइब्रेरी ऑफ कॉन्ग्रेस जैसी जगहों से वापस भेजा जा रहा है, जो अनिश्चितकाल के लिए बंद हैं। एक ब्रिटिश यात्री ने रैडिट पर लिखा, "हम लंदन से "डिक्लेरेशन ऑफ इनडिपैंस" देखने आए थे, लेकिन अब अंदर जा ही नहीं सकते।"

फिर भी सांस्कृतिक जीवन पूरी तरह ठप नहीं हुआ है। जॉन एफ. कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स जैसे थिएटर और संगीत हॉल अभी भी सीमित स्टाफ के साथ कार्यक्रम जारी रखे हुए हैं - जो लोगों के लिए इस असामान्य माहौल में सामान्यता की एक झलक है।

इस बीच, वीज़ा स्वीकृति या आप्रवासन प्रक्रिया का इंतजार कर रहे विदेशी यात्रियों को नई अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकन इमिग्रेशन काउंसिल ने चेतावनी दी है कि दूतावासों में सीमित स्टाफ के कारण आवेदनों में हफ्तों की देरी हो सकती है। बयान में कहा गया, "जरूरी सेवाएं जारी रहेंगी, लेकिन लंबी प्रतीक्षा की उम्मीद करें।"

फिलहाल अधिकांश उड़ानें संचालित हो रही हैं और क्रूज़ जहाज रवाना हो रहे हैं। लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि असली चिंता साख की है। एटमॉस्फीयर रिसर्च ग्रुप के यात्रा अर्थशास्त्री हेनरी हार्टवेल्ड कहते हैं, "हर दिन जब यह शटडाउन जारी रहता है, यह अमेरिका की एक विश्वसनीय गंतव्य के रूप में छवि को थोड़ा और कमजोर कर देता है -चाहे वह व्यापारिक यात्रा हो या पर्यटन।" राजनीतिक गतिरोध जारी रहने के बीच यात्रियों के लिए संदेश स्पष्ट है - सिर्फ पासपोर्ट नहीं, धैर्य भी साथ रखें।

दो साल की बेरहम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों जगहों पर लोगों ने स्वत: जश्न मनाना शुरु कर दिया। हमले के बाद दो वर्षों तक, उन्होंने अमानवीय हालात और अपने प्रियजनों की मौतों का गहरा दुख झेला है।

यहाँ तक कि गाज़ा की जनता भी हमास आतंकवादियों के कर्मों की भारी कीमत चुका कर थक चुकी है। अरब आबादी का एक बड़ा हिस्सा युद्ध की भयंकर मानवीय और आर्थिक कीमत चुकाए जाने से दुखी था और अब वो शांति और बंधकों की रिहाई की कामना कर रहा था।

समग्र वापसी (ओवर ऑल डिस्एंगेजमैंट) के विभिन्न विवरणों पर, वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका तथा कई प्रमुख अरब तथा मुस्लिम देशों के सक्रिय मार्गदर्शन में काम चल रहा है।

शांति वार्ताएं मुख्य रूप से मिस्त्र के शहर शर्म अल शेख में हुईं, जो इज़रायल की सीमा पर स्थित है। तुर्की ने भी इन वार्ताओं में सक्रिय भागीदारी की और संघर्षविराम तथा जमीनी क्रियान्वयन की निगरानी करने की इच्छा जताई।

इससे जुड़ा एक सवाल कई लोगों के मन में घूम रहा है, जिनमें कुछ शीर्ष इज़रायली नेता भी शामिल हैं और वे इस उपलब्धि के लिए डॉनल्ड ट्रंप को खुश करने के उत्सुक हैं। सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या इज़रायल-गाज़ा शांति से डॉनल्ड ट्रंप को राजनीतिक लाभ मिलेगा? क्या यह उपलब्धि उन्हें राजनीतिक वरदान देगी? इस पर कई हलकों में चर्चा जारी है।

बंगाल में भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलेगी। तकनीकी साधनों के उपयोग का निर्णय इसलिए भी लिया गया है क्योंकि स्कूल शिक्षक, जिन्हें बीएलओ के रूप में भी नियुक्त किया जाता है, अत्यधिक कार्यभार से परेशान हैं। स्कूल छ: दिन चलते हैं, तथा बहुत से शिक्षकों को लम्बी दूरी तय करके स्कूल आकर शिक्षण कार्य करना होता है। इसलिये अपनी शिक्षण जिम्मेदारियों के साथ-साथ, घर-घर जाकर एसआईआर प्रक्रिया पूरी करने में शिक्षकों ने कठिनाई जताई है। बहुत से शिक्षकों ने आयोग से अनुरोध किया है कि उन्हें एक महीने का अवकाश दिया जाए, ताकि वे चुनाव संबंधी कार्य पूरी कुशलता से पूरा कर सकें। प्रक्रिया की तैयारी के तहत, आज कोलाघाट में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने एक बैठक आयोजित की, जिसमें पूर्व मेदिनीपुर, बांकुरा और झाड़ग्राम जिलों के बीएलओ, इलेक्शन रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) और सहायक ईआरओ शामिल हुए।

सीजेआई पर हमला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रॉक्सिमिटी एक्सेस कार्ड तुरंत रद्द किया जाए। सूत्रों के अनुसार, 71 वर्षीय वकील के खिलाफ फौजदारी अवमानना की कार्यवाही शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। इस संबंध में कानूनी कार्रवाई की अनुमति लेने हेतु अटॉर्नी जनरल को पत्र भेजा गया है।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने भी राकेश किशोर को निलंबित कर दिया है।

किशोर, जिन्होंने कहा कि उनकी कोई राजनीतिक सम्बद्धता या आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, ने समाचार एजेंसी "एएनआई" को बताया कि उन्होंने यह कदम भावनात्मक पीड़ा के कारण उठाया, जो उनके अनुसार, हिंदू धार्मिक मामलों में "बार-बार न्यायिक हस्तक्षेप" के चलते उत्पन्न हुई थी। उन्होंने अपने कृत्य पर कोई अफसोस व्यक्त नहीं किया।

MARUTI SUZUKI ARENA

त्योहारों की ख़ुशी
अब हुई और बड़ी

GST लाभ और सीमित अवधि फैस्टिव ऑफ़र्स के साथ
23 अक्टूबर, 2025 तक मान्य

MODEL	S-PRESSO	ALTO K10	CELERIO	WAGONR	SWIFT	DZIRE	BREZZA	ERTIGA	EECO
REDUCTION IN PRICE^ (₹) UP TO	129 600	107 600	94 100	79 600	84 600	87 700	112 700	46 400	68 000
NOW STARTING AT^ (₹)	349 900	369 900	469 900	498 900	578 900	625 600	825 900	880 000	518 100
ADDITIONAL FESTIVE OFFERS* (₹) UP TO	47 500	52 500	52 500	57 500	48 750	2 500	35 000	-	42 500

BOOK NOW
UP TO 100% PROCESSING FEE WAIVER ON CAR FINANCE#

ARENA SAFETY SHIELD

SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM

Contact us at 1800-102-1800

T&C available at dealership. Features/accessories vary by variant. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. *Offers / Prices differ by variant/model/location/city and may change or end without notice. Includes consumer, exchange, and institutional/rural offers (where applicable) on select models. Offer values shown are maximums. Prices subject to GST rates as notified by the Government. ^Reductions and starting prices vary by variant. #Valid with select financiers, for personal-use vehicles only.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908